ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ
DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 02 मार्च, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-60

विजयेंद्र ने समर्थकों से जाति के नाम पर रैली न करने की अपील की @ नम्मा बेंगलूरु

जेलेंस्की की बदतमीजी से ढेर हुई युद्ध विराम की अमेरिकी पहल

जिस शाख पर बैठे थे जेलेंस्की उसे ही काट डाला

वॉशिंगटन, 01 मार्च (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से चल रहे युद्ध को समाप्त कराने की अमेरिकी पहल यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बचकानेपन और बदतमीजी की भेंट चढ़ गई। अंतरराष्ट्रीय मीडिया के सामने ही जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अप्रत्याशित बहस शुरू कर दी। जेलेंस्की का ऐसा व्यवहार देख कर ट्रंप भड़क गए और उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस को बीच में ही स्थगित कर दिया। ट्रंप और जेलेंस्की की वार्ता वहीं की वहीं ढेर हो गई। कहा जा रहा है कि ट्रंप ने जेलेंस्की को व्हाइट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। जेलेंस्की के इस व्यवहार की दुनियाभर में निंदा हो रही है। अंतरराष्ट्रीय नेताओं का कहना है कि यूक्रेन जिस अमेरिका का दिया खाना खा रहा है, उसने उस खाने का अपमान किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की व्हाइट हाउस में मुलाकात बड़े ड्रामे के साथ खत्म हुई। यह बैठक शुक्रवार 28 फरवरी को वॉशिंगटन डीसी में हुई, लेकिन तय समय से पहले ही जेलेंस्की वहां से चले गए। जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस भी रद्द कर दी गई, क्योंकि ट्रंप ने जेलेंस्की पर अमेरिका का अपमान करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की शांति नहीं चाहते, बल्कि अमेरिका की मदद से फायदा उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे फायदा नहीं, शांति चाहिए। जेलेंस्की ने ओवल ऑफिस में अमेरिका का सम्मान नहीं किया। जब वो शांति के लिए तैयार हों, तब आएं। बैठक में ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने जेलेंस्की को रूस-यूक्रेन जंग पर उनकी राय के लिए फटकारा। जेलेंस्की ने अमेरिका को यूक्रेन की मुश्किलों का जिम्मेदार

जेलेंस्की के बर्ताव पर भड़के ट्रंप व्हाइट से बाहर का रास्ता दिखाया

यूक्रेनी राष्ट्रपति के अमर्यादित व्यवहार की दुनियाभर में हो रही निंदा

ठहराने की कोशिश की, लेकिन वेंस ने उन्हें रोक दिया। ये सब मीडिया में दिखाया गया।

बैठक में तनाव तब बढ़ा जब एक पत्रकार ने यूक्रेन की सुरक्षा पर सवाल पूछा। ट्रंप ने कहा, मैं सुरक्षा की बात नहीं करना चाहता। मुझे बस डील चाहिए। यूरोप अपने लोग वहां भेजेगा। फ्रांस, ब्रिटेन जैसे देश सुरक्षा देंगे। हम खनिज निकालकर अपनी सुरक्षा करेंगे। जेलेंस्की ने जवाब दिया, बिना सुरक्षा गारंटी के सीजफायर का कोई फायदा नहीं। पुतिन ने 25 बार सीजफायर तोड़ा है। मजबूत सेना चाहिए, वरना पुतिन नहीं रुकेगा। ट्रंप भड़क गए और बोले, आप सीजफायर नहीं चाहते, अपने लोगों को मरवाना चाहते हैं। ये अमेरिका का अपमान है।

रूस ने इस झगड़े पर खुशी जताई। पूर्व रूसी राष्ट्रपति दमित्री मेदवेदेव ने इसे जेलेंस्की के लिए करारा थप्पड़ बताया। उन्होंने कहा, कीव सरकार तीसरे विश्व युद्ध का खेल खेल रही है। यूक्रेन को मदद बंद होनी चाहिए। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा, जेलेंस्की उस हाथ को काट रहे हैं जो उन्हें खाना देता है।

टीवी कमेंटेटर व्लादिमीर सोलोव्योव ने इसे जेलेंस्की की व्हाइट हाउस में आत्महत्या करार दिया। रूस लंबे समय से जेलेंस्की को अमेरिका का पिट्ठू बताता रहा है और अब ट्रंप के साथ अपने रिश्ते बेहतर करने की कोशिश में है। रूसी अधिकारी सर्गेई मार्कोव ने कहा, ये झगड़ा जेलेंस्की के करियर का अंत तेज करेगा। राजनीतिक विश्लेषक रिचर्ज हनानिया ने जेलेंस्की को आड़े हाथों लिया। उन्होंने बताया कि ये जेलेंस्की ही थी, जिसकी वजह से बातचीत बर्बाद हो गई, वर्ना कुछ ही मिनट में उनके हाथों में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी हो सकती थी। ▶10 पर

यूरोपियन यूनियन और भारत के बीच होगा खुला व्यापार

17 साल से बंद समझौते की फाइल खुलेगी

नई दिल्ली, 01 मार्च (एजेंसियां)। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार संधि का प्रस्ताव 17 वर्षों से फाइलों में बंद था। भारत सरकार ने इसे खोलने और समझौते पर परस्पर सहमति बनाने की पहल तेज कर दी है। इस वर्ष भारत यूरोपीय संघ के साथ एक शिखर सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला से बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी को 2025 से आगे ले जाने के लिए एक उम्मीदों भरा साहसिक खाका रखा जाएगा। इसी खाके को आगामी भारत-यूरोपीय संघ के शिखर सम्मेलन में उद्घाटित करने का विचार बना है।

भारत की मोदी सरकार की राष्ट्र-प्रथम की नीति अपना रंग दिखा रही है और विश्व मंच पर भारत को अपने हित के साथ विश्व के हित का एक बड़ा साझीदार के तौर पर देखा जा रहा है। इसी कड़ी में यूरोपीय संघ के साथ भारत की नजदीकी बढ़ी है। दोनों पक्षों के बीच मुक्त व्यापार को लेकर मसौदा तो 17 साल पहले ही तैयार हो गया था, लेकिन वह फाइलों में ही बंद रहा था। भारत इसकी कुछ शर्तों में सुधार और भारत के पक्ष से अधिक इंक्लूसिव बनाने की बात करता था। लेकिन अब लगता है इस साल दोनों पक्ष मुक्त व्यापार संधि पर हस्ताक्षर करके निकटता का व्याप और बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लेयेन के बीच नई दिल्ली में इस बारे में विस्तृत बात होना उस दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

यूरोपीय संघ की अध्यक्ष से पीएम मोदी की हुई अहम वार्ता

मोदी और उर्सुला वोन डेर के बीच हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की चर्चा में अनेक ऐसे बिंदु आए जिनसे भारत की यूरोपीय संघ के देशों के साथ सहयोग और समन्वय के विभिन्न आयाम खुलेंगे। दोनों की बैठक में यह सहमति बनी है कि इस वर्ष के अंत तक भारत तथा यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार संधि पर हस्ताक्षर ▶10 पर

गृह मंत्रालय में मणिपुर को लेकर हुई समीक्षा बैठक

नशा और हिंसा से मुक्त होगा मणिपुर : अमित शाह

नई दिल्ली, 01 मार्च (एजेंसियां)। लंबे समय से हिंसाग्रस्त मणिपुर में शांति बहाल करने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को हफ्तेभर का समय दिया है। मणिपुर फिलहाल सेना के हवाले है और वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। नई दिल्ली में शनिवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में अमित शाह ने 8 मार्च से मणिपुर की सभी सड़कों पर मुक्त आवाजाही के लिए खोलने और सुरक्षा सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया है।

गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में कहा कि सड़कों पर अवरोध पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। केंद्र सरकार मणिपुर में स्थायी शांति बहाल करने और इस संबंध में सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अमित शाह ने म्यांमार से

मणिपुर में 8 मार्च से खुल जाएंगे आवाजाही के रास्ते

लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए फेंसिंग लगाने की गति को बढ़ाने के लिए कहा। उन्होंने कहा, आम लोगों से जबरन वसूली के सभी मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। मणिपुर की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निर्धारित प्रवेश बिंदुओं के दोनों ओर बाड़ लगाने का काम जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने मणिपुर को नशामुक्त बनाने के लिए अधिकारियों से पूरे नशीली दवाओं के व्यापार को खत्म करने और ड्रग नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए कहा है। केंद्रीय गृह मंत्री बैठक में मणिपुर की सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया और राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद इस तरह की यह पहली समीक्षा बैठक थी। ▶10 पर

उत्तराखंड के चमोली स्थित माणा गांव में हुआ था हादसा

हिमस्खलन में दबे 47 मजदूर बचाए गए, 8 अब भी फंसे

चमोली, 01 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चमोली जिले में माणा गांव के पास हुए हिमस्खलन में फंसे 55 मजदूरों में से 47 को बचा लिया गया है। शुक्रवार को हुए हिमस्खलन में बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के कैंप में काम करने वाले मजदूर दब गए थे। शनिवार सुबह तक 14 और मजदूरों को निकाला गया, लेकिन अभी भी 8 लोग फंसे हैं। इस तरह कुल 47 मजदूर सुरक्षित बच गए हैं। ▶10 पर

केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह ने पीओके संकल्प दिवस पर कहा

मोदी सरकार ही छीन सकती है पीओके

नई दिल्ली, 01 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री डॉ. जीतेंद्र सिंह ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओके) की वापसी सिर्फ मोदी सरकार में ही हो सकती है। जम्मू कश्मीर पीपुल्स फोरम और मीरपुर पीओके बलिदान समिति द्वारा आयोजित पीओके संकल्प दिवस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने यह बात कही। इस मौके पर मौजूद देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पीओके को भारत में मिलाने का सपना अब हकीकत बन सकता है। दोनों ने 1947 की उन गलतियों की याद दिलाई, जिनकी वजह से पीओके आज पाकिस्तान के कब्जे में है।

डॉ. जीतेंद्र सिंह ने कहा कि भारत का बंटवारा एक बहुत बड़ी भूल थी, जो नेहरू और जिन्ना की महत्वाकांक्षाओं की वजह से हुई।

पीओके, पीओएल और सीओएल हासिल करना लक्ष्य

उन्होंने बताया कि जब 1948 में भारतीय सेना मीरपुर तक पहुंचकर पीओके को आजाद करा रही थी, तभी नेहरू ने सीजफायर करवा दिया और मामला यूएन में ले गए। अगर ऐसा न हुआ होता, तो पीओके आज भारत का हिस्सा होता। उन्होंने कहा कि नेहरू की गलतियों की वजह से भारत ने अपनी हजारों किलोमीटर जमीन खो दी। लेकिन अब मोदी सरकार पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर, पाकिस्तान अधिकृत लद्दाख और चीन अधिकृत लद्दाख को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ये काम मोदी सरकार में ही पूरा होगा।

तुषार मेहता ने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाना पहले असंभव लगता था, लेकिन मोदी सरकार ने करके दिखाया। ▶10 पर

2000 के 98.18% नोट आरबीआई के पास वापस आए

बाजार में भले न चलें, पर वैध मुद्रा रहेंगे 2000 के नोट

नई दिल्ली, 01 मार्च (एजेंसियां)। 2000 रुपए के 98.18 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं। केवल 6,471 करोड़ रुपए मूल्य के 2000 के नोट ही अब बाजार में बचे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने शनिवार इसकी जानकारी दी। 19 मई 2023 को भारतीय रिजर्व बैंक ने 2000 रुपए मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने का ऐलान किया था।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ताजा जानकारी दी है कि 19 मई 2023 को कारोबार बंद होने के दौरान 2000 रुपए के 3.56 लाख करोड़ रुपए के नोट मौजूद थे।

28 फरवरी 2025 को कारोबार बंद होने के दौरान बाजार में मौजूद 2000 के नोटों की संख्या घटकर अब 6,471 करोड़ रुपए रह गई है। आरबीआई ने कहा, 19 मई 2023 तक प्रचलन में रहे 2000 रुपए के नोटों के 98.18 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ चुके हैं। 2000 रुपए के बैंक नोट जमा करने या बदलने की सुविधा 7 अक्टूबर 2023 तक सभी बैंक शाखाओं पर उपलब्ध थी। फिलहाल यह सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। 9 अक्टूबर 2023 से, आरबीआई के निर्गम कार्यालय भी व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 87,650/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 96,820/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 34°

न्यूनतम : 22°

भ्रष्ट और लचर प्रशासनतंत्र का खतरनाक परिणाम सामने

संवेदनशील सैन्य क्षेत्र में बिछ गया अवैध मजारों का जाल

देहरादून, 01 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड सरकार ने लैंड जेहाद के खिलाफ अभियान चलाकर सैकड़ों अवैध मजारें ध्वस्त कर दी हैं, लेकिन अभी शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में अवैध मजारें कायम हैं। एक और सनसनीखेज जानकारी सामने आई है कि रक्षा संपदा विभाग की भूमि पर भी अवैध मजारों का जाल बिछा हुआ है। केवल रानीखेत सैन्य क्षेत्र में इनकी संख्या दर्जनभर से अधिक बताई जा रही है। वन विभाग, छावनी परिषद और पुलिस प्रशासन के द्वारा किए गए एक सर्च रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

सुरक्षा की दृष्टि से अति संवेदनशील रक्षा क्षेत्र के इन इलाकों में ये मजारे कैसे बनीं? किसने इसकी इजाजत दी? यहां आने-जाने वाले कौन लोग हैं? ऐसे कई सवाल भी सामने आए हैं। रानीखेत आर्मी स्कूल के पीछे अवैध मजार है। इन संवेदनशील स्थानों पर अक्सर सेना के युद्धाभ्यास भी होते रहे हैं और जवानों का प्रशिक्षण भी होता रहता है। रानीखेत बाजार क्षेत्र में भी मजार है, जबकि कुछ मजारें कैंट एरिया के जंगल में दिखाई दे रही हैं, जहां बाहरी लोगों के आने-जाने

रानीखेत और देहरादून सैन्य क्षेत्र अवैध मजारों से आक्रांत

पर कोई रोकटोक नहीं है। कुछ मजारें पक्के लेंटर वाली हैं तो कुछ टीन शेड में बनी हुई हैं। छावनी परिषद ने इसका सर्वे तो करवा लिया है, लेकिन इन्हें हटाने के लिए कोई भी प्रयास नहीं किया गया है।एक अन्य जानकारी के अनुसार कोटद्वार आर्मी एरिया में भी एक मजार है। देहरादून के कैंट एरिया के एक बड़े परिसर में भी मजार है। कालसी क्षेत्र में आर्मी एरिया के पास कब्रिस्तान बना दिए जाने की खबरें सुर्खियों में है, वन आरक्षित इस क्षेत्र में वन विभाग ने दो साल पहले कार्रवाई भी की थी किंतु अब फिर से यहां कब्र बनाए जाने की सूचनाएं प्रकाश में आ रही हैं।

उत्तराखंड सीमावर्ती राज्य है और इसे देवभूमि कहा जाता है। यहां पिछले कुछ सालों से संवेदनशील स्थानों पर अवैध मजारें बनाने और फिर उन्हें वक्फ बोर्ड में पंजीकृत कराने का षडयंत्र होता भी देखा गया है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहसपुर में हुए एक कार्यक्रम में स्पष्ट कहा कि देवभूमि में लैंड जेहाद, अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और हम यहां का सांस्कृतिक स्वरूप बिगड़ने नहीं देंगे। ऐसे में अब अल्मोड़ा रानीखेत प्रशासन की कड़ी कार्रवाई का सबको इंतजार है।

कार्टून कॉर्नर

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ की सदस्याएं अल्माटी रवाना

यात्रा का उद्देश्य सदस्यों को उनकी दिनचर्या से एक सुखद विराम देना: बबीता रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ के सदस्य कजाखस्तान के अल्माटी की एक समृद्ध यात्रा पर रवाना हुए, जिसमें 52 ऊर्जावान महिलाएं शामिल हैं। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया और कहा कि यह यात्रा केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि आपसी संबंधों को मजबूत करने, व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने और एकता के इस भाव को मनाने का एक अनमोल अवसर है।

उन्होंने आगे कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य सदस्यों को उनकी दिनचर्या से एक सुखद विराम देना, सार्थक संवाद स्थापित करना, सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त करना और बहनापे की भावना को और गहरा करना है। केकेजी महिला विंग की कन्वीनर पिंकी जैन ने बताया कि यह यात्रा संगठन की बैठकों से आगे बढ़कर हमारे सदस्यों के आपसी संबंधों को और मजबूत करेगी। साथ ही, हम अल्माटी के इतिहास, सुंदरता और परंपराओं को करीब से जानकर अपने दृष्टिकोण का विस्तार कर पाएंगे। मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने कहा कि यह यात्रा महिलाओं में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता की भावना को प्रेरित करेगी और उनमें एक साहसिक सोच विकसित करेगी। साथ ही, यह महिलाओं को उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर नेतृत्व और टीम भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करेगी। सभी ने अनुभव किया कि यह यात्रा खुलकर संवाद करने, मनोबल बढ़ाने और आत्म-देखभाल व सामुदायिक समर्थन के महत्व को सुदृढ़ करने में सहायक होगी। यह यात्रा हमारी एकता, शक्ति और सामूहिक विकास के दृष्टिकोण का प्रमाण है। जीवन की हर यात्रा हमें कुछ नया सिखाती है चाहे वह व्यक्तिगत हो या पर्यटन से जुड़ी हो। बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने कहा कि इस प्रकार की पहलों के माध्यम से हम एक सशक्त समुदाय के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां महिलाएं व्यक्तिगत और व्यावसायिक रूप से आगे बढ़ सकें। केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफना, केकेजी जोन मुख्य सचिव दिलीप जैन, केकेजी जोन की सह संयोजक कीर्ति सांचेती, जीतो बेंगलूरु साउथ के मुख्य सचिव नितिन लुनिया और महिला विंग संयोजक प्रवीन सोफाडिया ने अपनी शुभकामनाएँ दीं। संयोजक अंगिका बाफना और सह संयोजक वनीता बच्छावत ने पूरे ट्रिप की योजना, पंजीकरण से लेकर संपूर्ण यात्रा का सफल आयोजन किया। प्रबंधन समिति की उपाध्यक्ष लता बोहरा, संयुक्त सचिव साक्षी नाहर, प्रिया गांधी, रेखा विनोद जैन, रेखा किशोर जैन, हेमा सोलंकी, सोमना सिसोदिया और संगीता सियाल ने भी इस यात्रा के आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पारिवारिक संस्कार और आधुनिकता एक दूसरे का पूरक: पूर्णिमा कठोतिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जा रही वाद-विवाद प्रतियोगिता के प्रथम चरण, जिसका विषय आधुनिक जीवन शैली और पारिवारिक संस्कार, सह अस्तित्व या संघर्ष था, का आयोजन तेरापंथ महिला मंडल टी.दासरहल्ली द्वारा तेरापंथ भवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। तत्पश्चात मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत किया व निर्णायक भी रही। स्थानीय स्टार पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली पूर्णिमा कठोतिया ने विषय पर बताया कि पारिवारिक संस्कार और आधुनिकता एक दूसरे का पूरक हैं।

आधुनिक दृष्टिकोण नई दिशा देती हैं तो संस्कार उस पर चलने का हौसला देती हैं। अनादि काल से कभी शब्दों में अंतर नहीं आया। इसलिए संघर्ष के स्थान पर सौहार्द से सह-अस्तित्व को अपनाओं। दूसरी स्थान पर रही इंद्रा देवी कठोतिया ने बताया कि अच्छे संस्कारों से परिवार के भीतर सह अस्तित्व वातावरण का निर्माण होता हैं। यदि अच्छे संस्कार नहीं हो तो आपस में सदैव संघर्ष ही चलता रहता है। मर्यादित जीवन शैली लाखों वर्ष तक जिंदा रहती है। तृतीय स्थान पर रही संगीता बोहरा ने आधुनिक जीवन के लाभ से सह-अस्तित्व को जोड़कर व्यक्तिगत स्वतंत्रता, बेहतर शिक्षा और रोजगार आदि के लाभ व पारिवारिक संस्कार को अंधेरे में प्रकाश का, कठिनाइयों में सहनशीलता का संघर्ष जैसे माध्यम बताया। प्रिया पितलिया ने बताया यदि सुंदर जीवन का निर्माण करना है तो हमें सदैव आधुनिक जीवनशैली और संस्कारों के बीच सामंजस्य करना सीखना होगा, ताकि कभी भी संघर्ष ना करना पड़े। मंत्री नम्रता पितलिया ने कुशल संचालन किया।

एक शाम गौ माता के नाम विशाल भजन संध्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री माधव सेवा संघ एवं समस्त गौ सेवकों द्वारा नंदा नंदी गौशाला नेरलूर में एक शाम गौ माता के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया।

बड़ी संख्या में राजस्थानी युवाओं ने गैर नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में भजन कलाकार ओम मुंडेल एवं अनिता जांगिड़ ने भजनों की प्रस्तुति दी। बाल कलाकार कल्पना पटेल ने मनभावन नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में गौ भक्तों ने बढ़ चढ़कर गौ सेवा के लिए दान राशि की घोषणा की।

कृष्ण गौशाला आश्रम एवं विभिन्न गौशालाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने गौ भक्तों को गौ सेवा के लिए प्रेरित किया। शिव गौ सेवा मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट, व्हाट्स फाउंडेशन एवं अन्य संगठनों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में भूमिका निभाई। आयोजकों ने अतिथियों एवं दानदाताओं को सम्मानित किया।

खाटू धाम में 5 मार्च को चढ़ाएंगे निशान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कलयुगी अवतार बाबा श्याम के खाटू धाम में फाल्गुन मास में लखी मेले पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में 4 मार्च को हवाई जहाज से 101 भक्तों का जत्था खाटू धाम के लिए रवाना होकर जयपुर जाएगा। 5 मार्च को सुबह रिंग्स से गाजेबाजे के साथ भक्तों का जत्था हाथ में निशान लेकर पैदल चलकर खाटू धाम में बाबा श्याम को निशान चढ़ाएंगे। इस अवसर पर श्याम मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य महेश गुप्ता, रेवन्त मल झँवर, सुशील राणासरिया, ऋषि गुप्ता ने शनिवार को मन्दिर प्रांगण में पूजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने हाजरी लगाई व श्याम के जयकारे लगा कर श्याम रंग की भक्ति से भजनों का आनन्द लिया। पिछले 20 वर्षो से लगातार श्याम भक्तों द्वारा बेंगलूरु से बाबा श्याम को निशान चढ़ाए जा रहे है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रभावी ओरिएंटेशन सत्र आयोजित

आत्मनिर्भर लोगो का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो महिला विंग एपेक्स द्वारा प्रोजेक्ट आत्मनिर्भर ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन ऑनलाइन जूम मंच पर किया गया, जिसमें देशभर से अनेक महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के उच्चारण से हुई, जिससे सत्र में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित हुई। हाउसहोल्ड बिजनेस मॉडल -आत्मनिर्भर की संयोजिका बिन्दु रायसोनी ने पूरे सत्र का कुशल संचालन किया। ज्ञातव्य है कि पिछले दिनों जीतो नेशनल वूमन्स कांक्लेव में आत्मनिर्भर लोगों का अनावरण पंजाब राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक गुलाबचंद कटारिया के करकमलों से हुआ। जीतो एपेक्स प्रेसिडेंट विजय भंडारी, मंत्री महावीर चपलोत, महिला विंग निर्देशक सोनाली दूगड़, अध्यक्ष शीतल दूगड़, महामंत्री रितु चोरडीया की गरिमामयी उपस्थिति रही। एपेक्स चेयरपर्सन शीतल दुग्गड़ ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए आत्मनिर्भर पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जरूरतमंद महिलाओं को विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक कौशल सीखाने और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। इस उद्देश्य से, लाभार्थियों की रुचियों को समझने के लिए एक जोट फॉर्म वितरित किया जाएगा, ताकि उनके अनुरूप कार्यशालाओं और व्यावसायिक अवसरों को विकसित किया जा सके। एपेक्स वाइस चेयरपर्सन यश्मा जैन ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कौशल विकास और वित्तीय स्वतंत्रता की आवश्यकता पर बल दिया। इस सत्र में बेल-गावी से सुमेती शिरगांव ने अपनी व्यावसायिक यात्रा साझा करते हुए कहा कि अब तक 700 से अधिक महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर सशक्त बनाया है। उन्होंने सिलाई और हस्तशिल्प कौशल सीखाने की अपनी यात्रा साझा की और 40 से अधिक सरकारी समर्थित कौशल कार्यक्रमों की जानकारी दी, जिनका उपयोग कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं। उन्होंने सभी चैप्टर्स से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। सुमेती का परिचय ममता जैन द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में एक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से विभिन्न मशीनों और उपकरणों की उपलब्धता पर भी चर्चा की गई। एक प्रतिष्ठित किचन उपकरण निर्माता और सिलाई मशीन आपूर्तिकर्ताओं के साथ टाई-अप किया गया है, जिससे महिलाओं को सस्ती दरों पर आवश्यक मशीनें प्राप्त होंगी और वे घर से ही अपना व्यवसाय शुरू कर सकेंगी। सभी चैप्टर्स को कम से कम पाँच जरूरतमंद महिलाओं की पहचान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। सत्र के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आत्मनिर्भर पहल को सफलता-पूर्वक लागू करने की दिशा में विचार-विमर्श किया। अंत में, बिन्दु रायसोनी ने सभी यो-गदानकर्ताओं और उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। यह सत्र महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने की नई ऊर्जा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सत्र में प्रोजेक्ट टीम से ममता जैन, प्रिय भंडारी, साधना धोका, सूर्यकला सियाल, संगीता बेताला के साथ-साथ एपेक्स टीम, जोन कन्विनर, सभी क्षेत्र के चेयरपर्सन और चीफ सेक्रेटरी ने उपस्थिति दर्ज कराई।

कर्नाटक में 1,171 केंद्रों पर दूसरी पीयू की परीक्षाएँ शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में 1,171 केंद्रों पर 12वीं के छात्रों के लिए पहली वार्षिक परीक्षा शनिवार को शुरू हुई। पहले दिन, कन्नड़ और अरबी भाषाओं की परीक्षाएँ सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की गई। छात्रों को सुबह-सुबह परीक्षा केंद्रों के आसपास देखा जा सकता था, जो अंतिम समय की तैयारियाँ कर रहे थे। स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने बेंगलूरु के मल्लेश्वरम में सरकारी पीयू कॉलेज परीक्षा केंद्र का दौरा किया और छात्रों को गुलाब भेंट कर उनका स्वागत किया। कर्नाटक स्कूल परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड (केएसईएबी) 12वीं के लिए पहली वार्षिक परीक्षा आयोजित कर रहा है, जिसके लिए राज्य भर के 5,050 पीयू कॉलेजों से 3,35,468 लड़के, 3,78,389 लड़कियाँ और पाँच ट्रांसजेंडर, कुल 7,13,862 छात्र पंजीकृत हुए हैं।

केएसईएबी कदाचार को रोकने के लिए परीक्षा प्रक्रिया को वेब स्ट्रीमिंग कर रहा है। बोर्ड ने सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात की है। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी), बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) और अन्य सार्वजनिक परिवहन निगमों ने छात्रों के लिए मुफ्त बस सेवा प्रदान की है।

व्यवसायी मोहनदास पई ने शिवकुमार से मुलाकात की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य सरकार, विशेषकर बेंगलूरु में बुनियादी ढांचे के प्रति खुले तौर पर असंतोष व्यक्त करके विवाद खड़ा करने वाले व्यवसायी मोहन दास पई ने शनिवार को उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मुलाकात की। हाल ही में मो-हनदास पई की सोशल मीडिया पोस्ट ने काफी विवाद पैदा कर दिया। कांग्रेस के मंत्री एम.बी.पाटिल और डी.के.शिवकुमार ने स्वयं इस पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। राज्य में आईटीबीटी को बढ़ाने में उद्यमियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकारी सहायता भी महत्वपूर्ण है। मंत्रियों ने पलटवार करते हुए कहा कि मोहन दास पई भाजपा से राज्यसभा सदस्य बनने के लिए पैरवी कर रहे हैं और आलाकमान को खुश करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना कर रहे हैं। यदि बुनियादी सुविधाओं की कमी है, तो आप इसे उनके ध्यान में ला सकते हैं और हम स्थिति को सुधारने के लिए कार्रवाई करेंगे। इसके बजाय, मंत्री ने आपत्ति जताते हुए कहा कि राजनीतिक कारणों से आलोचना करके विवाद पैदा करना उचित नहीं है। अंततः मोहन दास पई ने डी.के. शिवकुमार से मुलाकात करके बड़ी उत्सुकता जगा दी है। यह उत्सुकता की बात है कि क्या अब मोहनदास की आलोचनाएं बंद हो जाएंगी।

कर्नाटक सरकार ने एसआईटी विशेषज्ञ साइमन को एक साल तक पद से हटाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
फर्जी स्टांप पेपर घोटाले और लोकायुक्त भ्रष्टाचार मामले सहित हाई-प्रोफाइल जांच को संभालने में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाने जाने वाले वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सी ए साइमन को एक साल से अधिक समय से कोई पद नहीं मिला है। उन्हें बिना किसी पद पर रखे जाने के कर्नाटक सरकार के फैसले ने विभाग के भीतर चर्चाओं को जन्म दिया है। दक्षिण कन्नड़ जिले में लोकायुक्त एसपी के रूप में काम कर चुके साइमन खुद को बिना नौकरी और बिना वेतन के मुश्किल स्थिति में पा रहे थे। पिछले साल लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उनका तबादला कर दिया गया था, इस बहाने कि उनकी पोस्टिंग उनके गृह जिले में है। हालांकि, सरकार ने उसके बाद उन्हें कोई नया पद नहीं दिया। 2000 में डिटेक्टिव सब-इंस्पेक्टर के रूप में राज्य अपराध जांच विभाग में शामिल होने के बाद, साइमन ने एसपी बनने के लिए रैंक के माध्यम से अपना रास्ता बनाया।

उनके अनुभव और कौशल ने उन्हें महत्वपूर्ण मामलों के लिए विशेष जांच दल में नियुक्त किया। मेंगलूरु से स्थानांतरित होने के बाद, साइमन को दो एसआईटी में एसपी के रूप में नियुक्त किया गया। एक हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले की जांच करने के लिए और दूसरा पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक मुनिरत्ना से जुड़े बलात्कार मामले की जांच करने के लिए। उनके योगदान के बावजूद, सरकार ने इन जांचों के आंशिक रूप से पूरा होने के बाद भी उन्हें स्थायी पद की पेशकश नहीं की। अंततः उन्हें दोनों एसआईटी से मुक्त कर दिया गया और वे मेंगलूरु लौट आए। अपने करियर के दौरान, साइमन ने पिछली सरकार द्वारा लोकायुक्त विभाग में स्थानांतरित किए जाने से पहले कई वर्षों तक सीआईडी में काम किया। इतने लंबे समय तक बिना किसी पद या वेतन के रहने की उनकी वर्तमान स्थिति ने सिस्टम के भीतर समर्पित अधिकारियों के व्यवहार के बारे में चिंताएँ पैदा की हैं।

बजट सत्र के मद्देनजर विधान सौधा के आसपास निषेधाज्ञा लागू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
संयुक्त और बजट सत्र 3 से 21 मार्च तक बेंगलूरु में विधान सौधा में आयोजित किए जाएंगे। कार्यवाही में बाधा न आए, यह सुनिश्चित करने के लिए विधान सौधा के चारों ओर दो किलोमीटर की परिधि स्थापित की गई है। शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद ने बताया कि इलाके में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। सत्र का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने तथा कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए निषेधाज्ञा लागू की गई है। आयुक्त ने एक बयान में कहा कि पांच या अधिक लोगों का एकत्र होना, जुलूस और बैठकें, आग्नेयास्त्र लेकर चलना, विस्फोटकों का प्रयोग करना तथा तख्तियां प्रदर्शित करना प्रतिबंधित है।

विजयेंद्र ने समर्थकों से जाति के नाम पर रैली न करने की अपील की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जाति के नाम पर सम्मेलन आयोजित करने पर कड़ी आपत्ति जताने वाले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने अपने शुभचिंतकों और समर्थकों से तत्काल सम्मेलन आयोजित न करने की अपील की है। राजनीतिक क्षेत्र में इस तथ्य का बहुत महत्व है कि विजयेंद्र ने उन्हें भाजपा के असंतुष्ट विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के विकल्प के रूप में पूर्व मंत्री एमपी रेणुकाचार्य के नेतृत्व में आयोजित वीरशैव-लिंगायत सम्मेलन को तत्काल रोकने का निर्देश दिया था। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जैसे ही मुझे पता चला कि कुछ शुभचिंतक हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के मद्देनजर मेरे और बीएस येदियुरप्पा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए वीरशैव लिंगायत समुदाय की बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित करने की योजना बना रहे हैं, मैंने उनसे इसे रोकने के लिए कहा क्योंकि इससे पार्टी के लिए भी शर्मनाक स्थिति पैदा होगी।

इसलिए मैं अपने शुभचिंतकों और प्रशंसकों से अनुरोध करता हूं कि वे पार्टी संगठन पर अपना ध्यान केंद्रित करने के बजाय समाज के नाम पर बैठकें आयोजित करने के अपने प्रयासों को तुरंत बंद करें। अन्ना बसवन्ना के सिद्धांतों का पालन करते हुए, जिन्होंने खुद को एक समान समाज के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया, और मुख्यमंत्री के रूप में, उन्होंने ''सभी के लिए समानता और सभी के लिए समान हिस्सेदारी'' के आदर्श वाक्य के साथ राज्य पर शासन किया। उन्होंने बी.एस. येदियुरप्पा की प्रशंसा की, जो उनके आदर्शों को अपनाकर आगे बढ़ रहे हैं और वीरशैव लिंगायत समुदाय से संबंधित होने के बारे में सावधानीपूर्वक और गर्व से विचार कर रहे हैं। इस संबंध में विजयेंद्र ने पोस्ट किया कि वह भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा की वकालत करने वाले एक निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में कदम उठा रहे हैं, जो कर्नाटक के समग्र विकास और एक विकसित भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के महान संकल्प के लिए प्रयासरत है, सभी समाजों के प्रति समानता रखते हुए और समाज की आकांक्षाओं के अनुरूप पूरे समाज की प्रगति और विकास के बारे में सोच रहा है। हमने वीरशैव लिंगायत नेताओं की बैठक बुलाई है और अगली कार्रवाई पर चर्चा शुरू कर दी है। येदियुरप्पा विजयेंद्र के नेतृत्व में जल्द ही शक्ति प्रदर्शन और विशाल सम्मेलन की तैयारी की जाएगी। वीरशैव लिंगायत सहित विभिन्न मठों के पूज्य संत शक्ति प्रदर्शन के माध्यम से इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। समुदाय एकजुट होगा। पूर्व मंत्री रेणुकाचार्य ने कहा था कि विजयेंद्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने रहेंगे। कुछ बुरी ताकतें वीरशैव लिंगायत समुदाय को विभाजित करने के लिए काम कर रही हैं। हम ऐसी दुष्ट ताकतों को सबक सिखाने के लिए एक विशाल सामुदायिक सभा आयोजित करेंगे। हम राज्य के सभी जिलों में प्रारंभिक बैठकें आयोजित करेंगे और समुदाय को संगठित करेंगे।

संगठन का उद्देश्य 2023 के चुनावों में समुदाय के खोए हुए वोटों को वापस लाना है। यह लड़ाई किसी के खिलाफ नहीं है, कुछ बुरी ताकतें वीरशैव लिंगायत समुदाय को बांटने का काम कर रही हैं। उन्होंने भाजपा के असंतुष्टों का नाम लिए बिना उनके खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया और कहा कि वह उनके खिलाफ लड़ेंगे और उन्हें सबक सिखाएंगे। कुछ ही दिनों में हम एक ही मंच पर एक विशाल सम्मेलन आयोजित करेंगे, जिसमें समुदाय के नेता, मुख्य पुजारी, विधायक, पूर्व विधायक और राजनीतिक गणमान्य लोग शामिल होंगे। हम वीरशैव लिंगायत समुदाय को एकजुट करने के लिए एक सम्मेलन की तैयारी कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने कहा था कि वह लोगों को समुदाय के लिए अपने योगदान के बारे में समझाएंगे।

शिवकुमार को सद्गुरु के साथ मंच साझा करने पर देना चाहिए स्पष्टीकरण: मंत्री राजन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने पलटवार करते हुए कहा है कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को स्वयं सद्गुरु जगदीश वासुदेव के साथ मंच साझा करने के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए, जिन्होंने कहा था कि वह नहीं जानते कि राहुल गांधी कौन हैं। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने हाल ही में तमिलनाडु के कोयम्बत्तूर में आयोजित महाशिवरात्रि समारोह में भाग लिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस पर बड़ी राजनीतिक बहस हुई। इस बात के कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे कि डी.के. शिवकुमार ने अपना ध्यान भाजपा की ओर मोड़ लिया है। अधिकांश कैबिनेट मंत्री डी.के. शिवकुमार के कदम को कोई विशेष महत्व नहीं दे रहे हैं। मंत्रियों का कहना है कि उनकी मान्यताएं और प्रथाएं उनकी अपनी हैं।

डी.के. शिवकुमार एक कट्टर कांग्रेसी हैं। वे इस हास्यास्पद व्याख्या का बचाव कर रहे हैं कि वे दलबदल कर लेंगे। लेकिन राजन्ना ने इसके विपरीत प्रतिक्रिया देते हुए कहा डी.के. शिवकुमार को अपनी राय व्यक्त करने दीजिए। उन्होंने कहा कि डी.के. शिवकुमार को सद्गुरु के साथ मंच साझा करने के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए, जिन्होंने कहा था कि वह नहीं जानते कि राहुल गांधी कौन हैं। उन्होंने कहा कि डी.के. शिवकुमार को मुझसे ज्यादा जानकारी है कि राजनीति के बारे में कौन बात कर रहा है और क्या कह रहा है। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच पैदा हुआ असमंजस जल्द ही सुलझ जाएगा। सरकार के मुख्य सचिवों के बीच इस संबंध में पहले ही चर्चा हो चुकी है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों से भी बातचीत की है। उन्होंने कहा कि सब कुछ हल हो जाएगा।

कर्नाटक में अब उत्पादों के लिए कन्नड़ लेबलिंग अनिवार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने सभी निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों के लिए राज्य में बेचे जाने वाले सभी उपभोक्ता और औद्योगिक उत्पादों पर कन्नड़ में उत्पाद के नाम और उपयोग के निर्देश छापना अनिवार्य कर दिया है। यह निर्देश 15 फरवरी को जारी एक परिपत्र के माध्यम से जारी किया गया था, जिस पर वाणिज्य और उद्योग विभाग (सेवा और समन्वय) की अवर सचिव के उमादेवी ने हस्ताक्षर किए हैं। परिपत्र में भूमि की संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने में भाषा के महत्व पर जोर दिया गया है।

इसमें कहा गया है, किसी भाषा के पनपने के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि विनिर्माण, बाजार और लेन-देन की गतिविधियाँ स्थानीय भाषा में की जाएँ। यह कदम कन्नड़ भाषा व्यापक विकास अधिनियम, 2022 के अनुरूप है, जो 12 मार्च, 2024 को लागू हुआ। अधिनियम की धारा 17(7) के अनुसार, कर्नाटक में निर्मित और बेचे जाने वाले सभी उत्पादों पर अन्य भाषाओं के साथ-साथ कन्नड़ में भी जानकारी प्रदर्शित होनी चाहिए। परिपत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि यह एक अनिवार्य उपाय है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सभी औद्योगिक और उपभोक्ता वस्तुओं पर कन्नड़ प्रमुखता से दिखाई दे। प्रवर्तन निदेशालय को अधिनियम की धारा 9 के तहत अनुपालन की निगरानी का काम सौंपा गया है। यह परिपत्र सभी अतिरिक्त मुख्य सचिवों, महासचिवों, सचिवों, उपायुक्तों, नगर निगम आयुक्तों, जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और एमएसएमई निदेशक सहित उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अधिकारियों को भेजा गया है। नए शासनादेश से राज्य भर में इसके क्रियान्वयन और व्यवसायों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चर्चा और बहस छिड़ने की उम्मीद है।

कर्नाटक के कर हिस्से में कटौती संघवाद के लिए झटका: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राज्य के कर राजस्व हिस्से में और कटौती करने के केंद्र सरकार के कदम की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे संघवाद पर हमला और राज्यों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने का जानबूझकर किया गया प्रयास बताया है। ऐसी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कि एनडीए सरकार वित्त आयोग के माध्यम से कर्नाटक के कर हिस्से को 41 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत करने की योजना बना रही है, सिद्धरामैया ने केंद्र पर राज्य की स्वायत्तता को व्यवस्थित रूप से खत्म करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा वित्त आयोग, जिसका उद्देश्य कर राजस्व का उचित वितरण सुनिश्चित करना है, का अब राज्यों को कमजोर करने के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति चिंताजनक है, जो राज्यों को केंद्र पर वित्तीय निर्भरता में मजबूर कर रही है - ऐसी स्थिति जो अलोकतांत्रिक और अस्वीकार्य दोनों है। कर आवंटन में असमानता की ओर इशारा करते हुए सिद्धरामैया ने खुलासा किया कि कर्नाटक केंद्र के खजाने में सालाना लगभग 4 लाख करोड़ रुपये का योगदान देता है, लेकिन एकत्र किए गए प्रत्येक रुपये पर उसे केवल 15 पैसे मिलते हैं। उन्होंने 15वें वित्त आयोग द्वारा कर्नाटक के कर हिस्से को 4.713 प्रतिशत से घटाकर 3.64 प्रतिशत करने के निर्णय के कारण राज्य के वित्तीय घाटे पर प्रकाश डाला, जिसके परिणामस्वरूप पांच वर्षों में 68,775 करोड़ रुपये की भारी कमी आई।

इसके अलावा, उन्होंने केंद्र सरकार पर वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित विशेष अनुदानों में 5,495 करोड़ रुपये और केंद्र प्रायोजित अनुदानों में 6,000 करोड़ रुपये सहित महत्वपूर्ण निधियों को रोके रखने का आरोप लगाया।

उन्होंने शहरी स्थानीय निकायों, पंचायत राज संस्थानों, स्वास्थ्य और आपदा प्रतिक्रिया के लिए अनुदान में कटौती की ओर भी इशारा किया, जिससे कुल 3,300 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं हो पाया। सिद्धरामैया ने 2024-25 और 2025-26 के लिए विशेष अनुदानों को तत्काल जारी करने की मांग की। उन्होंने केंद्र से यह भी आग्रह किया कि वह राज्यों को 2026 तक जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर वसूलने के बजाय जीएसटी कार्यान्वयन से होने वाले राजस्व घाटे की भरपाई के लिए अतिरिक्त राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) लगाने की अनुमति दे। कर्नाटक के लोगों ने हमारे कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से हमारी सरकार पर भरोसा जताया है। हालांकि, केंद्र सरकार हमें हमारे उचित कर हिस्से से वंचित करके हमारे प्रयासों को कमजोर करने पर आमादा है। लेकिन हम इस तरह के वित्तीय उत्पीड़न के खिलाफ मजबूती से खड़े होने के लिए तैयार हैं। सिद्धरामैया ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर केंद्र अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने से इनकार करता है, तो कर्नाटक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू करने में संकोच नहीं करेगा। उन्होंने घोषणा की, अगर बातचीत विफल होती है, तो हम लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस लड़ाई को सड़कों पर ले जाएंगे।

सतीश जारकीहोली ने कर्नाटक कांग्रेस में तख्तापलट की बात को खारिज किया

विजयेंद्र के बयान को हास्यास्पद बताया

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस सरकार को गिराने के संभावित तख्तापलट की खबरों को खारिज करते हुए लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने शुक्रवार शाम को कहा कि महाराष्ट्र जैसा कोई घटनाक्रम नहीं होगा और कोई भी नेता शिवसेना के एकनाथ शिंदे की तरह अलग हुए विधायकों को भाजपा में नहीं ले जाएगा। भाजपा नेताओं बी वाई विजयेंद्र और बी श्रीरामुलु के इस बयान को खारिज करते हुए कि कांग्रेस जल्द ही तख्तापलट का गवाह बनेगी, जारकीहोली ने यहां संवाददाताओं से कहा कर्नाटक भाजपा गुटबाजी से जूझ रही है। भगवा पार्टी तख्तापलट का सामना कर सकती है। श्रीरामुलु का यह बयान कि एक प्रभावशाली कांग्रेस नेता पार्टी विधायकों के एक समूह के साथ भाजपा में शामिल होगा या गठबंधन करेगा, हास्यास्पद है। मंत्री ने कहा यह कहना सही नहीं है कि कांग्रेस सरकार सिर्फ इसलिए गिर जाएगी क्योंकि उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ईशा फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ देखे गए थे। सिद्धरामैया के करीबी माने जाने वाले सतीश ने कहा कि कांग्रेस सरकार स्थिर है और अपना कार्यकाल पूरा करेगी। इससे पहले मंत्री जमीर अहमद

खान ने कहा कि कांग्रेस डी.के. शिवकुमार के खून में है। इसलिए उनके किसी दूसरी पार्टी में शामिल होने की अफवाह झूठी है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा दिवास्वप्न देख रही है कि राज्य में तीव्र गति से राज्य क्रांति होगी। यह सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। कांग्रेस पार्टी अगले 15 वर्षों तक सत्ता में रहेगी। उन्होंने मजाक में कहा कि भाजपा शायद सिर्फ सपना देख रही है। भाजपा में कई मतभेद हैं। आइये सबसे पहले इस पर ध्यान दें। कांग्रेस में कोई मतभेद नहीं है, कोई ऑपरेशन कमल नहीं चल रहा है। भाजपा के सात-आठ विधायकों और जेडीएस के 12-13 विधायकों ने कांग्रेस में शामिल होने की पेशकश की है। लेकिन हमारी संख्या पहले से ही 140 है। उन्होंने कहा कि अन्य दलों के विधायकों की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा-जेडीएस के लिए राजनीति करने का कोई मौका नहीं है और कहा कि गारंटी योजनाएं किसी भी कारण से बंद नहीं की जाएंगी। राज्य में मुख्यमंत्री या केपीसीसी अध्यक्ष के पद के लिए कोई रिक्ति नहीं है। हाईकमान को बदलाव पर निर्णय लेना होगा। हममें से कोई भी पार्टी नेताओं द्वारा निर्धारित सीमा का उल्लंघन नहीं करेगा। डी.के. शिवकुमार अध्यक्ष के रूप में अच्छा काम कर रहे हैं। वे पूरे राज्य का दौरा कर रहे हैं। के.एन. राजन्ना और डी.के. शिवकुमार के बीच कोई मतभेद नहीं है। डी.के. शिवकुमार को कोयम्बत्तूर में ईशा फाउंडेशन द्वारा महाशिवरात्रि समारोह में आमंत्रित किया गया था। केंद्रीय मंत्री अमित शाह भी उपस्थित थे। इसके अलावा कोई अन्य चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि डी.के. शिवकुमार एक कट्टर कांग्रेसी हैं। उन्होंने कहा विजयपुरा में हम्पी महोत्सव की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री आएंगे। लेकिन वह बीमारी के कारण नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में डी.के. शिवकुमार और एच.के. पाटिल जैसे महत्वपूर्ण नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत

चामराजनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के कोल्लेगल तालुक में शनिवार सुबह एक कार और टिपर के बीच भीषण सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना सुबह कोल्लेगल तालुक के चिक्किंदुवाडी के पास मुख्य सड़क पर एक टिपर और कार के बीच हुई। दुर्घटना की गंभीरता के कारण कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार में सवार तीन पुरुष और दो महिलाओं की मौत हो गई, और वे मंड्या के बताए जा रहे हैं। पता चला है कि वे मालेमहादेश्वर पहाड़ी पर चल रहे शिवरात्रि जात्रा महोत्सव के महा रथोत्सव में भाग लेने के लिए कार में सवार होकर जा रहे थे। पुलिस ने दुर्घटना स्थल का दौरा किया और जांच कर रही है।

यह झूठ है कि जब भाजपा सत्ता में थी तो बेंगलूरु को अनुदान दिया गया था: रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा यह कहना कि भाजपा के सत्ता में रहने के दौरान बेंगलूरु को फंड दिया गया, पूरी तरह से झूठ है। जब एच.डी. कुमारस्वामी की सरकार सत्ता में थी, तब बेंगलूरु के विकास के लिए 7 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा भाजपा के कार्यकाल में कांग्रेस विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों को केवल 1,600 करोड़ रुपये दिए गए। जिन निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा विधायक थे, उन्हें 5,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। उन्होंने आंकड़े दिए कि पिछली भाजपा सरकार ने भाजपा विधायकों एस.टी. सोमशेखर, मुनिरत्न और बसवराजू के निर्वाचन क्षेत्रों को सबसे अधिक फंड दिया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 'भाजपा ने अपने शासन के दौरान बेंगलूरु के लिए कुछ भी योगदान नहीं दिया है। भाजपा ने बेंगलूरु में 6,000 करोड़ रुपये का बिल लंबित छोड़ दिया है। मई में बीबीएमपी चुनाव होने की संभावना है। ग्रेटर बेंगलूरु बिल को विधानमंडल में मंजूरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि तदनुसार चुनाव मई में होंगे।

हिंदुत्व के मामले में शिवकुमार दूसरों के लिए आदर्श है: केएस ईश्वरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा ने कहा कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने हिंदुत्व के पक्ष में अपना रुख जाहिर कर दूसरों के लिए मिसाल कायम की है। शनिवार को शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा डीके शिवकुमार को आखिरकार होश आ गया है।

सीएम सिद्धरामैया को भी होश आ जाए। भगवान तय करेंगे कि डीके शिवकुमार का हिंदुत्व का रुख नाटक है या सच। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि आजादी से पहले के कांग्रेसियों ने हिंदुत्व को फिर से महिमामंडित करने के उद्देश्य से लड़ाई लड़ी थी और हिंदुत्व आज भी पुराने कांग्रेसियों के खून में है। वे सभी विधर्मी नहीं हैं। कुछ लोग नाटकीय तरीके से वोट बैंक के लिए मुसलमानों को लुभाने का काम कर रहे हैं। डीके शिवकुमार ने कुंभ मेले में भी हिस्सा लिया था। उन्हें हिंदुत्व का अहसास हो गया है। महात्मा गांधी ने भी हिंदुत्व की वकालत की थी। उनकी समाधि पर ''हे राम'' लिखा है, जीसस नहीं। हिंदुत्व भाजपा की जागीर नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व का मतलब सभी लोगों की खुशी है। जिस व्यक्ति और पार्टी ने हिंदुत्व को खत्म करने की कोशिश की, उसका देश में सफाया हो रहा है। जब मुसलमान नेताओं की बेटी पर अपनी हवस दिखाते हैं और अन्याय करते हैं, तो उन्हें एहसास होता है कि लव जिहाद के खिलाफ कानून सही है। उन्होंने कहा कि किसी को संतुष्ट करने के लिए प्रमोद मुतालिका जैसे देशभक्तों को परेशान करना ठीक नहीं है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

लक्ष्मी और रवि के बीच विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने का करेंगे प्रयास: होराट्टी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद के सभापति बसवराज होराट्टी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बाल्लकर और भाजपा विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि के बीच मामले को इसी सत्र में सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यदि यह घटना विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान हुई होती तो इसे असंसदीय भाषा बताकर फाइल से हटाकर मामले को वहीं बंद किया जा सकता था। यह घटना उस समय घटी जब सदन की कार्यवाही नहीं चल रही थी। विवाद इसलिए पैदा हुआ क्योंकि यह घटना विधान परिषद हॉल के अंदर भी घटी। मामला आचार समिति को भेज दिया गया है। हम दोनों को वहां बुलाएंगे और आपसी बातचीत से मामले को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने का प्रयास करेंगे। यदि ऐसा संभव नहीं हुआ तो हम पी.एच.पूजार की अध्यक्षता वाली आचार समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर अगला निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि हमने उन्हें एक महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपने का भी निर्देश दिया है। इस बीच, होराट्टी ने 1965 में उत्तर प्रदेश की एक घटना का जिक्र किया, जब एक सदस्य ने अध्यक्ष से मुंह मोड़कर प्रणाम किया था। इसके लिए अध्यक्ष ने सदस्य को निलंबित करने तथा 8 दिन की जेल की सजा देने का आदेश दिया। सदस्य ने अदालत में जाकर आदेश पर स्थगन आदेश ले लिया। अंततः वह न्यायाधीशों के डर से सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश के घर में छिप गया। इसमें कुछ देरी हुई क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के घर पर रहते हुए किसी को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता था। अंततः यह राष्ट्रपति भवन तक पहुंच गया। विवादास्पद सदस्य को जेल की सजा काटनी पड़ी क्योंकि अदालत ने पुनः आदेश दिया कि अध्यक्ष का निर्णय अंतिम है। ऐसा लग रहा था मानो वक्ता का शब्द अंतिम हो। लेकिन उन्होंने खेद व्यक्त किया कि अब स्थिति वैसी नहीं है। सी.टी. रवि इससे पहले आचार समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि घटना के तुरंत बाद ही उन्हें हटाकर पी.एच. पूजार को नियुक्त कर दिया गया। यदि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी विधान परिषद में 4 सदस्यों की नियुक्ति करती है तो उसे बहुमत प्राप्त हो जाएगा।

यदि मेरे खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाता है तो मैं इस्तीफा देकर घर चला जाऊंगा। मुझे सत्ता की कोई लालसा नहीं है। वह एक साधारण परिवार से आते हैं। मैं पहले शिक्षक था, अब मैं मंत्री हूं और सीनेटर जैसे उच्च पद पर हूं। मैं इससे संतुष्ट हूं। इससे पहले, विधेयकों का एजेंडा विधायी एजेंडे के साथ शामिल किया जाता था। विधायकों के पास उनका अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय होता। अब वे जल्दबाजी में बिल भेज रहे हैं। इसलिए पढ़ाई का कोई अवसर नहीं मिलता। इससे पहले, विधान परिषद की बैठक विधान सभा की बैठक से एक दिन बाद शुरू होती थी। एक दिन यह देर से खत्म हो रहा था। लेकिन अब समय बदल गया है। बिल अग्रिम रूप से भेजे जाने चाहिए। मैंने सरकार को स्पष्ट रूप से सूचित कर दिया है कि अन्यथा इस मुद्दे पर चर्चा नहीं की जाएगी। यह स्पष्ट नहीं है कि अधिकारी किसकी बात सुन रहे हैं या नहीं। सुबह विधानसभा में बहस का माहौल रहता है और शाम को विधान परिषद में चर्चा होती है। उन्होंने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि यह सही नहीं है। विधानमंडल में बहस की गुणवत्ता अब पहले जैसी नहीं रही। इससे पहले, ज्यादातर विधायक विधायक निवास में ही रुकते थे। जब सत्र समाप्त होता तो वे स्कूली बच्चों की तरह पंक्ति में खड़े हो जाते। अब सब बदल गये हैं। एक ही दिन में 22 विधेयक पारित होने के उदाहरण हैं। हम इस बार सभी विधायकों को विश्वास में लेकर बेहतर सत्र का संचालन करेंगे। उन्होंने कहा कि चर्चा की गुणवत्ता भी अच्छी होगी।

बजट सत्र के मद्देनजर विपक्षी दलों का सामना करने के लिए कांग्रेस की जवाबी रणनीति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस विधानसभा सत्र एक जवाबी रणनीति के तहत बुलाया गया है, जबकि भाजपा और जेडीएस दलों ने कांग्रेस सरकार को विधानसभा में दुविधा में डालने के लिए व्यापक तैयारी कर रखी थी।

राज्यपाल के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करने के बाद, कांग्रेस विधानमंडल का सत्र 4 मार्च की शाम को आयोजित किया जाएगा। विधान सभा और विधान परिषद के सदस्य इस बैठक में भाग लेंगे। विधान सभा सचिव अल्लामा प्रभु पाटिल ने विधायकों, सांसदों, राज्यसभा सदस्यों और कांग्रेस समर्थित विधायकों को आमंत्रित किया है। हाल ही में कांग्रेस पार्टी के भीतर असंतोष पनप रहा है। मंत्री के.एन. राजन्ना, सतीश जारकीहोली, डॉ. जी. परमेश्वर और अन्य ने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ सार्वजनिक बयान देकर भ्रम की स्थिति पैदा की थी। नेतृत्व को लेकर काफी चर्चा हुई और कुछ लोग हाईकमान की सीढ़ी चढ़ गए। ऐसी गतिविधियों का समर्थन न करने की कसम खाने के बाद दिल्ली के नेताओं का रुख कुछ ठंडा पड़ गया है।

लेकिन अंदरूनी हिस्से में अभी भी काफी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हाल ही में इस बात की व्यापक आलोचना हुई है कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के धन का उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए भी किया गया है।

इसी को बहाना बनाकर बंगारपेट से सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक नारायणस्वामी ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी मंत्री भैरती सुरेश पर हमला बोला। कई विधायकों को अनुदान और स्थानांतरण को लेकर मंत्रियों से शिकायत है। कांग्रेस विधायकों ने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाकर सरकार को शर्मिंदा करने की पहल की है। इस पर अंकुश लगाने तथा स्थिति स्पष्ट करने के लिए चर्चा एवं संवाद हेतु विधानमंडल की बैठक बुलाई गई है। भाजपा मुडा घोटाला, ठेकेदारों की आत्महत्या, सांप्रदायिक घृणा के मामले और लंबित विधेयकों पर भ्रम सहित कई मुद्दों को उठाकर सरकार को उलझाने की कोशिश कर रही है। सिद्धरामैया ने सभी विधायकों के साथ विचार-विमर्श करने का निर्णय लिया है, क्योंकि उन्हें डर है कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक, जिन्हें सामूहिक रूप से जवाब देना चाहिए, यदि मंत्रियों के खिलाफ बयानबाजी करेंगे तो भ्रम की स्थिति पैदा होगी। साथ ही बजट सत्र में सरकार को मजबूत करने का प्रयास भी किया जाएगा।

कर्नाटक में किसानों ने तेलंगाना को पानी छोड़े जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

किसानों ने शुक्रवार को विजयपुरा में अलमट्टी बांध से तेलंगाना को पानी छोड़े जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने गर्मी के महीनों में पानी छोड़े जाने के लिए जल संसाधन मंत्री डी.के. शिवकुमार और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के पुतले जलाए। उन्होंने तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में जुराला बांध में लाल बहादुर शास्त्री जलाशय से 1.27 टीएमसीएफटी पानी छोड़े जाने के राज्य सरकार के कदम की निंदा करते हुए शंखनाद किया। ऐसे फैसले बागलकोट और विजयपुरा के जुड़वां जिलों के किसानों की जिंदगी बर्बाद कर सकते हैं। अखंड कर्नाटक रायता संघ के सदस्य अंबेडकर सर्किल पर एकत्र हुए और 'किसान विरोधी' जल संसाधन मंत्री और मुख्यमंत्री के खिलाफ नारे लगाए। संघ के राज्य महासचिव अरविंद कुलकर्णी ने कहा कि पानी छोड़ना एक राजनीतिक फैसला है न कि कोई तकनीकी फैसला। हमारे पास पीने के लिए पानी नहीं है। वर्तमान में अलमट्टी बांध में केवल 33 टीएमसी पानी बचा है। यह पानी औद्योगिक उद्देश्यों, जलीय जान-वरों, लोगों और पशुओं तथा जिले के किसानों के लिए आरक्षित होना चाहिए। लेकिन कर्नाटक की कांग्रेस सरकार किसानों के प्रति अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी भूल गई है और तेलंगाना में अपने साथी पार्टीजनों के आगे झुक गई है। तेलंगाना सरकार द्वारा कर्नाटक सरकार से अलमट्टी से 5 टीएमसी पानी छोड़ने के अनुरोध के बाद, राज्य सरकार ने 1.27 टीएमसीएफटी पानी छोड़ा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तेलंगाना ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अलमट्टी बांध की ऊंचाई बढ़ाने के हमारे प्रयासों का विरोध किया है। अगर वे हमारे साथ सहयोग नहीं करते हैं, तो हम उनके साथ सहयोग क्यों करें? कुलकर्णी ने पानी छोड़े जाने के मामले में विजयपुरा जिले के दो मंत्रियों - एम.बी. पाटिल और शिवानंद पाटिल - की चुप्पी पर आपत्ति जताई।

कर्नाटक सरकार ने बढ़ती मांग के बीच निर्बाध बिजली आपूर्ति का दिया आश्वासन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक इस गर्मी में बिजली की बढ़ती मांग को संभालने के लिए पूरी तरह तैयार है, बिजली कटौती की कोई योजना नहीं है। ऊर्जा मंत्री के जे जॉर्ज ने इसकी पुष्टि की।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद, मंत्री ने कहा कि राज्य की बिजली खपत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 19,000 मेगावाट तक पहुंच गई है। इस बढ़ी हुई मांग के बावजूद, सरकार ने घरों, उद्य-ोगों और किसानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की है। जॉर्ज ने कहा पिछले दो महीनों में कर्नाटक की बिजली की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। हालांकि, हमने सभी क्षेत्रों में निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। उन्होंने आगे कहा कि खपत में वृद्धि राज्य की आर्थिक वृद्धि का संकेत है। सरकार ने कृषि पंप सेटों के लिए प्रतिदिन सात घंटे बिजली देने का आश्वासन दिया है, जबकि घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ताओं को चौबीसों घंटे बिजली मिलती रहेगी। पिछले साल की तुलना में मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, 27 फरवरी, 2023 को 16,214 मेगावाट से बढ़कर इस साल उसी दिन 17,874 मेगावाट हो गई। अधिकारियों ने पुष्टि की कि इस वृद्धि को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा रहा है। ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता ने पुष्टि की कि जून तक निर्बाध बिजली सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए गए हैं। राज्य के बिजली उत्पादन स्रोतों में केपीसीएल थर्मल प्लांट से 3,300 मेगावाट, जलविद्युत से 2,000 मेगावाट, सौर ऊर्जा से 6,655 मेगावाट और पवन ऊर्जा से 1,940 मेगावाट शामिल हैं। कर्नाटक केंद्रीय ग्रिड से भी बिजली खींच रहा है और स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पंजाब और उत्तर प्रदेश के साथ विनिमय समझौते किए हैं। बिजली आपूर्ति को और मजबूत करने के लिए, कर्नाटक 1 मार्च से अतिरिक्त 310 मेगावाट खरीदेगा, जिसमें मांग के आधार पर दैनिक खरीद 100 से 1,275 मेगावाट तक होगी। राज्य ऊर्जा भंडारण समाधानों में भी निवेश कर रहा है, जिसमें शरावती (2,000 मेगावाट), वराही (1,600 मेगावाट) और पावगड़ा (1,000 मेगावाट) में पंप स्टोरेज परियोजनाएं शामिल हैं, साथ ही रयाप्ते में 2,000 मेगावाट की बैटरी स्टोरेज परियोजना भी शामिल है। बिजली संचरण में चुनौतियों को पहचानते हुए, सरकार सबस्टेशनों में बिजली वितरण को संतुलित करने के लिए एक लिंक-लाइन प्रणाली को प्राथमिकता दे रही है। इसके अतिरिक्त, ट्रांसमिशन क्षमता बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष के लिए 100 नए सबस्टेशनों की योजना बनाई गई है। निरंतर ज्योति' योजना के तहत, ग्रामीण घरों और फार्महाउसों के लिए रात में सिंगल-फेज बिजली प्रदान की जाती है। हालांकि, सिंगल-फेज आपूर्ति के दौरान कृषि पंप सेट चलाने के लिए कन्वर्टर्स के दुरुपयोग से बिजली बाधित हुई है। मंत्री जॉर्ज ने किसानों से बिजली कटौती को रोकने के लिए ऐसी प्रथाओं से बचने का आग्रह किया।

कर्नाटक स्मार्ट मीटर लगाएगा, लेकिन केंद्र की संशोधित वितरण क्षेत्र योजना के तहत नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ऊर्जा विभाग ने केंद्र सरकार की संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) से बाहर निकलने का फैसला किया है, जिसके तहत कर्नाटक में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाने थे। इसके बजाय, विभाग योजना से बाहर खुद ही स्मार्ट मीटर लगाएगा। ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता ने कहा राज्य ने आरडीएसएस योजना का लाभ नहीं उठाने का फैसला किया है। योजना से बाहर स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया चल रही है। कर्नाटक देश के उन गिने-चुने राज्यों में से एक है, जिसने स्मार्ट मीटर लगाने के लिए आरडीएसएस का लाभ नहीं उठाया है। हाल ही में राज्यसभा में बिजली मंत्रालय द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, आरडीएसएस के तहत विभिन्न राज्यों के लिए 19.79 करोड़ उपभोक्ता स्मार्ट मीटर स्वीकृत किए गए हैं। अधिकारी इस बारे में चुप्पी साधे हुए हैं कि राज्य आरडीएसएस के तहत स्मार्ट मीटर क्यों नहीं लगाएगा। बेंगलूरु इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (बेसकॉम) के सूत्रों ने पहले खुलासा किया था कि इस परियोजना को 2021 से राज्य मंत्रिमंडल की मंजूरी का इंतजार है, भले ही मंजूरी मिल गई हो, लेकिन एस्कॉम पर 6,500 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया एक बाधा साबित हो सकता है। जबकि ऊर्जा विभाग सालों से स्मार्ट मीटर लगाने की बात कर रहा है, इस मोर्चे पर ज्यादा प्रगति नहीं हुई है।

बिजली क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगाने में देरी और इसके लिए आरडीएसएस का उपयोग नहीं करने का कारण बहुआयामी है। कर्नाटक विद्युत विनियामक आयोग (केईआरसी) के पूर्व सलाहकार सदस्य एम.जी. प्रभाकर ने कहा स्मार्ट मीटर, जो अनिवार्य रूप से प्रीपेड हैं, लगाने में मुख्य बाधा पांच एस्कॉम को मीटर के लिए ग्राहकों द्वारा भुगतान की गई 8,845 करोड़ रुपये की सुरक्षा जमा है। प्रीपेड मीटर लगने के बाद, उपभोक्ता जमा राशि वापस मांगेंगे। वे वर्तमान में उपभोक्ताओं को 6.5 प्रतिशत का मामूली ब्याज देकर जमा राशि को रोके हुए हैं। दूसरा कारण यह है कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर मीटर में हेराफेरी की कोई गुंजाइश नहीं होगी। अगस्त 2024 में, केईआरसी ने ई-कॉमर्स कंपनियों को निर्देश दिया था कि यदि आरडीएसएस विकल्प नहीं है तो स्मार्ट मीटर पर खर्च करने के बजाय बुनियादी ढांचे के उन्नयन पर पैसा खर्च करें।

अधिकारियों ने कहा था कि राजस्व का नुकसान 10 प्रतिशत पर है और शहरी क्षेत्रों में बिजली चोरी बहुत अधिक नहीं है, इसलिए स्मार्ट मीटर लगाना तभी संभव होगा जब नए आवेदन जमा किए जाएं, न कि डिजिटल मीटर (जो हाल ही में लगाए गए हैं) को बेस्कॉम की सीमा में बदला जाए।

आरटीसी बस कर्मचारियों पर हमला मामला

कन्नड़ समूहों ने 22 मार्च को कर्नाटक बंद का किया आह्वान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ समर्थक संगठनों ने हाल ही में महाराष्ट्र और बेलगावी में मराठी न बोलने के कारण आरटीसी बस कर्मचारियों पर हुए हमलों के विरोध में 22 मार्च को राज्यव्यापी बंद की घोषणा की है। बेंगलूरु में विभिन्न कन्नड़ समूहों के साथ बैठक के बाद कन्नड़ ओक्कुटा के अध्यक्ष वटल नागराज ने बंद की घोषणा की। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से हड़ताल का समर्थन करने का आह्वान करते हुए ना-गराज ने कन्नड़ फिल्म उद्योग, सरकारी कर्मचारियों, स्कूलों और कैब सेवाओं से इसमें भाग लेने का आग्रह किया। नागराज के अनुसार, 1,000 से अधिक संगठनों ने पहले ही समर्थन देने का वादा किया है और उम्मीद है कि और भी संगठन इसमें शामिल होंगे। उन्होंने बेलगावी में कन्नड़ लोगों को निशाना बनाए जाने की आलोचना की और महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) और शिवसेना जैसे मराठी भाषी समूहों के प्रभाव को रोकने में विफल रहने के लिए लगातार सरकारों को दोषी ठहराया। उन्होंने जोर देकर कहा सवाल बना हुआ है- बेलगावी कर्नाटक का है या महाराष्ट्र का? हम इस मुद्दे का स्पष्ट समाधान चाहते हैं। उन्होंने एमईएस पर प्रतिबंध लगाने का भी आह्वान किया। बंद के अलावा, विरोध प्रदर्शनों की एक श्रृंखला की योजना बनाई गई है, जिसकी शुरुआत 3 मार्च को बेंगलूरु में टाउन हॉल से फ्रीडम पार्क तक मौन मार्च से होगी। इसके बाद 7 मार्च को 'बेलगावी चलो' विरोध प्रदर्शन होगा। आगे के प्रदर्शनों में क्रमशः 11 और 16 मार्च को कर्नाटक सीमा के पास अट्टीबेले और होसकोटे टोल प्लाजा पर बंद शामिल हैं। 22 मार्च को राज्यव्यापी बंद कर्नाटक के स्वाभिमान के लिए एक बड़ा शक्ति प्रदर्शन होने की उम्मीद है। इस बीच, कर्नाटक रक्षण वेदिके (टीए नारायण गौड़ा और प्रवीण कुमार शेट्टी गुट) जैसे प्रमुख कन्नड़ संगठनों ने बंद का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। हालांकि, नागराज इस बात पर अड़े हुए हैं कि हड़ताल योजना के अनुसार ही होगी।

यह अशांति बेलगावी में एक घटना से उपजी है, जहां यात्रियों से कन्नड़ बोलने के लिए कहने पर एक आरटीसी कंडक्टर पर हमला किया गया था। कंडक्टर के खिलाफ कथित तौर पर मराठी न बोलने के लिए पॉक्सो का मामला दर्ज किए जाने के बाद स्थिति और बिगड़ गई। जन आक्रोश के बाद, पीड़ित परिवार ने शिकायत वापस ले ली और दोनों राज्यों से शांति बनाए रखने का आग्रह किया।

बजट में कृषि, ग्रामीण विकास को बनाया गया है विकसित भारत की पहल का पहला स्तम्भ : मोदी

नई दिल्ली, 01 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र के विकास को विकसित भारत के सपने की दिशा में प्रयासों का पहला स्तम्भ बनाया गया है ।

श्री मोदी ने कहा कि उनकी तीसरी सरकार के इस पहले पूर्ण यह बजट सरकार की नीतियों में स्थायित्व और विकसित भारत के सपने का विस्तार है। श्री मोदी कृषि और ग्रामीण समृद्धि पर सरकार द्वारा आयोजित बजट-पश्चात वेबिनार को संबोधित कर रहे थे, जिसमें देश भर के नीति नियामक, अधिकारी और हितधारकों ने भाग लिया।

उन्होंने कहा कि बजट में कृषि को देश के विकास का स्तम्भ बताया गया है और 1947 तक विकसित भारत के लक्ष्य में विकसित और समृद्ध किसान का लक्ष्य भी शामिल है।

श्री मोदी ने कहा, इस बजट में हमारी नीतियों में निरंतरता दिखी ही है, साथ ही विकसित भारत के विजन में नया विस्तार भी दिखा है। उन्होंने कहा, विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे भारत के संकल्प बहुत स्पष्ट हैं। हम सभी मिलकर एक ऐसे भारत के निर्माण में जुटे हैं, जहां किसान समृद्ध हो, सशक्त हो। हमारा प्रयास है कि कोई किसान पीछे न छूटे।

प्रधानमंत्री बजट-पश्चात अलग-अलग वेबिनार में अर्थव्यवस्था के विभिन्न खंडों से संबंधित बजट प्रस्तावों पर हितधारकों की सामूहिक चर्चा कराते हैं, ताकि बजट की सोच को मिल कर तेजी से क्रियान्वयन के स्तार पर लाया जा सके। उन्होंने सहभागियों से कहा, आप चर्चा में नया बजट बनाने की मांग न करें, बल्कि बजट की घोषण-ाओं को क्रियान्वित करने पर चर्चा करेंगे।

श्री मोदी ने दलहन जैसे कृषि उत्पादों के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्ककता पर बल देते हुए शनिवार को कहा कि इसके लिए किसानों को मुनासिब दाम पर बराबर अच्छे बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था बहुत जरूरी है और उन्त बीजों की बाजार श्रृंखला में निजी क्षेत्र को सक्रियता से भाग लेने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि सरकार के विशेष प्रयासों से दलहन उत्पादन बढ़ा है और चना तथा मूंग के

मामले में देश आत्म निर्भर हो गया है पर कुल मिला कर दालों के मामले में भारत अब भी 20 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। इस निर्भरता को दूर करने के लिए अरहर, उड़द और मसूर आदि का उत्पादन बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि इस बार के बजट में इस सम्बंध में विशेष प्रावधान किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने कृषि को विकास का पहला इंजन मानते हुए अपने अन्नदात-ाओं को गौरवपूर्ण स्थान दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत छह साल में 11 करोड़ किसानों के खातों में सीधे लगभग पौने चार लाख करोड़ रुपए मिल चुके हैं। इतनी राशि करीब-करीब सीधे पहुंचाई गई है।

श्री मोदी ने हमने एक किसान केंद्रित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है, ताकि देशभर के किसानों तक इस योजना का लाभ पहुंच सके। उन्होंने कहा कि 10-11 साल पहले जो कृषि उत्पादन 26.5 करोड़ टन के करीब था, वह अब बढ़कर 33 करोड़ टन से ज्यादा हो गया है।

उन्होंने कहा, यह हमारी सरकार के 'बीज से बाजार तक' के दृष्टिकोण का परिणाम है। हमने बजट में 'पीएम धन धान्य कृषि योजना' का ऐलान किया है। इसके तहत देश के 100 सबसे कम कृषि उत्पादकता वाले जिले... निम्न उत्पादकता वाले जिलों के विकास पर फोकस किया जाएगा। आज लोगों में पोषण को लेकर काफी जागरूकता बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि इसलिए, बागवानी, डेयरी और फिशरी प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग को देखते हुए इन सेक्टर्स में काफी इंवेस्टमेंट किया गया है। फल और सब्जियों का उत्पादन बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। बिहार में मखाना बोर्ड के गठन की घो-षणा भी की गई है।

उन्होंने कहा कि 2019 में घोषित मत्स्य सम्पदा योजना से मछील कारोबार में उत्पादकता, उत्पादन और उत्पादन के बाद उत्पाद को संभालने की बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है। इस क्षेत्र में निवेश बढ़ा है और कुल मछली उत्पादन तथा निर्यात दो गुना हो गया है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत करोड़ों गरीबों के अवंटन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा,स्वामित्व योजना से संपत्ति मालिकों को 'अधिकार पत्र' मिला है। हमने स्वयं सहायता समूह की आर्थिक ताकत बढ़ाई है। हमने तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। हमारे प्रयासों से सवा करोड़ से ज्यादा बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आज लोगों में पोषण को लेकर काफी जागरूकता बढ़ी है और इसलिए बागवानी, डेयरी और मछली की बढ़ती मांग को देखते हुए इन क्षेत्रों में काफी निवेश किया गया है। फल और सब्जियों का उत्पादन बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। बिहार में मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा भी की गई है।

उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्प-ादों के प्रचार प्रसार तथा उन्हें विश्व बाजार तक पहुंचाने का उनका दृष्टिकोण 'वोकल फॉर लोकल एवं लोकल फॉर ग्लोबल' आज एक वास्तविकता बन गया है। आयुष के उत्पाद तथा योग स्थानीय स्तर से छलांग लगा कर विश्व स्तर पर पहुंच चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने इसी तरह कहा कि मखाना, बाजरा, हल्दी और कॉफी जैसे भारत के सुपरफूड को भी वैश्विक स्तर पर मान्यता मिल रही है। उन्होंने कहा कि आज भारत कॉफी के मामले में दुनिया का सातवां सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बजट में ग्रामीण समृद्धि और विकास कार्यक्रमों के ऐलान से रोजगार के अनेक नए अवसरों की संभावना बनी है।

स्टालिन ने मनाया 72वां जन्मदिन, कहा तमिलनाडु में दो भाषा नीति जारी रहना चाहिए

चेन्नई, 01 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम् (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन शनिवार को 72 वर्ष के हो गए। उन्होंने राज्य की स्वायत्तता और दो-भाषा नीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि यह मुद्दा इस वर्ष उनके जन्मदिन संदेश का सार हैं।

श्री स्टालिन ने अपनी मां दयालु अम्मल से आशीर्वाद लेने के बाद गोपालपुरम में अपने आवास पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान हिंदी थोपे जाने का विरोध करते कहा कि दो-भाषा नीति जारी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह मेरे जन्मदिन का संदेश है। मेरी चिंताएं हमेशा देश और अपने राज्य को लेकर हैं। हमें अपने राज्य के अधिकारों को सुरक्षित करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि तमिलनाडु में हिंदी थोपने का विरोध जारी रहना चाहिए और तमिल-अंग्रेजी द्विभाषा प्रणाली कायम रहना चाहिए, जो राज्य के शैक्षिक और प्रशासनिक संरचना की नींव रही है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु लंबे समय से त्रिभाषा नीति का विरोध करता रहा है और स्कूलों में तमिल तथा अंग्रेजी की वकालत की है। राज्य सरकार ने इस बात पर बार-बार बल दिया है कि केंद्र की ओर से भाषा थोपने की बजाए चुनने का विकल्प दिया जाना चाहिए।

श्री स्टालिन की यह टिप्पणी क्षेत्रीय भाषाओं की कीमत पर हिंदी को बढ़ावा देने की कोशिश करने वाली नीतियों पर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है। उन्होंने राज्य की स्वायत्तता का सम्मान करने वाली संघीय संरचना की आवश्यकता को दोहराते हुए भाषा एवं शासन पर अपनी सरकार के लंबे समय से चले आ रहे रुख की पुष्टि की।

मोदी ने श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से की मुलाकात

नई दिल्ली, 01 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में मुलाकात की। श्री विक्रमसिंघे एक टीवी समाचार चैनल के परिचर्चा सत्र में भाग लेने आए हुए थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि यह मुलाकात यहां एनएक्सटी गोष्ठी में हुई जहां श्री विक्रमसिंघे भी से मुलाकात की। उन्होंने पोस्ट में लिखा, एनएक्सटी कॉन्क्लेव में, अपने मित्र रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की। मैं हमेशा हमारी बातचीत का इंतजार करता रहा हूं और विभिन्न मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण की प्रशंसा करता रहा हूं।

एनएक्सटी के दो दिन के इस कार्यक्रम को श्री मोदी ने आज दूसरे दिन संबोधित किया।

दिल्ली में पंद्रह साल पुराने वाहनों को 31 मार्च के बाद इंधन नहीं मिलेगा

नई दिल्ली, 01 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिन्द्र सिंह सिरसा ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में सभी पेट्रोल पम्पों पर 15 साल पुराने वाहनों को 31 मार्च के बाद इंधन भरवाने पर रोक रहेगा।

श्री सिरसा ने प्रदूषण नियंत्रण को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से आज कहा कि 15 साल पुराने सभी वाहनों को तेल देना बंद कर दिया जाएगा। इसके लिए पेट्रोल पम्पों पर ऐसे उपकरण लगाये जा रहे हैं जो 15 साल पुराने वाहनों की पहचान कर लेगा। अब तक 80 फीसदी पेट्रोल पम्पों पर ऐसे उपकरण लगाये जा चुके हैं और 31 मार्च तक सभी पम्पों पर ऐसे उपकरण लगा लिये जाएगे।

उन्होंने कहा कि राजधानी में 15 साल पुराने वाहनों की पहचान के लिए एक टीम बनाई जाएगी। यह टीम 15 साल पुराने वाहनों को दिल्ली में आने से रोकना के साथ-साथ यहां के पुरानी वाहनों को दिल्ली से बाहर करने का काम करेगी।

श्री सिरसा ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए पौधारोपण कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों को जोड़ा जाएगा। छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें प्रमाण पत्र देने पर भी विचार किया जाएगा।

दिल्ली के अंदर बड़े होटलों, कार्यस्थलों, निर्माण स्थलों और हवाई अड्डों को प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपाय करने का प्रावधान करना होगा।

दिल्ली में बंजर पड़ी भूमि पर पौधारोपण करने का काम किया जाएगा ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके।

मार्च के मध्य तक मिल सकता है भाजपा को नया अध्यक्ष, महिला के नाम पर भी बन सकती है सहमति

नई दिल्ली, 01 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी 13 से अधिक राज्यों में संगठनात्मक चुनाव संपन्न होने के बाद 15 या 16 मार्च तक अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा करने के लिए तैयार है।

पार्टी सूत्र बताते हैं कि जेपी नड्डा के उत्तराधिकारी पर फैसला आंतरिक सहमति बनाकर किया जाएगा।

एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने संकेत दिया है कि जैसा कि अनुमान लगाया जा रहा था, पार्टी का लक्ष्य इस शीर्ष पद पर एक महिला को नियुक्त करना है, जो संभवतः दक्षिण भारत से होगी ताकि दक्षिणी राज्यों के लोगों को एक मजबूत संगठनात्मक संदेश भेजा जा सके।

यदि दक्षिण की किसी महिला को इस पद के लिए चुना जाता है तो या तो आंध्र भाजपा प्रमुख दग्गुबाती पुरंदेश्वरी या भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन सबसे संभावित उम्मीदवार के रूप में उभर सकती हैं। भाजपा, जो परंपरागत रूप से परामर्श के माध्यम से एकता को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती है, अपनी निर्णय लेने की प्रक्रिया में कई कारकों पर विचार कर रही है, जिसमें क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, जाति की गतिशीलता और आगामी चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन शामिल है।

इससे पहले, भाजपा ने कथित तौर पर दिसंबर 2024 तक एक नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त करने का लक्ष्य रखा था। वर्तमान में, जेपी नड्डा राज्यसभा में सदन के नेता हैं और मोदी सरकार में स्वास्थ्य, रसायन और उर्वरक विभाग रखते हैं। नड्डा 2019 में भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष बने। जनवरी 2020 में उन्हें पूर्णकालिक अध्यक्ष के रूप में पदोन्नत किया गया। 2023 में, मई 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले, उनका तीन साल का कार्यकाल जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था।

सूत्र ने कहा कि दग्गुबाती पुरंदेश्वरी सबसे आगे चलने वालों में से एक हैं। क्षेत्रीय प्रभाव और राष्ट्रीय एकजुटता को संतुलित करने की इच्छुक पार्टी इनमें से एक उम्मीदवार का चयन कर सकती है। पुरंदेश्वरी, लगभग 66 वर्ष की उम्र में, संगठनात्मक मामलों में अपना महत्वपूर्ण अनुभव लेकर, 2014 में कांग्रेस छोड़ने के बाद भाजपा में शामिल हो गईं।

वर्तमान में आंध्र प्रदेश में भाजपा प्रमुख के रूप में कार्यरत, उन्हें एक अत्यधिक स्पष्ट महिला नेता माना जाता है। अपने उत्कृष्ट वक्तृत्व कौशल और पांच भाषाओं में प्रवाह के कारण उन्हें दक्षिण की सुषमा स्वराज के रूप में जाना जाता है, उन्हें भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच व्यापक स्वीकृति प्राप्त है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

सुकमा, 01 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में काफी समय से नक्सली फिर से एक्टिव हो गये हैं। सुरक्षाबलों की बड़े एक्शन के बाद अन्य नक्सली सुरक्षाबलों से बदला लेने के मूड में चल रहे हैं। काफी समय से मुठभेड़ की खबरें आ रही हैं। ताजा रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है जिसमें 2 नक्सली मारे गये हैं। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है।

सुरक्षाबलों ने अभी तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि किस्टाराम क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर शुक्रवार को सुकमा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि दल आज जब क्षेत्र में था तब नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गयी। उन्होंने बताया कि आज सुबह से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच रूक-रूक कर मुठभेड़ जारी है। अभी तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल और आस-पास के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने खोजी अभियान शुरू किया है।

ट्रैफिक जाम से मुक्ति से लेकर गोबर से निर्माण तक, युवा इंजीनियरों के नवाचार जिंदगी बनाएंगे आसान

चेन्नई, 01 मार्च (एजेंसियां)। अब ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिल सकेगी और गोबर से निर्माण सामग्री बन सकेगी। पोल्ट्री फार्म में भी मुर्गियों के अंडे इंसान नहीं रोबोट इकट्ठे करेगा। जी हां जिंदगी को आसान बनाने के लिए आईआईटी के युवा इंजीनियरों ने नवाचार किए हैं। आईआईटी मद्रास में चल रही राष्ट्डीय शोध प्रदर्शनी आईइन्वेंटिव में ऐसे 185 नवाचारों को प्रदर्शित किया गया है। इसमें वायु गुणवत्ता के आधार पर रास्ता बताने वाला एप, बिना सुई के ब्लड शुगर जांचने वाला उपकरण, बांस के पाउडर से बोतलें बनाने की मशीन जैसी नई खोजें शामिल की गई हैं। शिक्षा मंत्रालय के दो दिवसीय कार्यक्रम आईइन्वेंटिव के तीसरे संस्करण का उद्घाटन शुक्रवार को शिक्षा और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ सुकांत मजूमदार ने किया। इस बार इसकी मेजबानी आईआईटी मद्रास कर रहा है।

इसमें आईआईटी, एनआईटी, आईआईएससी बंगलूरू और आईआईएसईआर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रोजेक्ट शामिल किए गए हैं। आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामकोटि के मुताबिक,

इस आयोजन में उन तकनीकों को प्राथमिकता दी गई है जो उद्योगों में इस्तेमाल के लिए तैयार हैं। कंपनियां इन नवाचारों को सीधे अपनाकर अपने व्यवसाय में इस्तेमाल कर सकती हैं। इस एक्सपो का मुख्य उद्देश्य शोध संस्थानों और उद्योगों के बीच बेहतर सहयोग स्थापित करना है। इस प्रदर्शनी में 180 से अधिक नवाचारों को शामिल किया गया है। इनमें कई स्टार्टअप्स भी शामिल हैं। ये स्टार्टअप्स उन शोध परियोजनाओं पर आधारित हैं जो इन संस्थानों में विकसित की गई थीं।

यहां इस बार आईआईटी हैदराबाद का विकसित हेल्दीरूट एप है। यह वायु गुणवत्ता और ट्रैफिक कंजेशन के आधार पर रास्ता बताता है। जहां आमतौर पर मौजूदा नेविगेशन एप्स सिर्फ समय बचाने और ट्रैफिक से बचने पर ध्यान देते हैं, लेकिन यह एप वायु प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों को भी ध्यान में रखता है। एक और रोचक खोज एनआईटी कालीकट विकसित एविबोट है। यह पोल्ट्री फार्मों में स्वचालित रूप से अंडे इकट्ठा करने वाला रोबोट है। यह रोबोट आधुनिक सेंसर और सुरक्षित पकड़ने की तकनीक का उपयोग कर अंडों को बिना नुकसान पहुंचाए इकट्ठा करता है।

आईआईटी इंदौर ने गोबर से बना गोबएयर नामक एक विशेष झाग पैदा करने वाला पदार्थ पेश किया है। इसे हल्के वजन वाली निर्माण सामग्री बनाने के लिए एक टिकाऊ विकल्प के रूप में उपयोग किया जा सकता है। एनआईटी सिलचर ने बांस के पाउडर से बोतलें बनाने की एक प्रणाली विकसित की है। बांस की बोतलें एक बेहतर पर्यावरण अनुकूल विकल्प हो सकती हैं।

नैमिषारण्य में शुरू हुई 84 कोसी परिक्रमा

सीतापुर, 01 मार्च (एजेंसियां)। आस्था, परंपरा और अध्यात्म के अनूठे संगम की 84 कोसी परिक्रमा का शनिवार की ब्रम्हबेला में शुभारंभ हो गया। नैमिष से डंका बजते ही रामादल धर्म यात्रा पर निकल पड़ा। परिक्रमा मार्ग पर जहां तक निगाह जाती आस्था का सैलाब हिलोरें मारता नजर आया। देश-विदेश के साधु-संत व श्रद्धालु परिक्रमा करने पहुंचे हैं। ढ़ोल-मंजीरे की करतल ध्वनि के मध्य भजनों पर झूमते श्रद्धालु और बोल कड़ाकड़ सीताराम का जयघोष नैमिष से कोरौना तक वातावरण में भक्ति रस घोलता रहा। मोक्ष व पुण्य की कामना से साधु-संत, बच्चे, युवा, बुजुर्ग, महिलाएं और दिव्यांग बड़े उत्साह से धर्म यात्रा कर रहे हैं। सतयुग से चली आ रही इस परिक्रमा में 11 पड़ाव हैं। परिक्रमा 11 मार्च को अपने अंतिम पड़ाव मिश्रिख पहुंचेगी। परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए पुलिस, प्रशासन की टीमें लगाई गई हैं।

नैमिषारण्य में रंग, बिरंगी लाइटों और गुब्बारों से सजा मुख्य प्रवेश द्वार मनमोहक छटा बिखेर रहा था। शनिवार की भोर तीन बजे से परिक्रमार्थियों ने आदि गंगा गोमती व चक्रतीर्थ में स्नान एवं दर्शन-पूजन का क्रम शुरू कर दिया। मां ललिता देवी मंदिर तिराहे पर ब्रह्म बेला में धर्म, आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम अलौकिक व अविस्मरणीय छटा बिखेरता नजर आया।

महर्षि दधीचि के त्याग व प्राणियों के मोक्ष के लिए अस्थि दान से पहले की गई सिद्धि, बुद्धि व मुक्ति की परिचायक इस परिक्रमा में शामिल मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तरांचल, राजस्थान, दिल्ली, छत्तीसगढ़, बिहार, महाराष्ट्र आदि प्रदेशों समेत पड़ोसी देश नेपाल व भूटान के बड़ी संख्या में श्रद्धालु सनातन धर्म की परंपरा का पालन करते हुए खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से मिश्रिख एसडीएम अनिल रस्त-ोगी, सीओ दीपक सिंह, नायब तहसीलदार राम सूरत, नैमिष थाना प्रभारी पंकज तिवारी, चेयरमैन प्रतिनिधि बबलू सिंह, ईओ प्रियंका मिश्रा ने 84 कोसी परिक्रमा समिति के अध्यक्ष व पहला महंत नारायण दास नन्हकू, व्यासपीठाधीश्वर अनिल शास्त्री, महामंडलेश्वर विद्यानंद सरस्वती, महामंडलेश्वर सदाशिवेंद्र सरस्वती, महंत संतोष दास, रामानुज कुमारी माताजी, चक्रतीर्थ पुजारी राज नारायण पांडेय, प्रस्तावक विमल मिश्र व रंजीत शास्त्री का पूजन किया। इसके बाद फूल माला पहनाकर संत-महंतों का अभिनंदन किया गया। परिक्रमा शुरू होने पर प्रशासनिक अमले ने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उत्साहवर्धन किया।

परिक्रमा में आस्था की कुछ अलग कहानियां भी नजर आईं। मध्य प्रदेश के भिंड से परिक्रमा करने आईं शिव कुमारी अपनी गोद में लड्डू गोपाल को लिए थीं। शिव कुमारी ने बताया कि वे 21 साल से परिक्रमा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जब ये देव हमें अपनी कृपा से जीवन में सब दे सकते हैं तो हम इन्हें अपनी गोद में लेकर एक यात्रा कर ही सकते हैं। वहीं, शांति देवी 25 वर्षों से अपने आराध्य को गोद में लेकर परिक्रमा रही हैं। वह बताती हैं कि मेरे आराध्य ही मेरे सब कुछ हैं। इनकी कृपा से मैं चलती, बोलती हूं। यही मुझे सदमार्ग का रास्ता दिखाते हैंश्र

भैरमपुर मार्ग स्थित रहस बिहारी परसादी लाल हनुमत आश्रम में सर्वरहकार हीरा देवी, अशोक कुमार और रामकिशोर बाबा भारती ने श्रद्धालुओं को हलुआ और चना वितरित किया। इसी कड़ी में नैमिषारण्य तीर्थ से लेकर कोरौना तक कई स्थानों पर भंडारों का आयोजन किया गया। जिनमें चाय-नाश्ता, पूड़ी-सब्जी, फल इत्यादि वितरित किया जाता रहा। रास्ते में कई जगह ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं का स्वागत व अभिनंदन भी किया। व्यासपीठाधीश्वर अनिल कुमार शास्त्री पहली बार परिक्रमा कर रहे हैं। व्यास पीठाधीश ने तीन हाईटेक रथ भी बनवाए हैं। इन रथों पर महर्षि दधीचि, वेद व्यास और राम दरबार के दर्शन श्रद्धालुओं को हो रहे हैं। वहीं, कालीपीठाधीश गोपाल शास्त्री भी रामादल में शामिल हैं। वह भी श्रद्धालुओं के साथ परिक्रमा में शामिल हुए। उनके साथ मंडली भजन कीर्तन कर परिक्रमा पथ पर आगे बढ़ती नजर आई।

इस परिक्रमा में देश की विभिन्न संस्कृतियों का संगम देखने को मिलता है। कई प्रदेशों के ऐसे श्रद्धालु परिक्रमा करने आए हैं, जिनकी भाषा और पहनावा एक-दूसरे से भिन्न है। लेकिन रामादल में शामिल होने के बाद सभी संस्कृतियों का अद्भुत संगम नजर आने लगता है। अलग-अलग संस्कृतियों के एक साथ दर्शन अनूठा अनुभव कराता है। यहां विभिन्न प्रदेशों के श्रद्धालु अपने परंपरागत लोकगीतों के मधुर स्वर बिखेरते हैं तो बरबस सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं।

खेमों में बंटी यूपी भाजपा

मंडल, जिला और महानगर अध्यक्ष के चुनाव टले

चार जिलों में संगठन का बदलाव स्थगित हुआ

लखनऊ, 01 मार्च (एजेंसियां)। अलीगढ़ संगठन के दोनों जिले (महानगर और जिला) ब्रज प्रांत के उन चार जिलों में शामिल हैं, जहां फिलहाल चुनाव नहीं होंगे। मतलब जो कमेटियां काम कर रही हैं, वही सक्रिय रहेंगी। ब्रज प्रांत के चार जिलों में हाथरस व फिरोजाबाद जनपद भी शामिल हैं, जहां यह प्रक्रिया टाली गई है। चार खेमों में बंटी स्थानीय भाजपा की गुटबाजी का ही परिणाम है कि मंडल से लेकर जिला और महानगर अध्यक्षों का चुनाव स्थगित कर दिया गया है। पूरे प्रदेश में संगठनात्मक चुनाव का शोर है, मगर अलीगढ़ में चुनाव प्रक्रिया दो माह के लिए टल गई है।

अलीगढ़ संगठन के दोनों जिले (महानगर और जिला) ब्रज प्रांत के उन चार जिलों में शामिल हैं, जहां फिलहाल चुनाव नहीं होंगे। मतलब जो कमेटियां काम कर रही हैं, वही सक्रिय रहेंगी। ब्रज प्रांत के चार जिलों में हाथरस व फिरोजाबाद जनपद भी शामिल हैं, जहां यह प्रक्रिया टाली गई है। प्रदेश भर में पार्टी के संगठनात्मक चुनाव का शोर दिल्ली विधानसभा चुनाव के पहले से मचा हुआ है। इस बीच प्रदेश नेतृत्व ने संगठनात्मक स्तर पर जिला अलीगढ़ व महानगर के मंडल अध्यक्षों के चुनाव के लिए प्रभारी नियुक्त किए। इन्होंने यहां पहुंचकर नामांकन लेने की प्रक्रिया अपनाई।

अलीगढ़ महानगर के आठ व अलीगढ़ जिले के 27 मंडल हैं, इन सभी में चार खेमों की गुटबाजी चरम पर पहुंच गई। आलम ये हो गया कि मंडल अध्यक्ष तक के छोटे स्तर के चुनाव की जोर आजमाइश प्रदेश स्तर तक पहुंच गई। समन्वय नहीं बना और खींचतान के चलते प्रक्रिया रोक दी गई। अब तय हुआ है कि अलीगढ़ जिला व अलीगढ़ महानगर के साथ-साथ ब्रज प्रांत में शामिल हाथरस व फिरोजाबाद जनपद की चुनाव प्रक्रिया होल्ड कर दी जाए। इन पर विचार या तो प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के बाद होगा या फिर कुछ माह इंतजार के बाद होगा। इस टालमटोल में अब तक ताकत लगा रहे दावेदार परेशान हैं कि कहीं उनके अब तक के प्रयास बेकार न चले जाएं।

संगठन की चुनाव प्रक्रिया के तहत पहले मंडल अध्यक्षों का चुनाव होना था। इसमें मंडल अध्यक्ष और एक प्रभारी बनाया जाता। ये लोग जिला व महानगर अध्यक्ष पद पर नामांकन के लिए प्रस्तावक बनते। ऐसे में जब तक मंडल अध्यक्ष का चुनाव नहीं होगा। तब तक जिला व महानगर अध्यक्ष का चुनाव टल गया है। आधिकारिक तौर पर बताया गया कि अलीगढ़ के साथ-साथ ब्रज प्रांत में शामिल हाथरस व फिरोजाबाद में संगठन स्तर के चुनाव को होल्ड किया गया है। इसके पीछे की वजह समन्वय न बनना है। अब चुनाव कुछ माह बाद होगा।

शीर्ष सौ कारोबारियों ने दिया 19 हजार करोड़ स्टेट जीएसटी

लखनऊ, 01 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में शीर्ष 100 कंपनियों ने स्टेट जीएसटी के रूप में 19 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का टैक्स दिया है।

कारोबार में विकास का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ये रकम वर्ष 2023 की तुलना में 27 फीसदी ज्यादा है। ओप्पो मोबाइल फोन 1945 करोड़ रुपए का टैक्स देकर पहले स्थान पर है। शीर्ष 10 में तीन नवरत्न कंपनियां हैं और 7 निजी क्षेत्र से जुड़ी हैं। वहीं, खनन, रियल एस्टेट, तिपहिया वाहन, बैटरी-इनवर्टर क्षेत्र में भी औसतन 16 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई है। प्रदेश के 100 शीर्ष जीएसटी देने वाले कारोबारियों या कंपनियों में से 33 कंपनियां नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद की हैं। सबसे ज्यादा 28 कंपनियों के मुख्यालय या कॉर्पोरेट ऑफिस लखनऊ में हैं। इस मामले में लखनऊ ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और कानपुर जैसे औद्योगिक शहरों को काफी पीछे छोड़ दिया है। टॉप 100 में कानपुर की सिर्फ सात कंपनियां हैं।

इनमें गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (80.73 करोड़), आरएसपीएल (84 करोड़), अपोलो टायर्स (132 करोड़), सिएट लि. (118 करोड़), केटीएल लि. (96 करोड़), एलआईसी (449 करोड़) और पारले बिस्किट्स (177 करोड़) शामिल हैं।

इस लिस्ट में औरैया, सोनभद्र, अमेठी, झांसी, मेरठ, सहारनपुर, प्रयागराज, गोरखपुर, मिर्जापुर, आगरा और अलीगढ़ ने भी नाम दर्ज कराया है।

छोटे जिलों की तरफ कॉर्पोरेट सेक्टर का झुकाव बढ़ा है। इसीलिए सोनभद्र में पंजीकृत मॉन्टे कार्लो लि. ने करीब 70 करोड़ रुपये का टैक्स दिया है।

खास बात यह है कि 2022-23 में सिर्फ 2.13 करोड़ रुपए टैक्स जमा किया था। यानी केवल एक साल में 33 गुना की ग्रोथ सामने आई है। बड़ी कंपनियों ने उन्हीं छोटे जिलों की तरफ रुख किया है, जहां बुनियादी विकास और सड़कों की कनेक्टिविटी बेहतर है।

राज्य कर विभाग के प्रमुख सचिव एम देवराज का कहना है कि राज्य कर विभाग को आगामी वित्त वर्ष के लिए 1.75 लाख करोड़ रुपये के राजस्व संग्रह का लक्ष्य दिया गया है। इसे प्राप्त के लिए कंप्यूटरों की संख्या बढ़ाने के साथ ही विभागीय दिक्कतों को दूर किया जाएगा। वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा एनालिसिस पर खास फोकस रहेगा। इस वर्ष भी राज्य कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

संभल हिंसा : न्यायिक आयोग में दर्ज हुआ डीएम समेत 45 लोगों का बयान

संभल, 01 मार्च (एजेंसियां)। संभल दंगे की न्यायिक जांच के तहत आयोग ने दो दिवसीय दौरे में 45 लोगों के बयान दर्ज किए, जिसमें डीएम, एसडीएम, डॉक्टर और पब्लिक गवाह शामिल हैं। आयोग के सदस्य पूर्व डीजीपी एके जैन ने बताया कि शेष बचे लोगों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए उपद्रव की जांच के लिए तीन सदस्यीय आयोग का गठन किया गया था।

संभल में हुए बवाल में न्यायिक जांच आयोग ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान कुल 45 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। इसमें स्थानीय लोगों के साथ घटना के समय मौके पर मौजूद अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं। जिले के डीएम, एडीएम और एसडीएम के भी बयान दर्ज किए गए हैं। शनिवार को न्यायिक जांच आयोग के सदस्यों ने निरीक्षण भवन में डीएम डॉ.राजेंद्र पैंसिया, एसडीएम वंदना मिश्रा, कई डॉक्टर और पब्लिक के गवाहों के बयान दर्ज किए। न्यायिक जांच आयोग के सदस्य पूर्व डीजीपी एके जैन ने बताया कि दो दिन में डीएम, एडीएम, एसडीएम, डॉक्टर, पब्लिक के गवाह आदि 45 लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। यह बयान उन लोगों के दर्ज किए हैं, जिनके शपथ पत्र या प्रार्थना पत्र आयोग को मिले थे। जो शेष बचे हैं उनके बयान भी दर्ज किए जाएंगे।

कोर्ट में हरिहर मंदिर का दावा करने संबंधी याचिका के वादी महंत ऋषिराज गिरि महाराज के भी बयान दर्ज किए गए हैं। इससे पहले अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन, जिला अस्पताल के कर्मचारी, जामा मस्जिद सर्वे से जुड़े मामले में शामिल अधिवक्ताओं के भी बयान लिए गए। मालूम हो जामा मस्जिद सर्वे के दौरान बवाल हो गया था। इसमें पांच लोगों की जान गई थी। 29 पुलिसकर्मी और कई लोग घायल हो गए थे। उपद्रवियों ने पुलिस पर फायरिंग की थी और आगजनी व तोड़फोड़ कर दी थी। इस घटना के चलते तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया था। इस तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग में रिटायर्ड जज देवेंद्र अरोड़ा अध्यक्ष हैं। रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी और पूर्व डीजीपी एके जैन व रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद सदस्य के रूप में शामिल हैं।

संभल बवाल के 77 आरोपी मुरादाबाद के जेल में बंद हैं। उनके बयान भी दर्ज किए गए हैं। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से यह बयान दर्ज हुए। न्यायिक जांच आयोग के सदस्य पूर्व डीजीपी एके जैन ने बताया कि और जो आरोपी आएंगे, उनके बयान भी दर्ज किए जाएंगे। बताया गया कि जो गवाह बचे हैं, उनके बयान लेने के संबंध में यहीं कोई तारीख तय की जाएगी, या फिर लखनऊ तलब किया जाएगा। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में जिस किसी के पास भी कोई सूचना हो तो वह आयोग के साथ साझा कर सकता है।

काशी विश्वनाथ धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

45 दिन में तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने किए बाबा के दर्शन

वाराणसी, 01 मार्च (एजेंसियां)। महाकुंभ के पलट प्रवाह के बीच श्री काशी विश्वनाथ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या ने नया रिकॉर्ड बना दिया। मंदिर प्रशासन से मिले आंकड़ों के मुताबिक 45 दिनों में तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। औसतन आंकड़ों की बात करें तो रोजाना साढ़े छह लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। मंदिर के इतिहास में श्रद्धालुओं की यह संख्या सबसे ज्यादा है। सावन से ज्यादा माघ और फाल्गुन में श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार महाशिवरात्रि और मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई। मौनी अमावस्या पर जहां 11 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आए, वहीं महाशिवरात्रि पर 46 घंटे में 17 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के झांकी दर्शन किए। 13 जनवरी से 19 फरवरी के बीच श्रद्धालुओं की संख्या दो करोड़ का आंकड़ा पार कर गई थी। 27 फरवरी को जारी आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़ा तीन करोड़ तक पहुंच गया। यानी आठ दिन (20 से 27 फरवरी) में ही एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आ गए।

2024 में सावन के महीने में 53.84 लाख भक्तों ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया था। 2023 में श्रद्धालुओं की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया था। चार जुलाई से शुरू सावन में 60 दिनों में 1.63 करोड़ 17 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए थे। 2022 में सावन के महीने में एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया।

मोहनलालगंज से सपा सांसद आरके चौधरी के चुनाव को चुनौती

जाति और धर्म के नाम पर मांग रहे थे वोट

लखनऊ, 01 मार्च (एजेंसियां)। मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र से जीते सपा सांसद आरके चौधरी के चुनाव को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है।

हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने मतदाता ज्ञानी की याचिका पर सांसद को 17 मार्च तक लिखित जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया है।

इससे पहले हाईकोर्ट ने चौधरी को नोटिस जारी किया था। याचिका में चुनाव जीतने के लिए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) का मुद्दा उठाने समेत चुनाव कानून के तहत भ्रष्ट

आचरण अपनाने का आरोप लगाया गया है। न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की एकल पीठ अब 17 को सुनवाई करेगी। याची के अधिवक्ता का कहना था कि आरके चौधरी ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के प्रावधानों का उल्लंघन किया, जिससे चुनाव कथित भ्रष्ट आचरण से प्रभावित हुआ। जिस राजनीतिक दल से वह चुनाव लड़ रहे थे, उसने पीडीए का मुद्दा उछाला। कई साक्षात्कारों का जिक्र कर कहा गया कि चौधरी समेत समाजवादी पार्टी के मुखिया ने भी पीडीए की अवधारणा को बड़े पैमाने पर जनता के सामने पेश किया।

चुनाव की अधिसूचना के दौरान 12 मई 2024 को मो-हनलालगंज में हुई रैली में चौधरी ने जाति, समुदाय और धर्म के आधार पर वोट मांगे। पीडीए को सोशल मीडिया पर भी दिखाया गया। इन हालात में चौधरी का चुनाव रद्द किए जाने योग्य है। कोर्ट ने बीते 24 सितंबर को आरके चौधरी को नोटिस जारी किया था।

इसके बाद उनके वकील ने याचिका पर जवाब पेश करने के लिए चार हफ्ते का वक्त देने का आग्रह किया, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर दिया। इस वर्ष 14 फरवरी को चौधरी के अधिवक्ता कृष्ण कन्हैया पाल ने याचिका पर लिखित कथन दाखिल करने के लिए और समय मांगा। इस पर कोर्ट ने 17 मार्च तक आखिरी मौका दिया है।

यूनिवर्सिटी कैंपस में चली गोली, छात्र की मौत, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

अलीगढ़ , 01 मार्च (एजेंसियां)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के एबीके यूनियन हाई स्कूल के पास छात्रों के दो पक्षों में झगड़ा हो गया। झगड़ा इतना बढ़ा कि एक छात्र ने दूसरे छात्र को गोली मार दी। जिससे छात्र की मौत हो गई।

एबीके यूनियन हाई स्कूल के पास छात्रों के दो पक्षों में झगड़े के दौरान एक छात्र ने दूसरे पर गोली चला दी। गोली लगने से छात्र घायल हो गया। छात्र को मेडिकल कालेज ले जाया

गया। वहां पर छात्र को मृत घोषित कर दिया गया। सूचना पर पुलिस व प्रॉक्टर टीम मौके पर पहुंच गई।

थाना सिविल लाइन अंतर्गत छात्रों के दो पक्षों में हुए झगड़े की सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल छात्र को उपचार हेतु जेएन मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई है। प्राप्त तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर आरोपियों की गिरफ्त-ारी हेतु टीम गठित की गई है। शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने खरीदा एक और हेलीकॉप्टर

गोंडा, 01 मार्च (एजेंसियां)। कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक और हेलीकॉप्टर खरीदा है। पांच सीटर इस हेलीकॉप्टर का शनिवार को पूजन किया गया।

नवाबगंज के विश्नोहरपुर निवासी पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह छह बार सांसद रह चुके हैं। लग्जरी एसयूवी का काफिला लेकर निकलने वाले पूर्व सांसद ने पिछले साल एक हेलीकॉप्टर खरीदा था। अब उन्होंने दूसरा हेलीकॉप्टर खरीदा है।

शनिवार को पारिवारिक सदस्यों के साथ उन्होंने हेलीकॉप्टर का पूजन किया। भगवा रंग के इस हेलीकॉप्टर का वीडियो व फोटो पूर्व सांसद ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। आर66 मॉडल वाले इस हेलीकॉप्टर की कीमत से सात से आठ करोड़ के बीच की बताई जा रही है।

बलरामपुर सदर के विधायक पल्टूराम ने पूर्व सांसद को बधाई दी है। पूर्व सांसद के निजी सचिव संजीव सिंह ने बताया कि हेलीकॉप्टर होने से अन्य प्रदेशों व सुदूर इलाकों में रहने वाले समर्थकों के यहां आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में समय से पहुंचने में सहूलियत होगी। जिपं सदस्य महेंद्र सिंह ने भी पूर्व सांसद को हेलीकॉप्टर खरीदने पर बधाई दी है।

बृजभूषण शरण सिंह छह बार सांसद रहे चुके हैं। पांच बार भारतीय जनता पार्टी और एक बार समाजवादी पार्टी के टिकट से चुनाव जीतकर वह लोकसभा पहुंचे।

उनकी पत्नी केतकी सिंह भी एक बार सांसद रह चुकी हैं। वर्तमान में पुत्र करण भूषण सिंह कैसरगंज से भाजपा सांसद व प्रतीक भूषण सिंह गोंडा सदर से भाजपा विधायक हैं। बृजभूषण शरण सिंह 50 से अधिक शैक्षिक संस्थानों से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर जुड़े हैं।

पिंक पैरट फ्लावर

हरे रंग का तोता तो आप सभी ने देखा ही होगा, लेकिन क्या आपने कभी गुलाबी रंग का तोता देखा है ? अगर नहीं, तो आज हम आपको इस गुलाबी तोते के बारे में बता रहे हैं। दरअसल, यह एक फूल है, जो देखने में बिलकुल ऐसा लगता है जैसे कोई तोता उड़ रहा हो। इसी कारण इसे 'पैरट फ्लावर' कहते हैं। पैरट फ्लावर कुदरत की कई खूबसूरत रचनाओं में से एक है। यह तोते और फूल का सुंदर व दुर्लभ संयोजन है। पौधे पर लटकते हुए नाजुक पैरट फ्लावर को आप किसी भी कोण (एंगल) से देखें, आपको वे गुलाबी तोते जैसे ही दिखाई देंगे। यह फूल छह फुट तक ऊंचा हो सकता है।

थाईलैंड के किसी फोटोग्राफर द्वारा इसकी तस्वीरें नेट पर डालने से पहले अधिकतर लोग यही मानते थे कि वास्तव में ऐसा कोई फूल नहीं हो सकता। इस ह्रश्वलांट की बोटैनिकल वर्ल्ड से पहचान 1901 में बोटैनिस्ट ईडी हूकर ने करवाई थी। हूकर ने सबसे पहले यह प्लांट भारत के एक पूर्वी राज्य में देखा था। जहां से वह इसके बीजों को लंदन के रॉयल बोटैनिक गार्डन क्यू ले गए, लेकिन पहले साल के बाद इन बीजों ने पुर्नउत्पादन नहीं किया। पैरट फ्लावर का वैज्ञानिक नाम 'इम्पेशंस पिस्ताचिना' है। पिस्ताचिना शब्द का अर्थ है- तोते जैसा। यह बहुत दुर्लभ प्लांट है, जो सिर्फ बर्मा के कुछ इलाकों और उत्तरी थाईलैंड के छोटे से हिस्से (चियांग माई के पास) और भारत के एक पूर्वी राज्य में ही पाया जाता है। पैरट फ्लावर की खेती करने वालों का कहना है कि इसे उगाना बहुत मुश्किल है। इसके लिए मिट्टी भी खास किस्म की जरूरी होती है। यह अक्तूबर और नवंबर के महीने में खिलता है। यह ऊष्णकटिबंधीय, आद्र और नम वातावरण में होता है। यदि आप सोच रहे हैं कि आप भी अपने घरों में इस फूल को लगाएंगे, तो आप जान लीजिए, ऐसा संभव नहीं है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति इसे खरीद नहीं सकता। चूंकि ये बहुत दुर्लभ फूल हैं, इसलिए थाईलैंड में इसे सुरक्षित फूल का दर्जा दिया गया है। यही कारण है कि फूल या इसके बीजों का निर्यात थाईलैंड में संघीय अपराध माना जाता है।

समुंदर में होटल

संयुक्त अरब अमीरात का शहर दुबई पूरी दुनिया में अपने अनूठेपन के लिए जाना जाता है। यह शहर समुद्र में दुनिया बसाने के सपने को भी साकार कर रहा है। दुबई में ऐसे ढेरों अजूबे हैं, जो ख्वाबों को हकीकत में बदलने का एहसास कराते हैं।

दुबई में दुनिया का पहला अंडरवॉटर होटल 'हाइड्रोपोलिस' बन रहा है। यह होटल पानी के अंदर बुलबुले की शक्ल जैसा नजर आता है। जुमेरा बीच कोस्टलाइन के पास पर्शियन खाड़ी के तल से 20 मीटर नीचे बन रहे इस होटल का निर्माण इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। इस होटल के निर्माण में करीब 24 अरब रुपए का खर्चा आने का अनुमान है। हाइड्रोपोलिस के डिवलपर व डिजाइनर हॉजर का कहना है कि हाइड्रोपोलिस एक प्रोजैक्ट नहीं है, बल्कि एक पैशन है। सदियों से पानी के नीचे रहना इंसान का सपना रहा है, हाइड्रोपोलिस होटल के निर्माण के बाद समुद्र के नीचे ज़िंदगी बिताने का यह सपना कुछ हद तक पूरा हो जाएगा। पानी में 60 फुट अंदर इस होटल को तीन भागों में बनाया जा रहा है। पहले भाग में रेलवे स्टेशन है, जहां आने वाले लोगों का स्वागत किया जाएगा। दूसरे भाग में हाईकनेक्टिंग सुरंग है, जहां मुख्य होटल तक पहुंचाने के लिए आवाजरहित खास ट्रेन का इंतजाम किया गया है। तीसरा भाग है 220 सुइट्स का शानदार लग्जरी होटल। 260 एकड़ में बने इन सुइट्स में ऐशो- आराम की हर सुविधा उपलब्ध है। इसका आकार लंदन के हाइड पार्क के बराबर होगा। लैंड स्टेशन पर सभी सुविधाओं से युक्त हाइटेक रेस्तरां, मल्टीप्लेक्स और समुद्री जीव-जंतुओं को देखने के लिए बड़ी स्क्रीन भी है, जो हाइड्रोपोलिस का सबसे खास हिस्सा है। जिस जगह पर हाइड्रोपोलिस का निर्माण किया जा रहा है, वह दुबई के शहजादे शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मख्तूम की है। शेख मख्तूम का कहना है, 'वैसे तो दुनियाभर में पानी के भीतर कई अजूबे हैं, लेकिन जापानी वास्तुकला की बेजोड़ कारीगरी के कारण यह होटल उन सबसे अलग है।'

अस्तित्व की लड़ाई

घटते जंगलों और बढ़ते शिकार के कारण जानवरों की कई प्रजातियां लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई हैं। दुर्लभ प्रजाति के कई जानवरों को लुप्त होने से बचाने के लिए नैशनल पार्कों की स्थापना की गई। इनका अस्तित्व बरकरार रहे, इसलिए यहां उन्हें कुदरती माहौल में रखा जाता है...

वाइल्ड लाइफ नैशनल पार्क देश भर में फैले हुए हैं, जहां सैलानी वन्य जीवों को नजदीक से देख सकते हैं। भारत में 80 नैशनल पार्क और 441 वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरिज हैं। ये अंडेमान निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश, असाम, छतीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू- कश्मीर, झारखंड, केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, राजस्थान, उज़र-प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में हैं। प्रत्येक नैशनल पार्क अपनी वाइल्ड लाइफ के लिए प्रसिद्ध है।

काजिरंगा नैशनल पार्क

ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित काजिरंगा नैशनल पार्क में एक सींग वाला भारतीय गैंडा समेत कई अन्य जंगली जानवर रहते हैं। किसी समय भारत में गैंडों की संख्या बहुत ज़्यादा होती थी, लेकिन इनके शिकार के कारण इनकी गिनती में लगातार कमी आती गई और इसी के चलते 1926 में इस इलाके को वाइल्ड लाइफ कंर्सवेशन के तहत लाया गया और 1940 में काजिरंगा को सैंक्चुरी घोषित कर दिया गया। 1985 में काजिरंगा नैशनल पार्क को वर्ल्ड हैरिटेज साइट घोषित कर दिया गया था। इसका क्षेत्रफल 429.93 वर्ग किलोमीटर है। यह असाम के दो जिलों गोलाघाट और नागोन में स्थित है।

काजिरंगा नैशनल पार्क में घूमने के लिए एक दिन पर्याह्रश्वत है। हाथी पर सवार होकर आप तड़के पार्क में जा सकते हैं। सफारी पर जानवरों को नजदीक से देखना बहुत बढ़िया अनुभव है। सर्दी के मौसम में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी भी यहां आते हैं। बारहसिंगा, जंगली भैंसा, जंगली हाथी और जंगली भालू समेत कई जानवर आप यहां देख सकते हैं।

रनथम्बोर नैशनल पार्क

रनथम्बोर नैशनल पार्क राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में स्थित है। यह अरावली और विंध्या पर्वतों के संगम पर स्थित है। पहाड़ की चोटी पर एक बहुत बड़ा किला है, इसी के नाम पर इस पार्क का नाम पड़ा है। यह पार्क लगभग 400 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसके साथ 100 वर्ग किलोमीटर इलाके में सवाई मानसिंह सैंक्चुरी भी है। 1957 में रनथम्बोर नैशनल पार्क को वाइल्ड लाइफ़ सैंक्चुरी घोषित किया गया था और 1974 में यहां प्रोजैक्ट टाइगर शुरू किया गया। नैशनल पार्क का दर्जा इसे 1981 में मिला।

इस पार्क में पानी के कई कुदरती स्त्रोत हैं, जो गर्मी के मौसम में जानवरों को ठंडक देते हैं। जगल में कई खंडहर भी हैं, जो यहां की सुंदरता को और बढ़ा देते हैं। यहां आप कुदरत, इतिहास और वाइल्ड लाइफ का सुंदर संगम देख सकते हैं। यहां आप दिन के समय भी चीतों को देख सकते हैं। ये वाहनों की अवाज और लोगों से नहीं डरते। यह पार्क हर साल अक्तूबर से मई तक खुला रहता है। फोटोग्राफी के शौकीन लोगों के लिए रनथम्बोर एक बढ़िया स्थान है। यहां आप गीदड़, भालू, तेंदुआ और चीता काफी नजदीक से देख सकते हैं।

कान्हा नैशनल पार्क

कान्हा नैशनल पार्क की स्थापना 1955 में स्पैशल कानून के तहत की गई थी। प्रोजैक्ट टाइगर के तहत इसे कान्हा टाइगर रिजर्व बना दिया गया और तब से ही यह विभिन्न प्रजातियों के जानवरों की हिफाजत में समर्पित है। यहां दुर्लभ बारहसिंगों समेत कई दुर्लभ प्रजातियों के जानवरों को रखा गया है।

यह एशिया के सबसे ख़ूबसूरत वाइल्ड लाइफ रिजर्व्स में से एक है। मध्य प्रदेश में स्थित इस पार्क में कई लुप्तप्राय: प्रजातियों के जानवर भी पाए जाते हैं। यहां का

सनसैट प्वाइंट देखने लायक है। यहां भी आप चीतों को आज़ादी से घूमते हुए देख सकते हैं। यह करीब 1945 वर्ग किलोमीटर इलाके में फैला हुआ है। यहां साम्भर, चीतल, हिरण और काले हिरण भी देख सकते हैं। यहां गर्मियों के मौसम में तापमान बहुत बढ़ जाता है। कई बार तो यह 40 डिग्री से ज्यादा हो जाता है। सर्दियों में यहां मौसम अच्छा होता है और तापमान 11 से 24 डिग्री के बीच रहता है। यह पार्क जुलाई से 15 नवम्बर तक बंद रहता है।

जिम कोर्बेट नैशनल पार्क

जिम कोर्बेट नैशनल पार्क उत्तराखंड के नैनिताल, पौड़ी गड़वाल और बिजनौर जिलों में स्थित है। यह 1318.54 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। रिजर्व का सारा इलाका पहाड़ी है और शिवालिक व हिमालय भूविज्ञान क्षेत्र में पड़ता है। रिजर्व में गंगा की सहायक नदी रामगंगा पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है और ख़ूबसूरत कुदरती दृश्य बनाती है।

1947 में देश की आजादी के बाद इस पार्क का नाम रामगंगा नैशनल पार्क रख दिया गया, लेकिन 1956 में जिम कोर्बेट की याद में इसका नाम जिम कोर्बेट नैशनल पार्क रख दिया। इसमें फोरैस्ट रिजर्व के अलावा सोनानदी वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरी भी है। चीता और उसके कुदरती आवास को बचाने के लिए कोर्बेट नैशनल पार्क में 1973 में प्रोजैक्ट टाइगर शुरू किया गया।

हम बताएं, आप बनाएं

समुद्री लॉयन

कैलिफोर्निया के सी लॉयन गर्म वातावरण में रहते हैं और जब तापमान गिरता है, तो ये दक्षिण की ओर माइग्रेट कर जाते हैं। ये आमतौर पर पानी में ही रहते हैं, हालांकि ये लंबे समय तक जमीन पर भी रह सकते हैं।

सी लॉयन बहुत छोटी उम्र में ही तैरना सीख लेते हैं और पानी में खूब मस्ती करते हैं। इनका शरीर टॉरपेडो जैसा होता है, इससे ये आसानी से समुद्र में तेज़ गति से तैर सकते हैं और शार्क व व्हेल मछली से हमलों से बच सकते हैं। इनके दांत बहुत तीखे होते हैं, जिनसे ये आसानी से शिकार कर सकते हैं।

सी लॉयन का जीवनकाल 15-20 साल होता है। इनकी लंबाई 5-11 फुट तक हो सकती है। आमतौर पर नर सी लॉयन मादा से आकार में बड़ा होता है। मछली, ऑक्टोपस और स्किविड इनका प्रिय भोजन है।

वातावरण में बदलाव, समुद्र में तेल के रिसाव, मछेरे और कूड़ा-कर्कट के कारण सी लॉयन को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ये मछेरों के जाल में फंस जाते हैं, कूड़े-कर्कट और तेल के रिसाव के कारण इनका भोजन खराब हो जाता है, जिसे खाकर वे बीमार हो जाते हैं। इस तरह इनकी संख्या लगातार कम होती जा रही है।

रोशनी के रंगीन पर्दे

ध्रुवों पर रात के समय आसमान में बिखरी रंगों की छटा अनूठी दिखती है। इसे ओरोरा कहते हैं। यह नज़ारा देखने पर ऐसा लगता है मानो आसमान में रोशनी के रेशमी पर्दे लगा दिए हों...

पृथ्वी के ध्रुवों पर मार्च-अप्रैल और सितंबर-अ तूबर में कई बार रात के समय कुदरती रोशनी का एक बड़ा सुंदर नज़ारा देखने को मिलता है। गहरे काले आसमान में रंगों की छटा ऐसे छा जाती है, जैसे रंगीन पर्दे हवा में लहरा रहे हों। इन्हें ओरोरा कहते हैं। ओरोरा को उ ारी और दक्षिणी (ध्रुवीय) लाइट्स भी कहा जाता है। ओरोरा धरती से ऊपर 60 से 800 किलोमीटर की दूरी पर बनते हैं। ओरोरा सिर्फ़ पृथ्वी के ध्रुवों पर ही नहीं, बल्कि शुक्र, ब्रहस्पति और नैपच्यून के ध्रुवों पर भी नज़र आते हैं।

अलास्का में मान्यता थी

अलास्का के लोग सोचते थे कि यह रोशनी असल में उनके पुरखे हैं, जो स्वर्ग से यहां उन्हें देखने आते हैं। पर कई देशों में लोगों को ओरोरा के अलग- अलग रंगों से डर लगता था। रात के समय आसमान में छाई लाल रंग की रोशनी को देखकर कोई भी डर सकता है। रात में इन्हें देखकर लगता है जैसे सुबह का सूरज उगने को है। इसीलिए इन्हें 'ओरोरा' कहते हैं, जिसका अर्थ है सुबह।

तब दिखते हैं ओरोरा

जब सूरज पर बड़े धब्बे नजर आते हैं, जिन्हें सन स्पॉट कहते हैं, तो तेज सौर तूफान चलते हैं, तब ध्रुवों पर नजर आते हैं सुन्दर ओरोरा और चुम्बकीय क्षेत्र में लहलहाते हैं रंगीन पर्दे।

ऐसे बनते हैं ओरोरा

सोचने की बात यह है कि रात में दिखने वाले ये ओरोरा आखिर बनते कैसे है। आप जानते ही हैं कि धरती के आसपास वातावरण की परत मौजूद रहती है और वातावरण में अलग-अलग गैसें जैसे आक्सीजन, नाईट्रोजन, ऑर्गन आदि मौजूद हैं। दूर ऊपर धरती के ऐग्जोस्फीयर में चार्जित कण भी हलचल मचाते रहते हैं और धरती के आसपास चुम्बकीय क्षेत्र भी है।

सूरज से सौर पवन धरती की ओर बहती रहती हैं।

इस सौर पवन में भी चार्जित कण होते हैं। यह बहती पवन जब वातावरण में पहले से मौजूद गैसों के कणों से टकराती है, तो गर्मी और रोशनी पैदा होती है। बस यह रोशनी हमें दिखाई देती है, ओरोरा के रूप में। अलग-अलग गैसें अलग-अलग रंग देती हैं, जैसे नाईट्रोजन गैस हरा रंग।

ओरोरा के डिजाइन

ओरोरा का यह रंगबिरंगी रोशनियों का नजारा रात में कई घंटों तक चलता है। आसमान पर अलग- अलग रंगों के विभिन्न डिजाइन उभरते हैं। ओरोरा कभी अंधेरे में टॉर्च की रोशनी की बीम जैसा दिखाई देता है, तो कभी बल खाती लपटों जैसा।

उत्तरी ध्रुव के ओरोरा

उत्तरी ध्रुव में ओरोरा के इस इफैक्ट को ओरोरा बोरियालिस के नाम से जाना जाता है। यह नाम रोमन देवी के नाम पर रखा गया है। इन्हें नॉदर्न पोलर लाइट्स भी कहा जाता है, योंकि ये केवल उत्तरी ध्रुव से ही आसमान में देखी जा सकती हैं। उ ारी चुंबकीय ध्रुव के पास इन्हें देखने की संभावना बढ़ जाती है। उत्तरी ध्रुव के ओरोरा को

उत्तर में मौजूद देशों में देखा जा सकता है। यह क्षेत्र उत्तरी कनाडा के आर्कटिक आइलैंड में है। यहां हरी और कई बार हल्की लाल रंग की रोशनी दिखाई देती है। इन्हें देखकर ऐसा लगता है कि मानो सूरज गलत दिशा से आसमान में उदय हो रहा हो।

ओरोरा बोरियालिस आमतौर पर सितंबर से अक्तूबर और मार्च से अप्रैल के दौरान देखे जा सकते हैं। इतिहास में नॉदर्न लाइट्स के लिए कई नामों का इस्तेमाल किया गया है। क्री लोग इन्हें 'डांस ऑफ द स्पिरिट' यानी आत्माओं का नृत्य कहते थे।

दक्षिणी ध्रुव के ओरोरा

दक्षिणी ध्रुव के ओरोरा को ओरोरा आस्ट्रालिस कहते हैं। आस्ट्रालिस का अर्थ है- दक्षिण। कैप्टन कुक जब अंतरराष्ट्रीय समुद्री यात्रा पर निकले थे, तो 1773 में उन्होंने पहली बार दक्षिणी ध्रुव पर ओरोरा देखे थे। दक्षिणी ध्रुव पर दिखने वाले ओरोरा को दक्षिणी ध्रुवीय लाइट्स कहते हैं। ये बिलकुल उत्तर ध्रुवीय लाइट्स की तरह ही होते हैं, लेकिन इन्हें अंटार्कटिका, दक्षिणी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के ऊंचे दक्षिणी ध्रुवों से देखा जा सकता है।

>> दिमाग की बज़ी

उल्टी है घड़ी

एक दिन राजू स्कूल जाने के लिए सुबह घर से निकलता है। घर से निकलते समय वह आईने में घड़ी देखता है। घड़ी में नंबर लिखे हुए नहीं हैं, इसलिए उसे समय जानने में ग़लती लग जाती है (मिरर इमेज)। राजू को लगता है कि घड़ी जरूर खराब हो गई है, इसलिए वह तेजी से साइकिल चलाते हुए स्कूल पहुंचता है, जहां पहुंचने में उसे 20 मिनट का समय लगता है। उस समय स्कूल की घड़ी जो वक्त दिखा रही होती है, वो उस समय से अढ़ाई घंटे ज्यादा होता है, जो उसने घर पर आईने में देखा था। क्या आप बता सकते हैं कि राजू कितने बजे स्कूल पहुंचा था?

उत्तर: सात बजकर पैंतालीस मिनट पर।

हाइकिंग पर निकला युवक दस दिनों तक बर्फीले पहाड़ों में भटका

बीजिंग, 01 मार्च (एजेंसियां)।

हाईकिंग के दौरान एक युवक पहाड़ों पर इस तरीके से फंसा की बात उसकी जान तक पर बन गई। हालांकि यहां उसकी किस्मत साथ दे गई और उसने अपनी सूझ-बूझ से अपनी जान को बचा लिया। ये कहानी जब दुनिया के सामने आई तो हर कोई हैरान रह गया।

ये हैरान करने वाला मामला चीन से सामने आया है। यहां एक सन नाम का 18 साल का लड़का चीन के ठंडे नॉर्थ-ईस्ट पहाड़ी इलाके में हाइकिंग के लिए चला गया और अचानक फिर कुछ ऐसा हुआ कि वो गायब हो गया। जिसके बाद उसने अपने जीवन बचाने के लिए लियांग नदी के पानी का सहारा और अपने पास रखे टूथपेस्ट के सहारे अपने जीवन को बचा लिया! जानकारी के मुताबिक 8 फरवरी को अकेले हाइकिंग पर निकल जाता है। जिसकी शुरुआत वो, क्विनलिंग से करता है, जो शानक्सी प्रांत में एक प्रमुख ईस्ट-वेस्ट माउंटेन रेंज है। अगर इस पहाड़ की औसतन ऊंचाई की बात की जाए तो ये ढाई हजार मीटर ऊंचा हैं। जो दुनिया में अपनी वाइल्डलाइउ और ऊंचे-ऊंचे पेड़ों के लिए जाना जाता है। अब होता कुछ यूं है कि सन जब यहां के सफर पर चलता है तो उसके इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की बैटरी खत्म हो जाती है, जिसके चलते वह अपने परिवार वालों से संपर्क नहीं कर पाता और उसके परिवारवाले मान लेते हैं कि वो खो गया है। हालांकि ऐसा होता कुछ नहीं है, युवक ने बताया कि हाइकिंग के दौरान वह एक खाड़ी के किनारे की ओर चलते हुए, कई बार गिरता है और इससे मेरे दाहिने हाथ की हड्डी फ्रैक्चर हो जाती है। इस हालत में खुद को बचाने के लिए वो एक बड़ी चट्टान के पीछे रुकने का फैसला करता है और अपने लिए सूखे भूसे और पत्तियों की मदद से बिस्तर तैयार करता है। इसकी खबर मेरी फैमली को नहीं थी, जिस कारण उन्हें काफी ज्यादा टेंशन होने लगी। जिसके बाद मेरे परिवार ने स्थानीय सर्च और रेस्क्यू टीम से संपर्क कर, अपने बेटे को बचाने की अपील की, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने सन को 17 फरवरी को ढूंढ निकाला और उसे सफलतापूर्वक बचा लिया गया और उसके बाद मैं अपने परिवार से वापस मिल पाया। बता दें कि हाईकिंग एक केवल एक खेल नहीं है बल्कि एक तरह का शौक है, जिसे हर उम्र के लोग रखते हैं। हालांकि कई बार इसको लेकर ऐसी घटनाएं देखी जाती है। जिसकी किसी ने कभी उम्मीद भी नहीं की हो!

न्यूज ब्रीफ

कुर्दों के सबसे बड़े संगठन ने हथियार डाले, तुर्किये में थम सकती है 40 साल पुरानी जंग

अंकारा। तुर्किये में कुर्दों के अलगाववादी आतंकी संगठन कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी ने 40 साल बाद अपने हथियार डाल दिए हैं। जेल में बंद पार्टी नेता अब्दुल्लाह ओकलान ने संगठन के सदस्यों से कहा है कि वे तुर्किये के खिलाफ अपनी जंग को खत्म कर दें और संगठन को भंग कर दें। 1978 में बने इस संगठन की मांग थी कि उन्हें तुर्किये से अलग करके कुर्दिस्तान बनाया जाए, या फिर तुर्किये के अंदर कुर्दों को पहले से ज्यादा अधिकार दिए जाएं। इस मांग के साथ संगठन ने 1984 में तुर्किये सरकार के खिलाफ जंग छेड़ी थी। इस जंग में अब तक 40 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इसके चलते तुर्किये, अमेरिका और यूरोपीय संघ इस संगठन को आतंकी घोषित कर चुके हैं। संगठन के नेता अब्दुल्लाह ओकलान को 1विनोद उपाध्याय / 28 फरवरी, 2025 में तुर्की की स्पेशल फोर्स ने केन्या में पकड़ा था। तब से उसे इस्तांबुल की एक जेल में कैद रखा गया है, जहां वह उम्रकैद की सजा काट रहा है।

तालिबान बनाने वाले मौलाना हक्कानी के बेटे की हत्या

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में रमजान से एक दिन पहले शुक्रवार को जामिया हक्कानिया मदरसा में बम विस्फोट हुआ। यह हमला तालिबान के गॉडफादर के बेटे हमीदुल हक हक्कानी को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में उसकी मौत हो गई है। इसके अलावा 4 और लोग भी मारे गए हैं। हादसा खैबर पख्तूनख्वा राज्य के अकोरा खट्टक जिले में हुआ। स्थानीय पुलिस अधिकारी अब्दुल राशिद ने बताया कि बम हादसे में 20 लोग घायल हुए हैं। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। अब तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

इजराइली सेना की एक जांच रिपोर्ट में खुलासा- हमास की ताकत को कम आंका गया

तेल अवीव। इजराइली सेना की एक जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 7 अक्टूबर 2023 का आतंकी हमला उसके गलत आकलन की वजह से हुआ था। इजराइली सेना ने फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास की क्षमताओं को कम करके आंका था। यह उसकी नाकामी थी। इस रिपोर्ट के बाद माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर हमले से पहले किए गए राजनीतिक फैसले की जांच के लिए दबाव बनेगा। दरअसल 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजराइल में बॉर्डर एरिया पर एक म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान हमला किया था। इस हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे, जबकि 251 को बंधक बना लिया गया था। हमास ने इसे अल-अक्सा फ्लड ऑपरेशन नाम दिया था। इसके जवाब में इजराइल ने कुछ घंटे बाद हमास के खिलाफ सोर्ड्स ऑफ आयरन ऑपरेशन शुरू किया था। हमास के पास थे हमले के लिए 60 से ज्यादा रास्ते सेना का आकलन था कि हमास सिर्फ गाजा पर रूल करना चाहता है, इजराइली सेना से लड़ना उसका प्रमुख मकसद नहीं था। सेना ने हमास की क्षमताओं का गलत आकलन किया। सेना के अधिकारियों का अनुमान था कि सबसे खराब हालात में भी हमास सिर्फ 8 इलाकों से जमीनी हमला कर सकता है। इसके उलट हमास के पास हमले के लिए 60 से ज्यादा रास्ते थे। 7 अक्टूबर 2023 से भी पहले हमास तीन मौकों पर हमला करने के लिए तैयार था, लेकिन अलग-अलग वजहों से इसमें देरी हो गई। हमले से कुछ घंटे पहले ही इस बात के संकेत मिल गए थे कि कुछ गड़बड़ है। हमास लड़ाकों ने अपने फोन इजराइली नेटवर्क पर स्विच कर लिए थे। 2017 से ही बन रहा था हमले का प्लान इजराइली सैन्य अधिकारी का कहना है कि खुफिया जानकारी से पता चला है कि 7 अक्टूबर के हमले के मास्टरमाइंड याह्या सिनवार (जो पिछले अक्टूबर में मारा गया) ने 2017 से ही हमले का प्लान बनाना शुरू कर दिया था। रिपोर्ट में बताया गया है इजराइली सेना का अति आत्मविश्वास और पहले तय धारणाओं में बहुत ज्यादा भरोसा हमले के लिए जिम्मेदार है।

ट्रंप का गोल्ड कार्ड, 5 मिलियन खर्च कर मिलेगी अमेरिकी नागरिकता

वाशिंगटन, 01 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक के बाद एक चौंकाने वाले फैसले ले रहे हैं। अब खबर आ रही है कि ट्रंप प्रशासन जल्द ही गोल्ड कार्ड योजना शुरू करने जा रही है। यह योजना ग्रीन कार्ड की तर्ज पर होगी लेकिन इससे अतिरिक्त लाभ भी मिलेगा। इससे अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के भी रास्ते खुलेंगे। ट्रंप ने कहा है कि हम जल्द ही गोल्ड कार्ड बेचने जा रहे हैं। यह ग्रीन कार्ड की तरह ही होगा। इसकी कीमत पांच मिलियन डॉलर होगी। इस कार्ड के जरिए आपको ग्रीन कार्ड की सुविधाओं के समान ही लाभ मिलेंगे लेकिन कुछ अतिरिक्त लाभ भी होंगे। ट्रंप ने कहा कि यह योजना अगले दो हफ्ते में शुरू हो जाएगी और इसके लिए संसद की मंजूरी की भी जरूरत नहीं है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या इस गोल्ड कार्ड के जरिए रूस के दौलतमंद अरबपति भी अमेरिका की नागरिकता हासिल कर सकते हैं तो इस पर ट्रंप ने कहा संभावित रूप से। ट्रंप ने कहा कि वह कुछ रूसी अरबपतियों को जानते हैं, जो बहुत अच्छे हैं। वह गोल्ड कार्ड को हासिल कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि इससे वह अमीर बनेंगे और सफल होंगे, लेकिन उन्हें बहुत पैसा खर्च करना होगा और बहुत सारा टैक्स भी भरना होगा। ये योजना बहुत कारगर साबित होगी। बता दें कि ट्रंप के इस नए गोल्ड कार्ड को पांच मिलियन डॉलर यानी 50 लाख डॉलर की धनराशि में हासिल किया जा सकता है। भारतीय रुपए में यह रकम 43 करोड़ के आसपास है। ट्रंप प्रशासन में वाणिज्य मंत्री ने बताया कि गोल्ड कार्ड दरअसल एक तरह का ग्रीन कार्ड ही होगा। ट्रंप की यह नई गोल्ड कार्ड योजना मौजूदा ईबी-5 योजना की जगह लेगी। इसके जरिए प्रवासी निवेशक अमेरिकी कारोबार में निवेश के जरिए ग्रीन कार्ड हासिल कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि गोल्ड कार्ड से मिलने वाले धन सीधे सरकार के पास जाएगा। पांच मिलियन डॉलर का भुगतान कर यह गोल्ड कार्ड हासिल किया जा सकेगा। अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है।

भारतीय पेशेवरों व कुशल श्रमिकों पर प्रभाव – गोल्ड कार्ड वीजा अमीर निवेशकों के लिए अमरीका की नागरिकता पाने का एक तेज रास्ता है, लेकिन इसका लाभ केवल उच्च-नेटवर्थ व्यक्तियों को ही मिलेगा।

ट्रंप ने दो टूक कह दिया, नाटो में शामिल नहीं होगा यूक्रेन

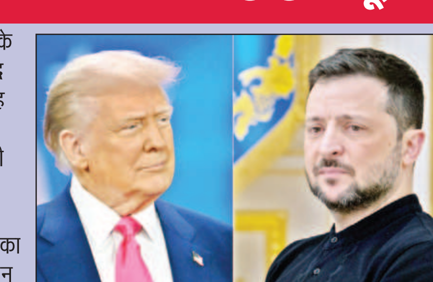

वाशिंगटन। रूस-यूक्रेन युद्ध को 3 साल पूरे हो चुके हैं। 24 फरवरी, 2022 को दोनों देशों के बीच युद्ध शुरू हुआ था, जो अभी भी जारी है। युद्ध की वजह से यूक्रेन में जान-माल का काफी नुकसान हुए हैं और कई शहर तबाह हो चुके हैं। रूसी सेना के भी कई सैनिक युद्ध में मारे जा चुके हैं। दोनों देशों में युद्ध शुरू होने की मुख्य वजह यूक्रेन की नाटो में शामिल होने की इच्छा थी। दरअसल यूक्रेन, नाटो का सदस्य बनना चाहता था, जबकि रूस नोटा में यूक्रेन के शामिल होने के खिलाफ था, क्योंकि रूस और यूक्रेन की बॉर्डर एक-दूसरे से लगती है। इसकारण रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया था और दोनों देशों के बीच अभी भी युद्ध जारी है। अब यूक्रेन के नाटो में शामिल होने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दे दिया है। यूके के पीएम कीर स्टार्मर इनदिनों अमेरिका दौरे पर हैं। इस दौरान वॉशिंगटन डी.सी. में राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस में स्टार्मर की ट्रंप से मुलाकात हुई। इस दौरान ट्रंप ने यूक्रेन के नाटो में शामिल होने के मुद्दे पर दो टूक कह दिया कि यूक्रेन नाटो का हिस्सा नहीं बनेगा। ट्रंप ने साफ किया कि नाटो में शामिल होने की यूक्रेन की इच्छा की वजह से है यह युद्ध शुरू हुआ था। इसके बाद यूक्रेन, नाटो की सदस्यता के बारे में भूल जाए है, क्योंकि ऐसा नहीं होगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेन्स्की भी अमेरिका दौरे पर हैं। शुक्रवार को उनकी व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात होगी। ज़ेलेन्स्की कई मौकों पर कह चुके हैं कि यूक्रेन का नाटो में शामिल होना जरुरी है। इसके बाद ज़ेलेन्स्की से मुलाकात से एक दिन पहले ही ट्रंप ने बड़ा बयान देकर यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की अटकलों पर विराम लगा दिया है।

इस बार इस्लामिक देश मोरक्को में नहीं की जाएगी कुर्बानी

मोरक्को, 01 मार्च (एजेंसियां)।

सूखे के चलते राजा ने अपने देश के लोगों से किया आग्रह

इस्लामिक देश मोरक्को के राजा मोहम्मद-6 ने अपने देश के लोगों से आग्रह किया है कि वह इस साल ईद-उल-अजहा यानी बकरा ईद के मौके पर कुर्बानी की रस्म न अदा करें। मोरक्को में बकरा ईद पर भेड़ों समेत कई जानवरों की कुर्बानी की जाती है। राजा मोहम्मद ने कहा है कि देश में भेड़ों की संख्या में भारी गिरावट आ गई है इसलिए इस साल भेड़ों की कुर्बानी न दी जाए।

मोरक्को पिछले सात सालों से सूखे का सामना कर रहा है जिससे भेड़ों की संख्या कम हो गई है। ईद-उल-अजहा का त्योहार जून में पैगंबर इब्राहिम अलैहिससलाम के बेटे इस्माइल की याद में मनाया जाता है। माना जाता है कि पैगंबर इब्राहिम ने अल्लाह के आदेश पर अपने बेटे की कुर्बानी दी थी। तभी से ईद-उल-अजहा (बकरा ईद) का त्योहार मनाया जाने लगा। ईद-उल-अजहा के दिन मुसलमान भेड़ या दूसरे जानवरों की बलि देते हैं और फिर उसके मांस यानी गोश्त के तीन हिस्से कर परिवार के साथ ही गरीबों को भी दान में दिया जाता है। आंकड़ों के मुताबिक एक दशक में भेड़ों की संख्या में 38 फीसदी की गिरावट आई है क्योंकि सूखे की वजह से चारा नहीं मिल पा रहा है और भेड़ों को पर्याप्त खाना नहीं मिल पा रहा। इसकी वजह से मोरक्को में मांस के दाम भी बहुत बढ़ गए हैं। सरकार ने भेड़ों की कमी को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया से भेड़े आयात की हैं। राजा मोहम्मद का आदेश सरकारी टीवी पर सुनाते हुए मोरक्को के धार्मिक मंत्री अहमद तौफीक ने कहा कि इन मुश्किल हालातों में कुर्बानी की रस्म निभाना हमारे लोगों को नुकसान पहुंचाएगा। राजा मोहम्मद ने अपने आदेश में कहा कि धर्म का पालन करने के साथ-साथ देश के सामने आने वाली जलवायु चुनौतियों के बारे में सोचना भी हमारा कर्तव्य है। इससे पहले भी मोरक्को ने भयंकर सूखा देखा है जिसकी वजह से भेड़ों की संख्या कम हो गई थी। 1966 में ऐसा ही हुआ था जब लंबे सूखे के कारण देश में भेड़ों की मौत होने लगी थीं। तब राजा मोहम्मद के पिता हसन-2 ने अपने देश के लोगों से इसी तरह की एक अपील की थी। मोरक्को में पिछले तीन दशकों के औसत की तुलना में इस साल बारिश में 53 फीसदी की कमी आई है।

बेकाबू रोबोट ने भीड़ पर किया हमला

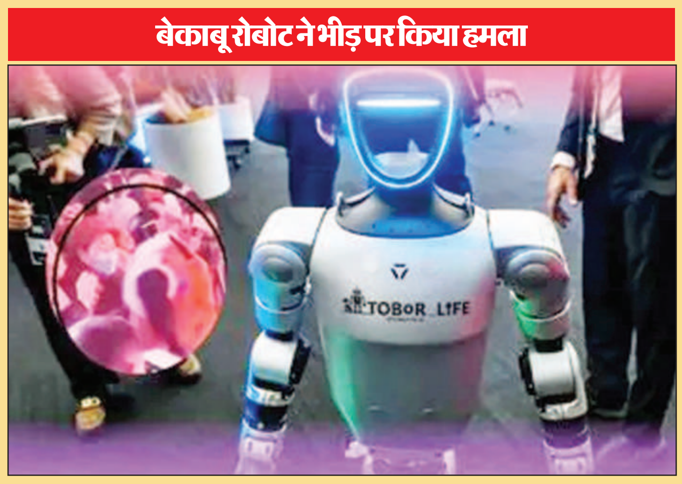

चीन के तियानजिन में हालिया आयोजित हुए स्प्रिंग फेस्टिवल गाला के दौरान एक मानव रोबोट ने बेकाबू होकर भीड़ पर हमला कर दिया। इस चौंकाने वाली घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। रोबोट को चमकीले जैकेट में देखा जा सकता है। इससे पहले कोई अप्रिय घटना होती, सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप किया और रोबोट को भीड़ से दूर खींच लिया, जिससे वहां मौजूद लोग बच गए। इस घटना के सामने आने के बाद लोगों में एआई रोबोट को लेकर असुरक्षा का भय पैदा हो गया है।

हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार और हिंसा के डेमोक्रेसी इंडेक्स में औंधेमुंह गिरा बांग्लादेश

ढाका, 02 मार्च (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में 2024 के जून-जुलाई से जो राजनीतिक अस्थिरता शुरू हुई है, वहां अभी खत्म नहीं हुई है। शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद मुल्क में नोबल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी, लेकिन इसके बाद भी बांग्लादेश में बड़े स्तर पर अराजकता हुई। हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार, हिंसा ने बांग्लादेश की छवि वैश्विक स्तर पर खराब कर दी है। डेमोक्रेसी इंडेक्स 2024 की रिपोर्ट आई है, इस रिपोर्ट में बांग्लादेश 167 देशों में 100वें नंबर आया है। जो 2023 के मुकाबले 25 अंक गिरा है।

रिपोर्ट ने बांग्लादेश के खराब प्रदर्शन का कारण बांग्लादेश में चुनाव में कथित धांधली और छात्रों के जबरदस्त आंदोलन के बाद शेख हसीना को प्रधानमंत्री से हटाया जाना माना है। रिपोर्ट में बताया गया कि जनवरी 2024 में हुए आम चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी (शेख हसीना की पार्टी) पर विपक्षी दलों ने कथित तौर पर धांधली के आरोप लगाए गए थे। इसके अलावा 2024 के जून-जुलाई में नौकरी में आरक्षण के मुद्दे पर छात्रों में जो अशांति फैली और इसकारण विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके बाद पूरे विश्व में बांग्लादेश की छवि को काला धब्बा लग गया था। सिर्फ इतना ही नहीं 5 अगस्त को तख्तापलट के बाद हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर भागना पड़ा था। इसकारण इस लोकतंत्र सूचकांक में 0-10 के पैमाने पर 1.44 अंक की गिरावट आई है।

बता दें कि डमोक्रेसी इंडेक्स 2024 में भारत की रैंक 167 देशों में 41वीं रही है। पाकिस्तान की 124वीं, भूटान की 79वीं, नेपाल की 96वीं रैंक है। वहीं अफगानिस्तान रिपोर्ट में सबसे निचले 167वें पायदान पर है। रिपोर्ट के निदेशक ने कहा कि दुनिया के लोकतंत्र संघर्ष कर रहे हैं। इसमें अब बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं। डेमोक्रेसी इंडेक्स की रिपोर्ट प्रकाशित करने वाली यूनिट के मुताबिक रिपोर्ट को तैयार करने के लिए मुख्य तौर पर 60 संकेतकों पर ध्यान दिया जाता है। इन्हें भी 5 भागों में बांटा गया है- चुनावी प्रक्रिया, सरकार का कामकाज, राजनीतिक भागीदारी, राजनीतिक संस्कृति और नागरिकों की आजादी।

पाक के खैबर पख्तूनख्वा में विस्फोट के बाद सुरक्षा बलों ने वजीरस्तान में छह आतंकवादियों को मार गिराया

इस्लामाबाद, 01 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 24 घंटे पहले हुए आत्मघाती बम विस्फोट ने हुकूमत का चैन छीन लिया। रमजान शुरू होने से पहले पड़े आखिरी शुक्रवार की नमाज में हिस्सा लेने वाले निर्दोष नागरिकों के मारे जाने से गम में डूबा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के नौशेरा जिले के अकोरा खट्टक शहर के दारुल उलूम हक्कानिया मदरसा का जर्रा-जर्रा गुस्साया हुआ है। हर आंख पथराई है।

सात लोगों की मौत और 17 नमाजियों के जख्मी होने के सदमे में डूबे मुल्क के सुरक्षाबलों ने इस दौरान उत्तरी वजीरस्तान में छह नामी आतंकवादियों को घेरकर मार गिराया।

सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को उत्तरी वजीरिस्तान में छह आतंकवादियों (ख्वारिज) को मार गिराया। आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों ने उत्तरी वजीरिस्तान जिले के सामान्य क्षेत्र गुलाम खान कलाय में अभियान चलाकर इलाके को घेर लिया। इसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग कर छह ख्वारिज को मार डाला। आतंकवादी यहां एक गुफा में छुपे थे।

उनके ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इस सफलता के लिए सुरक्षा बलों को बधाई दी है। प्रधानमंत्री शरीफ ने साथ ही दारुल उलूम हक्कानिया मदरसा बम कांड की कड़ी निंदा की है।

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, कौमी वतन पार्टी के अध्यक्ष आफताब अहमद खान शेरपाओ, जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल (जेयूआईएफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान, जमात-ए-इस्लामी (जेआई) खैबर-पख्तूनख्वा (मध्य) के अध्यक्ष अब्दुल वसी, सीनेटर मौलाना अताउर रहमान, महासचिव मौलाना अताउल हक दरवेश, सूचना सचिव अब्दुल जलील जान, पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ, नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब खान, गृहमंत्री मोहसिन नकवी और मजलिस वहदतुल, सीनेटर अल्लामा राजा नासिर अब्बास जाफरी ने भी अकोरा खट्टक में हुए आत्मघाती बम विस्फोट की कड़े शब्दों में निंदा की है।

अकोरा खट्टक शहर की दारुल उलूम हक्कानिया मदरसा परिसर की मस्जिद में हुए आत्मघाती बम विस्फोट में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम समीउल हक (जेयूआई-एस) के नेता मौलाना हामिद उल हक हक्कानी भी मारे गए हैं। हामिद मदरसा के उप प्रशासक भी थे। सात मृतकों में से दो की पहचान नहीं हो पाई है।

अफसरों का कहना है कि विस्फोट इतना तीव्र था कि इसकी आवाज नौशेरा छावनी और जहांगीरा टाउन तक सुनी गई।मौलाना हामिद के अंतिम संस्कार की नमाज (शनिवार) सुबह 11 बजे दारुल उलूम हक्कानिया में होगी। उन्हें उनके दिवंगत पिता की मजार के बगल में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि कथित आत्मघाती हमलावर का कटा हुआ सिर बरामद हुआ है। प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने इसे वारदात को इस्लाम और पाकिस्तान के प्रति शत्रुतापूर्ण ताकतों की साजिश करार दिया है।

अ.भा. गोल्डकप फुटबॉल स्पर्धा : एस.एफ बायज ने किया बड़ा उलटफेर

इन्दौर, 01 मार्च (एजेंसियां) । सेन्ट्रल जिमखाना क्लब की मेजबानी में खेली जा रही प्रकाश सोनकर व सुरेश ऐरन स्मृति मोयरा अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल स्पर्धा का पहला चरण अंतिम व रोमांचक दौर में पंहुच गया है। यंग आदिवासी, डे बोर्डिंग सांईधाम युनाईटेड महू व आदिवासी-ए ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य दौर में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है वही आज एस.एफ. बायज ने सशक्त इन्दौर स्पोर्ट्स क्लब को मात देकर इस स्पर्धा का सबसे बड़ा उलटफेर किया है।

यंग आदिवासी, डे बोर्डिंग व आदिवासी-ए मुख्य दौर में

स्पर्धा संयोजक भारत मथुरावाला ने बताया की नेहरू स्टेडियम के मैदान पर मोयरा सरिया, खेल विभाग व नगर पालिक निगम इन्दौर के सहयोग से खेली जा रही इस स्पर्धा में शुक्रवार को पहला मुकाबला मालवा युनाईट के मध्य खेला गया। उच्च स्तर के खेल के बावजुद दोनो टीमें निर्धारित समय तक गोल करने में नाकाम रही। नतीजे के लिए टाईब्रेकर का सहारा लेना पड़ा, जिसमें मालवा युनाईटेड की टीम 5-4 से विजयी रही।

दूसरा मुकाबला शहर की चैंपियन टीम इन्दौर स्पोर्ट्स क्लब व एस.एफ. बायज के मध्य खेला गया। मैच के दसवें मिनट में ही अक्षय कौशल ने गोल दाग कर इन्दौर स्पोर्ट्स को 1-0 से आगे कर दिया। दुसरा हाफ में एस.एफ. बायज ने पलटवार करते हुए कई शानदार मूव बनाए और उन्हें सफलता 50 वे मिनट में मिली जब गेंद तीन बार गोल पोस्ट से टकराकर वापस आ गई लेकिन चैथे प्रयास में महेन्द्र ने गोल दागकर मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। निर्धारित समय तक यही स्कोर रहा। टाईब्रेकर में भी एस.एफ. बायज के गोलकीपर ने सुन्दर बचाव करते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिला दी, बल्कि एक धमाकेदार उलटफेर भी कर दिया।

तीसरा व अंतिम मुकाबला भी चेलेन्जर युनाईटेड इन्दौर व साईधाम युनाईटेड महू के मध्य रोचक अंदाज में खेला गया। ऐसा लग रहा था कि इस मैच का फैसला भी टाईब्रेकर से होगा, लेकिन मैच के अंतिम क्षणो में जॉय ने सुन्दर मैदानी गोल दागकर सांईधाम युनाईटेड को 1-0 से जीत दिला दी।

न्यूज ब्रीफ

प्राग मास्टर्स: प्रज्ञानानंद ने दाई वैन को हराकर दर्ज की पहली जीत

प्राग। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शुक्रवार को प्राग मास्टर्स के तीसरे दौर में चेक गणराज्य के गुयेन थाई दाई वान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। यह जीत उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण रही, क्योंकि पहले दो राउंड में उन्हें ड्रॉ से संतोष करना पड़ा था। खेल निम्ज़ो-भारतीय रक्षा से शुरू हुआ, जिसमें प्रज्ञानानंद ने रणनीतिक बढ़त बनाई। 14वीं चाल में ही उन्हें निर्णायक बढ़त मिल गई, जिसके बाद उन्होंने आसानी से मैच पर नियंत्रण स्थापित कर लिया। हालांकि, बीच के कुछ क्षणों में थोड़े उतार-चढ़ाव आए, लेकिन परिणाम पर कोई संदेह नहीं था। मध्य खेल में दाई वान रक्षात्मक स्थिति में थे, बावजूद इसके कि उनके पास अतिरिक्त मोहरा था। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने सूझबूझ और सटीकता से खेलते हुए स्थिति को अपने पक्ष में कर लिया। उन्होंने मामूली पीस के बदले रूक प्राप्त किया और अंतत: तकनीकी उत्कृष्टता से जीत सुनिश्चित की। मैच के बाद अपने प्रदर्शन पर बोलते हुए प्रज्ञानानंद ने कहा, पहले राउंड में कुछ खास नहीं था, मेरी स्थिति अच्छी थी। लेकिन आज की जीत मेरे लिए महत्वपूर्ण थी और इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। इस जीत के साथ प्रज्ञानानंद टूर्नामेंट में मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं और खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

जर्मन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची ध्रुव कपिला, तनीषा क्रैस्टो की जोड़ी मुलहेम एन डेर रूहर

मुम्बई। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने शुक्रवार को यहां चीन के गाओ जिया झुआन और वू मेंग यिंग को सीधे सेटों में हराकर जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 21-14, 21-17 से जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी का अंतिम चार में मुकाबला इंडोनेशिया के रेहान नौफल कुशर्जंतो और ग्लोरिया एमानुएल विदजाजा से होगा। रक्षिता श्री संतोष रामराज डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ड से 12-21, 12-21 से हारकर महिला एकल क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गईं। थारुण मन्नेपल्ली भी पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में टोमा जूनियर पोपोव से 16-21, 21-17, 21-8 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

सरफराज को जून में मिल सकता है टेस्ट खेलने का अवसर

नई दिल्ली । घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने वाले सरफराज खान को जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से एक बार फिर अवसर मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी टेस्ट मैच में खेलने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह चोटिल हो गए थे। इसके बाद वह घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेल पाये। भारतीय टीम को अब टेस्ट क्रिकेट जून में खेलना है। तब टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जहां उसे मेजबानों के साथ 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले साल नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में खेला था। उन्होंने अभी तक भारत के लिए केवल एक टेस्ट में डेब्यू किया है। ऐसे में अब वह तभी भारतीय टीम में नजर आ सकते हैं। सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड है। उन्हें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। सरफराज ने अब तक 6 टेस्ट खेले हैं जिसमें उन्होंने 371 रन बनाए हैं ।

आखिरी लीग मैच में भी शर्मसार हुआ इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका ने की सेमीफाइनल में धमाकेदार एंट्री

कराची, 01 मार्च (एजेंसियां) । आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के 11वें मुकाबले में साउथ अफ्रीका की टीम ने इंग्लैंड को 7 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका की टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। सिर्फ इतना ही नहीं, बेहतर रन रेट के साथ साउथ अफ्रीकी टीम ग्रुप बी में टॉप पर रही। वहीं इंग्लैंड की टीम बिना कोई मैच जीते हुए चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सफर का अंत का किया है।

इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 179 रन का स्कोर खड़ा किया था। मुकाबले में इंग्लैंड की बल्लेबाजी बुरी तरह से फ्लॉप रही। वहीं इसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम ने 29.1 ओवर में सिर्फ 3 विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। इस तरह अब आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल के लिए तस्वीर साफ हो गई है। चैंपियंस ट्रॉफी का आखिरी लीग मैच अब भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मार्च को दुबई में खेला जाएगा।इंग्लैंड के खिलाफ इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका की बल्लेबाजी में शुरुआत कुछ खास नहीं रही। टीम ने सिर्फ 11 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया। पहले विकेट के बाद साउथ अफ्रीकी टीम थोड़ी देर के लिए दवाब में जरूर आई, लेकिन इसके बाद हेनरी क्लासेन ने और रासी वेन डर डुसेन मोर्चा संभालते हुए साउथ अफ्रीकी टीम को एकतरफा जीत दिला दी। हालांकि, क्लासेन टीम के लिए विजयी रन नहीं बना सके और लक्ष्य को हासिल करने से ठीक पहले आउट हो गए। क्लासेन ने 56 गेंद में 64 रनों की पारी खेली।क्लासेन के अलावा साउथ अफ्रीका की तरफ से डुसेन ने 87 गेंद 72 रनों की पारी खेली। अपनी इस पारी में डुसेन ने 6 चौके और 3 छक्के भी लगाए। इसके अलावा रियान रिकेल्टन ने टीम के लिए 27 रनों का योगदान दिया जबकि चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला मैच खेलने उतरे ट्रिस्टन स्टब्स बिना खाता खोले ही पवेलियन वापस लौट गए। हालांकि, इंग्लैंड के गेंदबाजों ने साउथ अफ्रीका के मिडिल ऑर्डर बैटिंग को ज्यादा परेशान नहीं किया, जिसके कारण टीम ने आसानी से मैच को अपने नाम कर लिया।साउथ अफ्रीका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन (39 रन देकर तीन विकेट) ने नई गेंद से तीन महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर कमाल कर दिया। मध्य के ओवरों में वियान मुल्डर (25 रन देकर तीन विकेट) और केशव महाराज (35 रन देकर दो विकेट) ने दबाव बनाया। इंग्लैंड के वनडे कप्तान के रूप में अपने अंतिम मैच में जोस बटलर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लेकिन यह दाव उल्टा पड़ गया क्योंकि यानसेन ने शुरुआत में ही कहर बरपा दिया जिससे सातवें ओवर तक इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 37 रन हो गया।ओपनर बल्लेबाज फिल साल्ट (08) ने यानसेन की उछाल लेती गेंद पर बल्ला छुआ दिया और पवेलियन लौट गए जबकि जेमी स्मिथ (शून्य) शॉर्ट बॉल को समझने में विफल रहे। इसके बाद बेन डकेट (24) यानसेन को उनकी ही गेंद पर कैच थमा बैठे। इससे इंग्लैंड का शीर्ष क्रम चरमरा गया। हैरी ब्रुक (19) और जो रूट (37) ने 62 रन की साझेदारी करके वापसी की कोशिश की। लेकिन जब यह साझेदारी मजबूत होती दिख रही थी तभी दक्षिण अफ्रीका ने लगातार दो विकेट झटक लिए। महाराज की गेंद पर ब्रुक बड़ा शॉट लगाने की कोशिश की लेकिन डीप में यानसेन को शानदार कैच लपक लिया। वहीं रूट को मुल्डर ने बोल्ड किया।इंग्लैंड की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब लियाम लिविंगस्टन (09) और जेमी ओवरटन (11) भी जल्दी ही आउट हो गए जिससे 26वें ओवर में टीम का स्कोर सात विकेट पर 129 रन हो गया। बटलर (21) और जोफ्रा आर्चर (25) ने 42 रन की साझेदारी करके स्कोर को कुछ सम्मानजनक बनाया। लेकिन मुल्डर ने आर्चर को आउट कर दिया और फिर इंग्लैंड के कप्तान भी लुंगी एनगिडी ने धीमी गेंद पर आउट हो गए।

विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की प्रारंभिक टीम में शामिल हुए नेमार

रियो डी जेनेरियो, 01 मार्च (एजेंसियां) ।

नेमार को कोलंबिया और अर्जेंटीना के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है। ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने अक्टूबर 2023 में मोंटेवीडियो में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान अपने बाएं घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट के फटने के बाद से अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

लंबी रिकवरी प्रक्रिया के बाद, नेमार ने जनवरी में अल-हिलाल से बचपन के क्लब सैंटोस में शामिल होने के बाद से अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म की झलक दिखाई है।

ब्राजील के मैनेजर डोरिवल जूनियर ने रियल बेटिस के विंगर एंटनी, किशोर रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड एंड्रिक और एटलेटिको मैड्रिड के सैमुअल लिनो को भी टीम में शामिल किया है, जबकि अनुभवी मिडफील्डर ऑस्कर और साओ पाउलो के साथी लुकास मौरा को भी टीम में शामिल किया है।

जैसा कि अपेक्षित था, 52 सदस्यीय सूची में रियल मैड्रिड के हमलावर विनीसियस जूनियर और रोड्रिगो, न्यूकैसल के प्रवर्तक ब्रूनो गुइमारेस और बार्सिलोना के विंगर राफिन्हा शामिल हैं।

ब्राजील 20 मार्च को ब्रासीलिया में कोलंबिया से और पांच दिन बाद ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना से भिड़ेगा।

पांच बार का विश्व चैंपियन ब्राजील वर्तमान में 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी समूह में 12 क्वालीफायर से 18 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जो लीडर अर्जेंटीना से सात अंक पीछे है।

डोरिवल द्वारा अगले सप्ताह मैचों के लिए अंतिम 23 सदस्यीय टीम की घोषणा करने की उम्मीद है।

गैलेक्सी कप फाइनल में भारत ने संयुक्त राज्य अमेरिका को 17-7 से हराया। जी. सुधीर बाबू (आईपीएस) कमिश्नर राचकोंडा ने विजेता ट्रॉफी विजेता टीम को प्रदान की। अर्सलान खान ने विश्व एरिना पोलो चैंपियनशिप में यूएसए के खिलाफ बड़े अंतर से अपना सबसे ज्यादपा आठ गोल बनाये।

एचपीआरसी अजीजनगर, मोइनाबाद मंडल में आयोजित विश्व एरिना पोलो चैंपियनशिप में, जी. सुधीर बाबू (आईपीएस) कमिश्नर राचकोंडा ने अंतर्राष्ट्रीय महिला पोलो चैलेंज की विजेता ट्रॉफी गैलेक्सी टाइगर्स को प्रदान की। एक रोमांचक मुकाबले में गैलेक्सी टाइगर्स ने देवीशक्ति चार्जेस को 4-2 से हराया।

मोइनाबाद मंडल के अजीजनगर स्थित एचपीआरसी पोलो एरेना में खेले जा रहे अंतिम एएमआर सिल्वर कप मैच में जर्मनी और ब्रिटेन के बीच 4/4 से बराबरी पर रहा। जिसमें दोनों टीमें 4-4 गोल किये।

वार्विकशायर ने मैनचेस्टर सिटी के जेम्स थॉमस को प्रदर्शन निदेशक नियुक्त किया

लंदन, 01 मार्च (एजेंसियां) । वार्विकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के क्लब मैनचेस्टर सिटी के वरिष्ठ अधिकारी जेम्स थॉमस को प्रदर्शन निदेशक नियुक्त किया है। थॉमस वर्तमान में मैनचेस्टर सिटी में प्रदर्शन सेवाओं के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं और जून में क्रिकेट जगत में कदम रखेंगे। थॉमस, जो पहले पेशेवर रूप से रग्बी यूनियन खेल चुके हैं, ब्रिटिश जिमनास्टिक्स के प्रदर्शन निदेशक के रूप में भी पांच वर्षों तक काम कर चुके हैं। उनके नेतृत्व में ब्रिटिश जिमनास्टिक्स ने टोक्यो ओलंपिक में पदकों की ओर महत्वपूर्ण प्रगति की थी। वार्विकशायर की इस नियुक्ति का निर्णय क्लब द्वारा ऑफसीजन के दौरान उच्च प्रदर्शन समीक्षा के बाद लिया गया, जिसके परिणामस्वरूप पुरुषों के मुख्य कोच मार्क रॉबिन्सन को हटा दिया गया था। नई एकीकृत संरचना के तहत, थॉमस को वार्विकशायर पुरुषों, बियर्स महिलाओं और बर्मिंघम फीनिक्स टीमों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वार्विकशायर के

मुख्य कार्यकारी स्टुअर्ट कैन ने कहा, जेम्स को उच्च प्रदर्शन वाले खेल में एक असाधारण प्रतिभा के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने विभिन्न खेलों में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक तत्वों को समझने की अद्भुत क्षमता प्रदर्शित की है। थॉमस ने इस नियुक्ति पर कहा, मुझे वार्विकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब में प्रदर्शन निदेशक के रूप में शामिल होने की खुशी है। क्लब की अपनी समृद्ध बीयर्स संस्कृति को बनाए रखने और उसे आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता से मैं प्रभावित हुआ हूं। हालांकि थॉमस गर्मियों तक अपनी भूमिका नहीं संभालेंगे, लेकिन क्लब ने पुष्टि की है कि वह प्री-सीज़न के दौरान पुरुष और महिला टीमों के साथ समय बिताएंगे, साथ ही क्रिकेट जगत के अन्य प्रमुख हस्तियों से मुलाकात करेंगे ताकि वह नई भूमिका के लिए खुद को तैयार कर सकें।

पसंदीदा कवर ड्राइव से पारी को नियंत्रित करते हैं विराट

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि कवर ड्राइव उनका पसंदीदा शॉट है । कोहली के अनुसार इस शॉट से वह पारी को नियंत्रित भी कर पाते हैं हालांकि कभी-कभी ये नुकसान देह भी रहा है। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफ में शतक के दौरान भी कई कवर ड्राइव लगाये थे। कोहली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए एक वीडियो में कहा कि ये एक कठिन स्थिति है। ये कवर ड्राइव पिछले कुछ साल में मेरी कमजोरी रहा है हालांकि इसी शॉट से उन्होंने काफी रन भी बनाये हैं। ,कोहली ने कहा, ''क्योंकि जब मैं इस तरह के शॉट लगाता हूं तो मैं क्रीज पर बल्लेबाजी करते समय नियंत्रण महसूस करता हूं। इसलिए पाक के खिलाफ खेली गयी पारी मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से एक अच्छी पारी थी। उन्होंने कहा कि तीसरे नंबर पर उनकी भूमिका पिछले कुछ साल में बदलाव रहित रही है। एक बात जो मैंने हमेशा तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते समय सोची है।

देशभर में न्यू डिजायर को मिल रहा बेहतर रिस्पांस

नई दिल्ली, 01 मार्च (एजेंसियां)।

देश भर में न्यू डिजायर कार को बेहतर रिस्पांस मिल रहा है। साल 2025 का जनवरी महीना सेडान कार सेगमेंट के लिए उतना अच्छा नहीं रहा, जितना हैचबैक और एसयूवी सेगमेंट के लिए रहा, लेकिन नई होंडा अमेज और स्कोडा स्लाविया के साथ ही मारुति सुजुकी सि जैसी गाड़ियों ने सेडान सेगमेंट को जिंदा रखा।

हालांकि, सेगमेंट में टॉप पोजिशन पर हमेशा की तरह मारुति सुजुकी डिजायर रही। ऑल न्यू डिजायर लॉन्चिंग के बाद से ही भारतीयों को दीवाना बना रही है और इसकी 5 स्टार सेफ्टी पर ग्राहक दिल लुटा रहे हैं। हालांकि, सालाना रूप से डिजायर की बिक्री में बीते जनवरी में 8 फीसदी की गिरावट देखी गई और इसे 15,383 ग्राहकों ने खरीदा।

बीते जनवरी 2025 की टॉप 10 सेडान कारों की बिक्री के आंकड़े देखें तो मारुति सुजुकी डिजायर की बादशाहत के बाद हुंडई ऑरा दूसरे स्थान पर रही और इसे 5388 ग्राहकों ने खरीदा। ऑरा की बिक्री में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। तीसरे स्थान पर रही नई होंडा अमेज की बिक्री में करीब 21 फीसदी की तेजी बीते महीने दिखी है।

चौथे स्थान पर रही फॉक्सवैगन वर्टस की बिक्री में करीब साढ़े चार फीसदी की कमी सालाना रूप से दिखी है। 5वें स्थान पर स्कोडा स्लाविया रही और इसकी बिक्री में 21 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी सालाना तौर पर दिखी है।

होंडा सिटी की बिक्री में 34 फीसदी और 10वें स्थान पर रही टोयोटा कैम्री की बिक्री में करीब 37 फीसदी की गिरावट सालाना रूप से पिछले महीने दिखी है। आइए, अब आपको जनवरी 2025 की टॉप 10 सेडान कारों की सेल्स रिपोर्ट आंकड़ों के माध्यम से बताते हैं।

बीते जनवरी में टाटा टिगोर के पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक मॉडल की कुल मिलाकर 1484 यूनिट बिकी और यह करीब 4 फीसदी की सालाना गिरावट के साथ है। इसकते बाद हुंडई वरना की बिक्री में 32 फीसदी की गिरावट आई है। इन सबके बीच मारुति सुजुकी सि की बिक्री बीते महीने सालाना तौर पर 111 फीसदी बढ़ गई।

न्यूज ब्रीफ

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर छह रुपए हुआ महंगा

नई दिल्ली। होली से पहले महंगाई का झटका लगा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं विपणन कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 6 रुपये का इजाफा किया है। हालांकि, 14 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें से लागू हो गई है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक. नई दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का दाम 6 रुपये बढ़कर 1803 रुपये हो गया है, जो पहले 1797 रुपये में मिल रहा था। कोलकाता में इसका भाव 6 रुपये बढ़कर 1913 रुपये हो गया है, जो पहले 1907 रुपये में बिक रहा था। मुंबई में इसकी कीमत 5.50 रुपये बढ़कर 1755.50 रुपये हो गई है, जो 1749 रुपये में मिल रहा था। इसके अलावा चेन्नई में यह सिलेंडर 1965 रुपये में बिक रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं विपणन कंपनियों ने 14 किलो वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। राजधानी दिल्ली में इसकी कीमत 803 रुपये प्रति सिलेंडर है। कोलकाता में इसका दाम 829 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये है। चेन्नई में इसकी कीमत 818.50 रुपये प्रति सिलेंडर है।

भारतीय उद्योग जगत में स्टार्टअप कर रहे धमाल

नई दिल्ली। हाल ही में लंबे समय तक रकम की कमी और यूनिकॉर्न की संख्या में कमी के बावजूद, भारतीय उद्योग जगत स्टार्टअप की वृद्धि के को लेकर दृढ़ भाव निहित है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मैजिकपिन के सीईओ ने कहा कि पूंजी अपना रास्ता मूल्य सृजन की दिशा में खोज लेती है। इसमें झटके और कुछ उतार-चढ़ाव हो सकते हैं, लेकिन भारत में स्टार्टअप के नजरिए से हम स्वर्णिम युग में हैं। प्रौद्योगिकी के लिए जिस तरह की स्वीकृति और चाह है, साथ ही ऑपरेटरों और टीमों के भीतर समाधान तैयार करने की जो क्षमताएं हैं, वे अभूतपूर्व है। पूंजी रिटर्न की तलाश में है। यही वजह है कि भारत में मल्टीपल इस तरह का है। एक मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के अनुसार 2025 में फरवरी तक इक्विटी फंडिंग के 235 दौर में 1.33 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं। पिछले साल इसी अवधि में देश में 497 दौर में 2.46 अरब डॉलर जुटाए गए थे। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्नैपडील के सीईओ ने कहा कि कंपनियों की वृद्धि का सही मापदंड यूनिकॉर्न नहीं हैं। उन्होंने कहा, यह सही संदर्भ नहीं है।

माइक्रोसॉफ्ट ने स्काइप सेवा को बंद करने का किया ऐलान

न्यूयॉर्क। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने स्काइप वीडियो कॉलिंग सेवा को बंद करने का फैसला लिया है। इस सेवा को उसने 2011 में 8.5 अरब डॉलर में खरीदा था। मई में स्काइप की सेवा बंद हो जाएगी और उसकी कुछ सेवाएं माइक्रोसॉफ्ट टीम्स पर स्थानांतरित की जाएंगी। माइक्रोसॉफ्ट ने बताया कि स्काइप उपयोगकर्ता टीम्स में अपने खाते से लॉग इन कर सकेंगे। वर्षों से स्काइप को टीम्स की तुलना में प्राथमिकता दी गई थी। स्काइप ने उपयोगकर्ताओं के लिए ऑडियो और वीडियो कॉलिंग के लिए एक सुविधाजनक प्लेटफार्म प्रदान किया था। यह आगंतुकों की जरूरतों को समझते हुए उन्हें ऑनलाइन संचार के लिए एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प प्रदान करता था। स्काइप के बंद होने का निर्णय तकनीकी दिग्गज की अपने मुख्य संचार एप्लीकेशन को सुव्यवस्थित करने की इच्छा को दर्शाता है और उसकी साथी प्रोडक्ट्स, जैसे कि टीम्स, को उन्हें बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी। इप 003 में स्थापित हुई थी और वीओआईपी तकनीक पर निर्भर थी, जो ऑडियो को ऑनलाइन प्रसारित डिजिटल सिग्नल में परिवर्तित करता है। इससे पहले ईबे द्वारा 2005 में खरीदी गई थी।

टेस्ला सेल्स, सर्विस और सपोर्ट नेटवर्क पर दे रही है जोर

नई दिल्ली, 01 मार्च (एजेंसियां)।

बीते दिनों खबर आई कि अमेरिका के मशहूर उदयोग पति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में हायरिंग शुरू की है। अब एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि कंपनी सेल्स, सर्विस और सपोर्ट नेटवर्क पर जोर दे रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला भारत में जोर-शोर से लोगों को नौकरी पर रख रही है। यह कंपनी की भारत में अपनी जगह पक्की करने की रणनीति का हिस्सा है।

टेस्ला ने मुंबई और पुणे में 15 लोगों की नियुक्ति की है। इससे पता चलता है कि कंपनी एक मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। ग्लोबल डेटा की रिपोर्ट बताती है कि टेस्ला भारत के ईवी मार्केट में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। भारत में भर्तियां शुरू करना इसी बात का संकेत है। टेस्ला चार्जिंग, इंजीनियरिंग, आईटी, वीइकल सर्विस, सेल्स, कस्टमर सपोर्ट और दूसरे सेक्टर में लोगों को नौकरी पर रख रही है। लंबे समय से सुनने को मिल रहा है कि टेस्ला कारें जल्द ही भारत में लॉन्च होंगी, लेकिन बीते दिनों से जिस तरह से इस मामले में डेवलपमेंट सामने आए हैं, इससे पता चलता है कि इस बार टेस्ला कुछ ज्यादा ही सीरियस है और अमेरिका में पीएम नरेंद्र मोदी और टेस्ला के मालिक एलन मस्क की मुलाकात का असर हुआ है। बता दें कि टेस्ला कस्टमर सर्विस पर भी खास ध्यान दे रही है। कंपनी सर्विस एडवाइजर और पार्ट्स एडवाइजर की नियुक्ति कर रही है। ये लोग ग्राहकों की समस्याएं सुनेंगे, गाड़ियों की सर्विसिंग का ध्यान रखेंगे और ग्राहकों को अच्छा अनुभव देंगे। मतलब साफ है कि टेस्ला भारतीय ग्राहकों के सामने ऐसी इमेज बनाने की तैयारी में है कि उसकी कार खरीदने पर आफ्टर सेल्स सर्विस का पूरा ध्यान रखा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स में टेस्ला के नए शोरूम खोलने की भी चर्चा है। यह भी कंपनी की भारत में पैर जमाने की रणनीति का हिस्सा है। यहां बता दें कि टेस्ला इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। कंपनी अपनी बेहतरीन तकनीक और डिजाइन के लिए जानी जाती है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार तेजी से बढ़ रहा है और टेस्ला इस बढ़ते बाजार का फायदा उठाना चाहती है। कंपनी की योजना भारत में अपनी कारें बनाना और बेचना है।

एसयूवी होंडा एलिवेट की 1 लाख यूनिट्स बिकी

नई दिल्ली। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने अपनी स्टाइलिश और दमदार एसयूवी होंडा एलिवेट की 1 लाख यूनिट्स बेचने का कारनामा कर दिखाया है। यह उपलब्धि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एलिवेट की शानदार पॉपुलैरिटी दिखाती है। एलिवेट की मौजूदा एक्स शोरूम प्राइस 11.69 लाख रुपये से शुरू होकर 16.73 लाख रुपये तक जाती है। बता दें कि होंडा एलिवेट को भारतीय बाजार में सितंबर 2023 में लॉन्च किया गया था और तब से अब तक एलिवेट ने भारतीय एसयूवी बाजार में अपनी मजबूत जगह बना ली है। मेड इन इंडिया एसयूवी के रूप में होंडा एलिवेट का उत्पादन राजस्थान के तापुकारा प्लांट में किया जाता है। एलिवेट जापान में एक्सपोर्ट की जाने वाली पहली मेड इन इंडिया होंडा कार है। होंडा एलिवेट की इंडिया और ग्लोबल सेल्स के बारे में बताएं तो जनवरी 2025 तक कंपनी ने भारत में 53,326 यूनिट्स की बिक्री की, जबकि 47,653 यूनिट्स विदेशी बाजार में एक्सपोर्ट की गईं। विदेशी बाजारों में जापान, दक्षिण अफ्रीका, नेपाल और भूटान जैसे देश हैं, जहां होंडा की कारें ज्यादा पॉपुलर हैं।

कॉमेट ब्लैक्सॉर्म एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली, 01 मार्च (एजेंसियां)।

कार बनाने वाली कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कॉमेट ब्लैक्सॉर्म एडिशन को लॉन्च किया है। आप इसे 11,000 रुपये की टोकन राशि देकर अपने नजदीकी एमजी डीलरशिप से बुक कर सकते हैं। इसकी एक्स शोरूम प्राइस 7.80 लाख है और इसे 2.5 रुपये प्रति किलोमीटर बैटरी रेंटल सर्विस के साथ पेश किया गया है, जिससे यह कॉमेट ईवी का टॉप वेरिएंट बन जाता है। बता दें कि इसमें स्टाइलिश स्टारी ब्लैक एक्सटीरियर के साथ ही इंटीरियर में रेड एक्सेंट और प्रीमियम लेदरेट सीट्स दिए गए हैं। ब्लैक फिनिश्ड कॉमेट ईवी नेमप्लेट और इंटरनेट इनसाइट लोगो इसे देखने में और आकर्षक बनाता है।

बाद बाकी इसमें एक्सक्लूसिव एक्सेसरी पैक भी ऑफर किया जा रहा है, जिसमें बैज, व्हील कवर, हुड ब्रैंडिंग और स्किड प्लेट्स को बेहतर बनाने की सुविधा मिलता है।

एमजी कॉमेट ईवी ब्लैकस्टॉर्म एडिशन में 17.4 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक दिया गया है, जो कि सिंगल चार्ज में 230 किलोमीटर की अराई-सर्टिफाइड रेंज देने में सक्षम है। इस किफायती सिटी सेंट्रिक स्मॉल इलेक्ट्रिक कार को फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ पेश किया गया है, जिससे अब चार्जिंग में कोई परेशानी नहीं होगी।

बाद बाकी इसमें 4-स्पीकर साउंड सिस्टम, बड़ी स्क्रीन समेत काफी सारे स्मार्ट और सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। इसकी 2.5 प्रति किमी बैटरी रेंटल सर्विस के साथ एक्स शोरूम प्राइस 4.99 लाख रुपये से शुरू होती है।

ऐसे में जो लोग एक स्टाइलिश, किफायती और स्मार्ट इलेक्ट्रिक कार लेना चाहते हैं, उनके लिए एमजी कॉमेट और इसका ब्लैक्सॉर्म एडिशन अच्छे विकल्प के रूप में है। बता दें कि जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया को भारत में शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। साल 2024 में इसकी बिक्री 29 फीसदी बढ़ी, जिससे यह भारत के शहरी इलाकों में सबसे पसंदीदा ईवी में से एक बन गई है। कॉम्पैक्ट डिजाइन, शानदार स्टाइल और अडवांस फीचर्स इसे स्मार्ट सिटी ड्राइवर्स के लिए एक परफेक्ट चॉइस बनाते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जिस शाख...

हालांकि जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और अन्य सहयोगियों को शुक्रिया कहा। जेलेंस्की ने अमेरिकी चैनल फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में यह भी कहा कि जो कुछ हुआ, वह नहीं होना चाहिए था। इसके लिए वो माफी मांगते हैं। इस घटना से यूक्रेन और उसके यूरोपीय दोस्त चिंतित हैं। उन्हें डर है कि ट्रंप और पुतिन कोई डील कर सकते हैं, जिसमें यूक्रेन को नजरअंदाज कर दिया जाए। जेलेंस्की की स्थिति पहले से कमजोर हो गई है, क्योंकि वो अमेरिकी मदद पर निर्भर हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की व्हाइट हाउस में मुलाकात के ऐसे समापन के बाद देश-दुनिया के नेताओं की आ रही प्रतिक्रिया ने इसे त्रासदी में बदल दिया है। रूस ने इस घटना को लेकर कहा कि यूक्रेनी नेता को वही मिला जिसके वह हकदार थे। रूस ने जेलेंस्की को अहंकारी सुअर तक कह दिया। इस घटना को लेकर रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि जेलेंस्की को डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की ओर से एक जोरदार तमाचा मिला है। मेदवेदेव ने कहा, एक अहंकारी सुअर की ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यालय) में क्रूर तरीके से पिटाई की गई। रूस जेलेंस्की को आत्म-मुग्ध कहता रहा है। मेदवेदेव ने कहा कि आखिरकार वोलोदिमिर जेलेंस्की के मुंह पर सच बता दिया गया कि कीव शासन तीसरे विश्व युद्ध की तैयारी कर रहा है। उन्होंने अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से आग्रह किया कि यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता रोकी जाए। अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता को रोकने के लिए मास्को लंबे समय से दबाव बना रहा है।रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि यह चमत्कार था कि ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बहस के दौरान जेलेंस्की को थप्पड़ मारने से खुद को रोक लिया। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की उसी हाथ को काट रहे थे, जिसने उन्हें खिलाया था। उन्होंने जेलेंस्की पर हर किसी के साथ अप्रिय व्यवहार करने का आरोप लगाया। रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष के प्रमुख किरिल दिमित्रिव ने ट्रंप और जेलेंस्की के बीच तीखी नोकझोंक को ऐतिहासिक बताया है। रूस के संसद के ऊपरी सदन के उपाध्यक्ष कोंस्टेंटिन कोसाच्योव ने कहा कि इस भीषण मुठभेड़ ने जेलेंस्की को पहचान लिया है और उनके असली चेहरे को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा, जेलेंस्की इस राउंड में बुरी तरह हारे। अगले राउंड में उन्हें घुटनों के बल चलना होगा।दरअसल, इस बैठक में रूस के साथ यूक्रेन की युद्ध को लेकर मीडिया के सामने बात हो रही थी। इसी दौरान जेलेंस्की अपनी बात पर अड़े रहे। फिर वे बिना खाना खाए चले गए। कहा जाता है कि ट्रंप ने जेलेंस्की को ह्वाइट हाउस से बाहर निकाल दिया था। चीख-चिल्लाहट वाले इस वार्ता को ट्रंप ने अमेरिका का अपमान बताया है और मिनरल डील को फिलहाल रद्द कर दिया है। बता दें कि पिछले सप्ताह डोनाल्ड ट्रंप ने जेलेंस्की को बिना चुनावों का तानाशाह बताया था। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन भी बार-बार यही बात कहते हैं। उनका कहना है कि जेलेंस्की यूक्रेन के वैध नेता नहीं हैं, क्योंकि उनका पांच साल का कार्यकाल समाप्त हो चुका है और यूक्रेन चुनाव कराने में असमर्थ है, क्योंकि वहां फरवरी 2022 में युद्ध के कारण मार्शल लॉ लगा दिया गया है।

17 साल से...

करने के साथ ही कारोबार की दुनिया में निकट आएंगे।जैसा पहले बताया, भारत और यूरोपीय संघ के बीच यह ऐसी संधि होगी जो दुनिया की सबसे बड़ी व्यापार संधि की तरह देखा जा रहा है। संधि का खाका तो 2013 में तैयार हो गया था, लेकिन उसमें दोनों पक्ष चाहते थे कि उनकी अपेक्षाएं प्रमुखता से चिन्हित की जाएं इस बिंदु से आगे फिर बात नहीं बढ़ी। लेकिन तीन साल पहले जून 2022 में यह दोबारा से शुरू की गई। बात लगभग तय हो गई है और बहुत हद तक इसी साल के खत्म होने से पहले इस पर दस्तखत हो जाएंगे। मोदी ने एक कदम आगे जाते हुए इस ओर दिलचस्पी दिखाई है, इसलिए पूरी संभावना है कि यह इस बार परवान चढ़ जाएगी।उल्लेखनीय है कि इस वर्ष भारत यूरोपीय संघ के साथ एक शिखर सम्मेलन आयोजित करेगा। यूर-ोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला से बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी को 2025 से आगे ले जाने के लिए एक उम्मीदों भरा साहसिक खाका रखा जाएगा। इसी खाके को आगामी भारत-यूरोपीय संघ के शिखर सम्मेलन में उद्घाटित करने का विचार बना है।अध्यक्ष उर्सुला के साथ अपनी बैठक से प्रधानमंत्री मोदी आशान्वित हैं। प्रेस को उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष रक्षा क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाएंगे, इससे निवेश के भी दरवाजे खुलेंगे। दोनों नेताओं ने वैश्विक स्थितियों पर और परिवर्तनों पर भी गहन चर्चा की। भारत और यूरोपीय संघ व्यापार, टेक्नोलॉजी, निवेश, नवाचार, हरित विकास, रक्षा, कौशल विकास आदि क्षेत्रों में सहयोग के प्रति पहले से अधिक उत्सुक देख रहे हैं। उर्सुला की भारत यात्रा इस दृष्टि से चिर प्रतीक्षित थी। दोनों ही नेता तैयार हुए है कि मुक्त व्यापार के क्षेत्र में सहयोग में अब और देर न की जाए, इसका खाका जल्द से जल्द तैयार हो और आगे बढ़ा जाए। इस के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दे दिए गए हैं।भारत और यूरोपीय संघ के बीच रक्षा सहयोग निश्चित रूप से निवेश को आगे ले जाने वाला आयाम है। भारत की यह कूटनीतिक सफलता है कि यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के समन्वय से तकनीकी रूप से उन्नत होने का मौका मिला है। हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में इस दृष्टि से अधिक अवसर हैं। उर्सुला ने और आगे तक की अपनी सोच व्यक्त करते हुए भारत को एक प्रमुख शक्ति के रूप में मानते हुए ही कहा कि वक्त आ गया है कि यूरोपीय संघ और भारत के बीच जल, थल तथा अंतरिक्ष में रक्षा सहयोग बढ़े। हिंद महासागर वैश्विक कारोबार की लाइफलाइन है इसलिए इसको सुरक्षित रखना भारत की ही नहीं, पूरे विश्व की दृष्टि से बहुत अहम है।

नशा और...

गृह मंत्रालय में हुई बैठक में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, आसूचना ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका, सेना के उप प्रमुख, पूर्वी कमान के सेना कमांडर, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और असम राइफल्स के महानिदेशक, मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार और गृह मंत्रालय (एमएचए), सेना और मणिपुर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सुरक्षा समीक्षा राज्यपाल भल्ला द्वारा 20 फरवरी को जारी किए गए अल्टीमेटम के मद्देनजर की गई। राज्यपाल ने अवैध रखे गए और पुलिस एवं सुरक्षाबलों से लूटे गए हथियारों को लोगों से सरेंडर करने के लिए कहा था। राज्यपाल के अल्टीमेटम के बाद सात दिनों की अवधि में 300 से अधिक हथियार समर्पित कर दिए गए। इनमें से अधिकतर हथियार घाटी के जिलों में थे। मैतेई समूह अरम्बाई टेंगोल द्वारा लगभग 246 हथियार जमा किए गए। राज्यपाल ने लोगों के अनुरोधों पर अवैध और लूटे गए हथियारों को जमा करने की समय सीमा 6 मार्च को शाम 4 बजे तक बढ़ा दी है।उल्लेखनीय है कि मणिपुर मई 2023 से ही जातीय हिंसा से त्रस्त है। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जारी हिंसा में अब तक बच्चों एवं महिलाओं सहित 250 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हिंसा की शुरुआत मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने को लेकर हुआ था। कोर्ट ने इस संबंध में सरकार को आदेश दिया था। इसका कूकी समुदाय ने विरोध किया।इस हिंसा को लेकर ही मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने 13 फरवरी 2025 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उनके विकल्प की खोज की गई। हालांकि, राजनीतिक सहमति नहीं बनने पर आखिरकार विधानसभा को भंग कर दिया गया और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया गया। मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल अभी 2027 तक है।

हिमस्खलन में ...

बचाव दल में सेना की इबेक्स ब्रिगेड के 100 से ज्यादा जवान, डॉक्टर और 65 अन्य कर्मचारी लगे हैं। सात फीट बर्फ होने की वजह से काम मुश्किल है, पर कोशिशें तेज हैं। हादसे में फंसे मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों से हैं। चार मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस बीच, पीएम मोदी ने उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी से फोन बचाव अभियान के बारे में जानकारी ली है। बद्रीनाथ से 3 किलोमीटर दूर 3,200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माणा गांव भारत-तिब्बत सीमा के पास है।

मोदी सरकार...

अब कोई भी दल इसकी बहाली की बात नहीं करता। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह के उस बयान को याद किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पीओके भारत का हिस्सा है और इसके लिए हम जान भी दे देंगे। मेहता ने ये भी कहा कि आज पाकिस्तान आर्थिक संकट से जूझ रहा है और पीओके में लोग खाने-पीने की चीजों के लिए तरस रहे हैं। वहां 35% लोग बेरोजगार हैं। जम्मू-कश्मीर में विकास देखकर पीओके के लोग भी भारत के साथ आने को तैयार हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि हमें आजाद कश्मीर जैसे नाम को हटाकर इसे सिर्फ पीओके कहना चाहिए।इस कार्यक्रम में 1947 के नरसंहार की भी बात हुई। उस वक्त पाकिस्तानी सेना ने मीरपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली और राजौरी जैसे इलाकों में हजारों हिंदू-सिखों को मार डाला, महिलाओं का अपहरण किया और लूटपाट मचाई। लाखों लोग बेघर हो गए, जो आज भी भारत में संघर्ष कर रहे हैं। ये इतिहास का वो दर्दनाक हिस्सा है, जिसे कम लोग जानते हैं।डॉ. जीतेंद्र सिंह ने कहा कि पीओके का क्षेत्र 13,297 वर्ग किमी, पीओटीएल 67,791 वर्ग किमी और सीओटीएल 42,735 वर्ग किमी है। 1962 के युद्ध के बाद चीन ने अक्साई चिन समेत लगभग 37 हजार वर्ग किमी भूमि पर कब्जा कर लिया और 1963 में पाकिस्तान ने 5,180 वर्ग किमी शक्सगाम घाटी उसे सौंप दी। यह क्षेत्र रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और भारत की संप्रभुता के लिए अनिवार्य अंग है। उन्होंने कहा कि साल 1994 में संसद ने संकल्प पास किया था कि जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा है और पाकिस्तान को कब्जा छोड़ना होगा। इस संकल्प को पूरा करने के लिए अब सरकार और जनता को मिलकर काम करना होगा।

2000 के ...

लिए 2000 रुपए के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, आम लोग भारतीय डाक के जरिए देश के किसी भी डाकघर से 2000 रुपए के नोट अपने बैंक खाते में जमा कराने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के किसी भी कार्यालय में भेज सकते हैं। आरबीआई ने साफ किया है कि 2000 रुपए के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे।

6 मार्च से होलाष्टक प्रारम्भ

होलाष्टक के दौरान ग्रहों की नकारात्मकता बढ़ने से आठ दिन तक वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव रहेगा। ग्रह-नक्षत्र के कमजोर होने के कारण इस दौरान जातक की निर्णय क्षमता कम हो जाती है। होलाष्टक के दौरान पूजा पाठ का विशेष महत्व होता है। होलाष्टक के समय में मौसम में बदलाव होता है, इसलिए दिनचर्या को काफी अनुशासित रखें। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार गुरुवार 6 मार्च को प्रात: 10:51 पर होलाष्टक आरंभ होंगे और 14 मार्च को दोपहर 12:24 पर होलाष्टक समाप्त होंगे। होलाष्टक का आरंभ 6 मार्च से हो जाएगा। होलाष्टक 6 मार्च से 14 मार्च तक लगेगा। होलाष्टक का समापन होलिका दहन के दिन हो जाता है। होलाष्टक के दौरान विवाह का मुहूर्त नहीं होता इसलिए इन दिनों में विवाह जैसा मांगलिक कार्य संपन्न नहीं करना चाहिए। नए घर में प्रवेश भी इन दिनों में नहीं करना चाहिए। भूमि पूजन भी इन दिनों में न ही किया जाए तो बेहतर है। नवविवाहिताओं को इन दिनों में मायके में रहने की सलाह दी जाती है।

हिंदू धर्म में 16 प्रकार के संस्कार बताए जाते हैं, इनमें से किसी भी संस्कार को संपन्न नहीं करना चाहिए। होलिका दहन 13 व 14 मार्च को होली खेली जाएगी। होलाष्टक के समय विशेष रूप से विवाह, वाहन खरीद, नए निर्माण व नए कार्यों को आरंभ नहीं करना चाहिए। ऐसा ज्योतिष शास्त्र का कथन है। अर्थात् इन दिनों में किए गए कार्यों से कष्ट, अनेक पीड़ाओं की आशंका रहती है तथा विवाह आदि संबंध विच्छेद और कलह का शिकार हो जाते हैं या फिर अकाल मृत्यु का खतरा या बीमारी होने की आशंका बढ़ जाती है।

होलाष्टक को क्यों माना जाता है अशुभ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होलाष्टक के दौरान आठ ग्रह उग्र अवस्था में रहते हैं। अष्टमी तिथि को चन्द्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी तिथि पर शनि, एकादशी पर शुक्र, द्वादशी पर गुरु, त्रयोदशी तिथि पर बुध, चतुर्दशी पर मंगल और पूर्णिमा तिथि के दिन राहु उग्र स्थिति में रहते हैं। होलाष्टक के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। माना जाता है कि होलाष्टक की अवधि में किए शुभ और मांगलिक कार्यों पर इन ग्रहों का बुरा असर पड़ता है, जिसका असर सभी राशियों के जीवन पर भी पड़ सकता है। इस वजह से जीवन में कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यही कारण है कि होली से पहले इन आठ दिनों में सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है।

होलाष्टक का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, होलाष्टक के दौरान भगवान हनुमान, भगवान विष्णु और भगवान नरसिंह की पूजा करने का विधान है। माना जाता है कि पूजा करने से सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। साथ ही होलाष्टक के आठ दिनों में व्यक्ति को निरंतर महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए।

होलाष्टक में क्या नहीं करना चाहिए

होलाष्टक के आठ दिनों तक शादी विवाह जैसे कार्य नहीं किए जाते हैं। इसके साथ ही भूमि, भवन और वाहन आदि की भी खरीदारी को शुभ नहीं माना गया है। वहीं नवविवाहिताओं को इन दिनों में मायके में रहने की सलाह दी जाती है। हिंदू धर्म में 16 प्रकार के संस्कार बताये जाते हैं इनमें से किसी भी संस्कार को संपन्न नहीं करना चाहिये। हालांकि दुर्भाग्यवश इन दिनों किसी की मौत होती है तो उसके अंत्येष्टि संस्कार के लिये भी शांति पूजन करवाई जाती है। इसके साथ ही इस दौरान किसी भी प्रकार का हवनए यज्ञ कर्म भी इन दिनों में नहीं किये जाते।

होलाष्टक में क्या करना चाहिए

होलाष्टक के दौरान पूजा पाठ का विशेष पुण्य प्राप्त होता है। इस दौरान मौसम में तेजी बदलाव होता है।

अशुभ होलाष्टक भी देंगी समृध्दि!

होली के 8 दिन पहले मन से शुरू करें काम

मार्च की शुरुआत के साथ होली की तैयारियां भी घरों में शुरू हो गई हैं। इस पर्व का लोगों को बेसब्री से इंतजार रहता है। लेकिन, होली से आठ दिन पहले होलाष्टक भी शुरू हो जाता है। होलाष्टक को अशुभ माना गया है। इन दिनों में कोई भी शुभ कार्य करने की मनाही है। इस बार होलाष्टक कब से शुरू होगा? कब खत्म होगा? और इस दौरान कौन से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए?

कब से लग रहा होलाष्टक

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार होलाष्टक की शुरुआत 7 मार्च से हो रही है। वहीं, इसका समापन होलिका दहन के एक दिन पहले यानी 13 मार्च 2025 को होगा। इसके अगले दिन यानी 14 मार्च को देशभर में होली का पर्व मनाया जाएगा।

होलाष्टक में ये काम न करें

मान्यता है कि होलाष्टक में नकारात्मक ऊर्जा का वेग बहुत ज्यादा होता है। इसलिए इस दौरान नया निवेश और लेनदेन न करें। इससे जीवन में आर्थिक संकट आ सकता है।

मान्यता है कि होलाष्टक के दौरान नए कपड़े, नई गाड़ी, घरेलू उपयोग में आने वाली चीजें, सोना और चांदी भी न खरीदें। इस दौरान नया मकान न लें

और बनवाएं भी नहीं।

मान्यताओं के अनुसार, होलाष्टक में बाजार से कोई नई चीज खरीदकर घर न लाएं।

होलाष्टक में यज्ञ, हवन या अन्य धार्मिक अनुष्ठान न करवाएं। इस दौरान नियमित पूजा करते रहें।

होलाष्टक में ये काम करें

होलाष्टक के दौरान जितना हो सके भगवान की आराधना व भक्ति करें। साथ ही दान का भी विशेष महत्व है। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है। मंदिर जाकर हनुमान चालीसा व महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें। ऐसा करना विशेष फलदायी माना जाता है। होलाष्टक के दौरान लड्डू गोपाल का पूजन करना चाहिए। गोपाल सहस्त्रनाम का पाठ करना चाहिए। इससे जीवन में सकारात्मकता रहती है।

क्यों माना जाता है अशुभ?

पौराणिक कथाओं के अनुसार इन आठ दिनों में हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र प्रह्लाद को भगवान विष्णु की भक्ति से विमुख करने के लिए कठोर यातनाएं दी थीं। इसलिए यह समय नकारात्मक ऊर्जा से भरा माना जाता है। ज्योतिषीय दृष्टिकोण से, होलाष्टक के दौरान आठ ग्रह उग्र अवस्था में होते हैं जिससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इन ग्रहों में चंद्रमा, सूर्य, शनि, शुक्र, गुरु, बुध, मंगल और राहु शामिल हैं।

होलाष्टक में क्यों नहीं किए जाते शुभ काम

होलाष्टक में आठ ग्रह उग्र हो जाते हैं, इसलिए शुभ काम नहीं होते। यह होलाष्टक अष्टमी से पूर्णिमा तक रहता है। हर दिन एक ग्रह उग्र रहता है। इस उग्रता से शुभ कामों पर बुरा असर पड़ता है। जीवन में कई समस्याएं भी आ सकती हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अष्टमी को चंद्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध, चतुर्दशी को मंगल और पूर्णिमा को राहु उग्र होते हैं, इसलिए होलाष्टक के 8 दिनों में शुभ काम नहीं किए जाते।

होलाष्टक के ८ दिनों में नहीं किए जाते मांगलिक कार्य

होलाष्टक से 8 दिन पहले कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। इस दौरान शादियां, गृह प्रवेश, सगाई, मुंडन या कोई शुभ काम नहीं होते लेकिन ध्यान और पूजा-पाठ के लिए यह समय बहुत अच्छा माना जाता है। होलाष्टक के दौरान विष्णु जी और नरसिंह भगवान की पूजा करने से विशेष लाभ मिलता है। होलाष्टक के दौरान सकारात्मक ऊर्जा के लिए भगवान विष्णु का ध्यान करना चाहिए।

इसलिए अनुशासित दिनचर्या को अपनाने की सलाह दी जाती है। होलाष्टक में स्वच्छता और खानपान का उचित ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। होलाष्टक में भले ही शुभ कार्यों के करने की मनाही है लेकिन इन दिनों में अपने आराध्य देव की पूजा अर्चना कर सकते हैं। व्रत उपवास करने से भी आपको पुण्य फल मिलते हैं। इन दिनों में धर्म कर्म के कार्य वस्त्र अनाज व अपनी इच्छा व सामर्थ्य के अनुसार जरुरतमंदों को धन का दान करने से भी आपको लाभ मिल सकता है।

होलाष्टक पर करने के विशेष उपाय।

संतान के लिए

यदि किसी कपल को संतान की प्राप्ति नहीं हो रही है तो वह होलाष्टक में लड्डु गोपाल की विधि विधान से पूजा पाठ करें। इस दौरान हवन भी करें जिसमें गाय का शुद्ध घी और मिश्री का इस्तेमाल करें। इस उपाय को करने से निसन्तान को भी संतान प्राप्त हो जाती है।

करियर में सफलता के लिए

यदि आप अपने करियर में तरक्की पर तरक्की चाहते हैं तो होलाष्टक में यह उपाय करें। घर या ऑफिस में जौ तिल और शक्कर से हवन करवाएं। ऐसा कर आपके करियर में आने वाली सभी बाधाएं खत्म हो जाएगी। आप जिस भी फील्ड में काम स्टार्ट करेंगे उसमें आसानी से सफलता का स्वाद चख सकेंगे।

धन प्राप्ति के लिए

यदि आप आर्थिक रूप से कमजोर हैं या अत्यधिक धन की कामना रखते हैं तो होलाष्टक में यह उपाय जरूर करें। कनेर के फूलए गांठ वाली हल्तीए पीली सरसों और गुड़ के द्वारा अपने घर में हवन करें। ऐसा करने से पैसों से जुड़ी सभी दिक्कतें दूर हो जाएगी। इतना ही नहीं संपत्ति से जुड़े मामलों में भी लाभ होगा।

अच्छी हेल्थ के लिए

अपनी अच्छी सेहत के लिए आपको होलाष्टक में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए। ये जाप करने के बाद गुग्गल से हवन भी करना न भूलें। मान्यता के अनुसार ऐसा करने से असाध्य रोग से मुक्ति प्राप्त होती है।

सुखमय जीवन के लिए

यदि आपके जीवन में अत्यधिक दुख हैं तो होलाष्टक में हनुमान चालीसा और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना शुरू कर दें। इससे आपके सभी दुख समाप्त हो जाएंगे। जीवन में खुशियां ही खुशियां होगी। आपकी लाइफ सुख सुविधाओं से सज्जित होगी।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

मार्च में खरीदना है नया वाहन या मकान देखें खरीदी शुभ मुहूर्त और तारीख

मार्च 2025 का प्रारंभ आज से हो गया है। यदि मार्च के महीने में आपको नई गाड़ी खरीदनी है या फिर परिवार के लिए नया मकान लेना है, या प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करानी है तो आपको शुभ मुहूर्त का ध्यान रखना चाहिए। शुभ मुहूर्त में खरीदा गया वाहन, मकान आदि व्यक्ति के उन्नति में सहायक होता है। यदि आप बिना शुभ मुहूर्त के मकान की खरीदारी करते हैं तो वह आपके लिए अशुभ साबित हो सकता है। वहीं अशुभ मुहूर्त में या बिना शुभ मुहूर्त का विचार किए आप वाहन खरीदते हैं तो वह आपके लिए कष्टकारी हो सकता है। उससे दुर्घटना की आशंका बनी रह सकती है। इस वजह से ही शुभ मुहूर्त में ये कार्य करना फलदायी माना जाता है। उज्जैन के महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिषाचार्य से जानते हैं मार्च खरीदी शुभ मुहूर्त और तारीखों के बारे में।

मार्च 2025 वाहन खरीद शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार देखा जाए तो मार्च 2025 में नए वाहन की खरीदारी के लिए 10 शुभ मुहूर्त प्राप्त हो रहे हैं। आप मार्च की 2, 6, 7, 9, 10, 16, 17, 19, 20 और 27 तारीख में से किसी भी एक का चयन कर सकते है। आइए जानते हैं वाहन खरीद शुभ मुहूर्त।

2 मार्च, दिन: रविवार, वाहन खरीद मुहूर्त: 08:59 ए एम से 09:01 पी एम
नक्षत्र: रेवती, तिथि: तृतीया

6 मार्च, दिन: बृहस्पतिवार, वाहन खरीद मुहूर्त: 10:50 ए एम से अगले दिन 06:40 ए एम
नक्षत्र: रोहिणी, मृगशिरा, तिथि: अष्टमी

7 मार्च, दिन: शुक्रवार, वाहन खरीद मुहूर्त: 06:40 ए एम से 09:18 ए एम
नक्षत्र: मृगशिरा, तिथि: अष्टमी

9 मार्च, दिन: रविवार, वाहन खरीद मुहूर्त: 06:38 ए एम से अगले दिन 06:36 ए एम
नक्षत्र: पुनर्वसु, पुष्य
तिथि: दशमी, एकादशी

10 मार्च, दिन: सोमवार, वाहन खरीद मुहूर्त: 06:36 ए एम से 07:44 ए एम
नक्षत्र:पुष्य, तिथि: एकादशी

16 मार्च, दिन: रविवार, वाहन खरीद

मुहूर्त: 04:58 पी एम से अगले दिन 06:28 ए एम
नक्षत्र: चित्रा,तिथि: तृतीया

17 मार्च, दिन: सोमवार, वाहन खरीद मुहूर्त: 06:28 ए एम से 07:33 पी एम
नक्षत्र:चित्रा, स्वाति
तिथि: तृतीया

19 मार्च, दिन: बुधवार, वाहन खरीद मुहूर्त: 08:50 पी एम से अगले दिन 06:25 ए एम
नक्षत्र: अनुराधा,तिथि: पञ्चमी, षष्ठी

20 मार्च, दिन: बृहस्पतिवार, वाहन खरीद मुहूर्त: 06:25 ए एम से 11:31 पी एम
नक्षत्र: अनुराधा,तिथि: षष्ठी

27 मार्च, दिन: बृहस्पतिवार, वाहन खरीद मुहूर्त: 06:17 ए एम से 11:03 पी एम
नक्षत्र: शतभिषा,तिथि: त्रयोदशी

मार्च 2025 प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन मुहूर्त

मार्च के महीने में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के लिए केवल 6 शुभ मुहूर्त हैं। इस महीने की 6, 7, 13, 20, 21, 27 और 28 तरीखों में नए मकान, दुकान, फ्लैट, प्लॉट आदि की रजिस्ट्री करा सकते हैं।

6 मार्च, दिन: बृहस्पतिवार, प्रॉपर्टी खरीद मुहूर्त: 12:05 ए एम से अगले दिन 06:40 ए एम
नक्षत्र: मृगशिरा, तिथि: अष्टमी

7 मार्च, दिन: शुक्रवार, प्रॉपर्टी खरीद मुहूर्त: 06:40 ए एम से 11:32 पी एम
नक्षत्र: मृगशिरा,तिथि: अष्टमी, नवमी

13 मार्च, दिन: बृहस्पतिवार, प्रॉपर्टी खरीद मुहूर्त: 06:33 ए एम से अगले दिन 06:19 ए एम
नक्षत्र: पूर्वाफाल्गुनी
तिथि: चतुर्दशी, पूर्णिमा

20 मार्च, दिन: बृहस्पतिवार, प्रॉपर्टी खरीद मुहूर्त: 06:25 ए एम से 11:31 पी एम
नक्षत्र: अनुराधा, तिथि: षष्ठी

21 मार्च, दिन: शुक्रवार, प्रॉपर्टी खरीद मुहूर्त: 01:46 ए एम से अगले दिन 06:23 ए एम
नक्षत्र: मूल, तिथि: सप्तमी, अष्टमी

27 मार्च, दिन: बृहस्पतिवार, प्रॉपर्टी खरीद मुहूर्त: 12:34 ए एम से अगले 06:16 ए एम
नक्षत्र: पूर्व भाद्रपद, तिथि: चतुर्दशी

28 मार्च, दिन: शुक्रवार, प्रॉपर्टी खरीद मुहूर्त: 06:16 ए एम से 10:09 पी एम
नक्षत्र: पूर्व भाद्रपद
तिथि: चतुर्दशी, अमावस्या

होली से लेकर चंद्र ग्रहण और चैत्र नवरात्रि तक, जानें मार्च महीने के प्रमुख व्रत त्यौहार

साल 2025 के तीसरे महीने मार्च की शुरुआत हो गई है और इस महीने कई प्रमुख व्रत त्योहार आने वाले है. मार्च महीने की शुरुआत फुलेरा दूज से होने वाली है, इस दिन भगवान कृष्ण फूलों के साथ खेलते हैं. फुलेरा दूज के साथ इस माह रंग पंचमी, रमजान प्रारंभ, होलाष्टक्र प्रारंभ, होली, आमलकी एकादशी, शीतला सप्तमी, चैत्र नवरात्रि समेत दर्जनों व्रत त्योहार आने वाले हैं. इसके अलावा मार्च महीने में चंद्र ग्रहण और सूर्य ग्रहण लगने वाला है. आइए जानते हैं मार्च में होली, चैत्र नवरात्रि और ग्रहण के अलावा कौन कौन से व्रत त्योहार आने वाले हैं।

मार्च २०२५ माह के प्रमुख व्रत त्यौहार

फुलेरा दूज (1 मार्च 2025, शनिवार)
रमजान (2 मार्च 2025, रविवार)
होलाष्टक आरंभ (7 मार्च 2025, शुक्रवार)
आमलकी एकादशी (10 मार्च 2025, सोमवार)
भौम प्रदोष व्रत (11 मार्च 2025, मंगलवार)
होलिका दहन (13 मार्च 2025, गुरुवार)
रंगो वाली होली, चंद्र ग्रहण (14 मार्च 2025, शुक्रवार)
संकष्टी चतुर्थी (17 मार्च 2025, सोमवार)
रंग पंचमी (19 मार्च 2025, बुधवार)
शीतला सप्तमी (21 मार्च 2025, शुक्रवार)
बसोड़ा पूजा, शीतला अष्टमी (22 मार्च 2025, शनिवार)
पापमोचिनी एकादशी (25 मार्च 2025, मंगलवार)
प्रदोष व्रत (27 मार्च 2025, गुरुवार)
आंशिक सूर्य ग्रहण, चंत्र अमावस्या (29 मार्च 2025, शनिवार)
चैत्र नवरात्रि आरंभ, हिंदू नववर्ष प्रारंभ (30 मार्च 2025, रविवार)
गणगौर पूजा, ईद-उल-फितर (31 मार्च 2025, सोमवार)

खरमास में क्यों नहीं होते विवाह और शुभ काम?

सनातन धर्म में खरमास को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान जगत के पालनहार भगवान विष्णु और सूर्य देव की पूजा का विधान है। धार्मिक मान्यता है कि खरमास में उपासना करने से साधक को सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

खरमास में धार्मिक व मांगलिक कार्य जैसे वैवाहिक कार्यक्रम, मुंडन संस्कार, गृह प्रवेश, जनेऊ संस्कार आदि काम नहीं किए जाते हैं। इसके अलावा गाड़ी और घर को खरीदने से बचना चाहिए, लेकिन क्या आप जानते हैं कि खरमास में आखिर क्यों नहीं किए जाते हैं शुभ और मांगलिक काम?

ज्योतिष गणना के अनुसार, जब सूर्य देव सूर्य देव अपनी चाल में बदलाव कर मीन राशि में गोचर करते हैं, तो उस तिथि पर मीन संक्रांति मनाई जाती है। इसी दिन से खरमास की शुरुआत होती है। इस बार खरमास 14 मार्च से शुरू हो रहा और 14 अप्रैल को समाप्त होगा। इसके बाद शुभ और मांगलिक काम शुरू होंगे।

इसलिए नहीं होते हैं शुभ काम

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, एक राशि से दूसरी राशि में सूर्य देव एक महीने बाद परिवर्तन करते हैं, जिस दिन सूर्य देव मीन राशि में गोचर करते हैं, तो तभी से खरमास शुरू होता है। सूर्य देव के मीन या धनु राशि में विराजमान होने से गुरु ग्रह की शक्तियां कम हो जाती हैं। ज्योतिष शास्त्र में गुरु ग्रह को भाग्य के कारक में रूप जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में अगर खरमास में शुभ और मांगलिक काम किए जाते हैं, तो उसका शुभ फल प्राप्त नहीं होता। इसी वजह से खरमास में शुभ और मांगलिक पर रोक लग जाती है।

खरमास में सूर्य देव को कैसे करें प्रसन्न?

खरमास में रोजाना सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद साफ कपड़े पहनें।

एक तांबे के लोटे में जल और लाल फूल और रोली मिलाएं।

इसके बाद विधिपूर्वक सूर्य देव को जल अर्पित करें।

इस दौरान सूर्य देव के मंत्रों का ध्यान करें।

जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें।

साथ ही अन्न और धन और गरीब लोगों में दान करें।

रेखा ने जब किया था परदेसिया पर डांस

26 साल बाद भी अमिताभ नहीं हटा पाए थे नजर, देखा इतने प्यार से लोग बोले- प्यार तो असली था

बॉलीवुड की सदाबहार एक्ट्रेस रेखा आज भी अपनी जबरदस्त एनर्जी और फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। उसकी खूबसूरती की चर्चा आज भी लोग करते हैं। ऐसे में वह जब स्टेज पर आकर अपने ही पुराने गाने पर डांस करने लगती हैं तो देखने वाले अपना दिल थाम लेते हैं। बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान के साथ रेखा का एक डांस वीडियो इन दिनों वायरल हो रहा है। ये थ्रोबैक वीडियो किसी अवार्ड शो के दौरान का लग रहा है।

40 साल बाद किया परदेसिया गाने पर डांस

वीडियो में देखा जा सकता है कि शाहरुख खान के साथ रेखा अपनी ही फिल्म मिस्टर नटवरलाल के गाने 'परदेसिया' पर डांस करती नजर आती हैं। 1979 में ये गाना फिल्म में रेखा और अमिताभ बच्चन पर फिल्माया गया था। शाहरुख के साथ इस परफॉर्मेंस के दौरान अमिताभ बच्चन सामने बैठे नजर आ रहे हैं और कैमरा ने उनके एक्सप्रेशन्स को भी कैप्चर कर लिया है। आप देख सकते हैं कि रेखा की परफॉरमेंस को कैसे बिग बी मुंह खोलकर बड़े ही दिलचस्पी के साथ देख रहे हैं।

सोशल मीडिया फैंस ने बांधे तारीफों के पुल

रेखा और शाहरुख खान इस गाने पर बेहद खूबसूरत डांस करते हैं। रेखा का ग्रेसफुल अंदाज देख फैंस सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ करते नजर थक रहे।

वहीं जिस एनर्जी के साथ किंग खान ने उनका साथ दिया उसकी भी तारीफ हो रही है। लेकिन एक बात जिसने सभी का ध्यान खींचा वो है अमिताभ बच्चन के एक्सप्रेशन्स। अमिताभ एकदम अवाक होकर स्टेज की ओर देखते हैं।

चारकोल से स्केच बनाने में भी माहिर हैं अभिनेत्री तारा सुतारिया

अभिनय और गायकी के साथ ही अभिनेत्री तारा सुतारिया चारकोल से स्केच बनाने में भी माहिर हैं। तारा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अब तक छुपा कर रखे हुनर से प्रशंसकों को रूबरू कराया। यह चित्रकारी तब की है जब वह मात्र 9 साल की थीं। तारा सुतारिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, चारकोल स्केच मैंने बचपन में बनाए थे! ये तब का स्केच है, जब मैंने इसे बनाना शुरू किया था। उस वक्त मेरी उम्र 9 साल थी।

शेयर किए गए वीडियो में तारा सुतारिया के चारकोल स्केच के कई कलेक्शन नजर आए। शानदार अभिनेत्री और गायिकी के बारे में तो पहले से ही जानते थे, लेकिन इस नए टैलेंट से रूबरू करा उन्होंने अपना अलग ही अंदाज पोट्रे किया है। ये बताता है कि तारा सुतारिया बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं। सुतारिया अपनी फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' के लिए गाना भी गा चुकी हैं। उन्होंने एक पोस्ट के जरिए बताया भी कि उनके लिए फिल्म के गाने को आवाज देना आसान नहीं था। गाना साल 2022 में आई एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' के लिए रिकॉर्ड किया गया था। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर गाने के बारे में बताया कि ये चुनौतीपूर्ण था।

इस बात को भी सोशल प्लेटफॉर्म पर शेयर किया था। इंस्टाग्राम में प्यारे से कैप्शन में लिखा था, मैंने अपना पहला हिंदी सॉन्ग 'शामत' रिकॉर्ड किया। इस गाने को श्रोताओं से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। यह गाना फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' के लिए था, इसमें मैंने एक सिंगर की भूमिका निभाई। यह एक संयोग ही था क्योंकि किसी को फिल्मों में गाने का मौका बहुत ही कम मिलता है। हालांकि, इसमें ढलना ज्यादा मुश्किल था और इसे आवाज देना ज्यादा आसान नहीं था।

तारा सुतारिया ने लिखा, अंग्रेजी और हिंदी म्यूजिक दोनों ही मेरे दिल के करीब हैं। ट्रेनिंग, साउंड और तकनीक की बात करें तो दोनों बिल्कुल अलग हैं! पीछे मुड़कर देखती हूं तो एक कदम आगे बढ़कर बहुत खुश हूं। गाने के प्रति इतना प्यार पाकर आभारी हूं। सभी के साथ बहुत प्यारी यादें भी हैं। मोहित सूरी, अर्जुन कपूर, अंकित तिवारी और बैडबॉय शाह, आपने इसे खास बना दिया।

निया शर्मा ने शानदार तरीके से मनाया मां का जन्मदिन

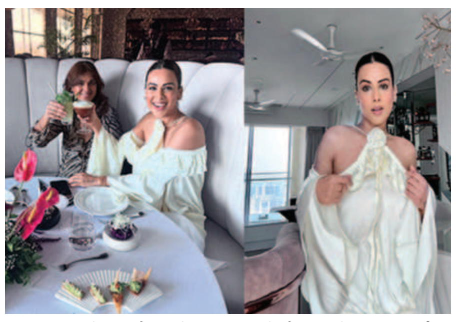

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री निया शर्मा अपनी मां को उनके खास दिन पर फैंसी बर्थडे ब्रंच पर ले गईं। स्टाइलिश मां-बेटी की यह जोड़ी शहर में बाहर निकलते समय शानदार ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही थी।

निया शर्मा ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के जन्मदिन के जश्न की तस्वीरों का एक एल्बम पोस्ट किया है। केक काटने से लेकर शानदार दावत और अकेले फोटो खिंचवाने तक, उनकी इंस्टा पोस्ट में सब कुछ था। निया शर्मा अपनी मां के काफी नजदीक हैं और उनकी इन तस्वीरों में दोनों के बीच का अटूट प्यार दिखाई पड़ता है। इससे पहले, निया शर्मा ने तेजी से आगे बढ़ रहे मनोरंजन उद्योग में सार्थक दोस्ती बनाने की कठिनाइयों के बारे में बात की थी।

अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि उनके करियर के दौरान ऐसा समय भी आया जब उन्हें काम की वजह से कई बार किसी के साथ समय बिताना मुश्किल हो जाता है।निया शर्मा ने कहा, मैंने हमेशा आत्मनिर्भर और स्वतंत्र होने में विश्वास किया है। चाहे जीवन के बड़े फैसले लेने हों या दैनिक दिनचर्या को बनाए रखना हो - मैं खुद पर बहुत अधिक निर्भर हूं। टीम वर्क या दोस्तों की संगति से दूर नहीं होना। लेकिन, आज के समय में अभिनेता केवल एक सेट से दूसरे सेट पर चक्कर लगा रहे हैं, ऐसे समय में साथी और दोस्त ढूंढना लगभग मुश्किल है।

निया शर्मा ने खुलासा किया कि उन्हें सोशल मीडिया पर समय बिताना और फिल्में देखना पसंद है, लेकिन वह अपने स्क्रीन टाइम पर नजर रखती हैं। उन्होंने बताया, ऐसे समय में मनोरंजन के अन्य तरीके वास्तव में मददगार साबित होते हैं। हम एक बेहतरीन समय में जी रहे हैं, जहां मनोरंजन सिर्फ स्क्रीन तक सीमित नहीं है। आज, हमारे पास कई तरह की सामग्री और विकल्प उपलब्ध हैं। कॉन्सर्ट, थीम पार्क, ऑडियो सीरीज से लेकर स्टैंड-अप शो तक - चुनने के लिए बहुत कुछ है।

एमटीवी रोडीज के सेट पर पहुंचे नेहा धूपिया के बच्चे, अभिनेत्री बोलीं- 'सबसे बड़े चीयरलीडर'

अभिनेत्री नेहा धूपिया अपने व्यस्त शेड्यूल और निजी जीवन के बीच संतुलन बिठाना बखूबी जानती हैं। इसका प्रमाण है उनका सोशल मीडिया अकाउंट, जिस पर वह अक्सर परिवार से जुड़े बेहतरीन पोस्ट शेयर करती रहती हैं। लेटेस्ट पोस्ट में वह शो 'एमटीवी रोडीज' के सेट पर अपने दोनों बच्चों मेहर और गुरिक के साथ खास पल का लुत्फ उठाती नजर आईं।

सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि उनके बच्चे मेहर और गुरिक उनके सबसे बड़े चीयरलीडर बन गए हैं। अभिनेत्री ने बच्चों के साथ खेलते हुए एक प्यारा सा वीडियो डाला। क्लिप की शुरुआत नेहा की बेटी मेहर से होती है, जो उनके पास दौड़ती हुई आती है और नेहा अपनी लाडली को गोद में उठा लेती हैं। इसके बाद वह अपने बेटे को भी गोद में उठा लेती हैं।वीडियो के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, हमारी बच्ची मेहर और बेटा गुरिक एमटीवी रोडिज के बेहतरीन सेट पर आए। अभिनेत्री ने वीडियो पर लिखा, आपके बच्चे आपके सबसे बड़े चीयरलीडर हैं।नेहा ने वीडियो के साथ गायक माइल्स स्मिथ के लोकप्रिय गाने 'नाइस टू मीट यू' को भी जोड़ा।नेहा सोशल मीडिया पर एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं।

उन्होंने हाल ही में बेटी मेहर और डैडी अंगद बेदी का एक वीडियो शेयर किया था। नेहा ने वीडियो के जरिए एक 'छोटी सी प्रेम कहानी' के बारे में भी बताया था जो अंगद उनकी बेटी की है।

इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन के लिए खूबसूरत और भाव से भरे शब्दों का इस्तेमाल किया। अभिनेत्री का मानना है कि सबसे खूबसूरत या प्यारी प्रेम कहानियां डैडी और उनकी नन्हीं राजकुमारी की होती हैं। इससे पहले हाल ही में नेहा धूपिया ने अंगद बेदी को उनके 42वें जन्मदिन की बधाई दी थी। बधाई के साथ उन्होंने पति को एक 'नसीहत' भी सौंपी थी! अभिनेत्री ने अंगद को फोन से दूर रहने की सलाह दी थी। अंगद बेदी ने साल 2018 में अभिनेत्री नेहा धूपिया से दिल्ली में शादी की थी। अंगद-नेहा दो बच्चों के माता-पिता हैं। बेटी का नाम मेहर और बेटे का नाम गुरिक है।

ऑस्कर विजेता अभिनेता जीन हैकमैन और उनकी पत्नी की मौत, शव घर में मिले

हॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता जीन हैकमैन और उनकी पत्नी बेट्सी अराकावा का शव बुधवार को न्यू मेक्सिको स्थित उनके घर में पाया गया। 95 वर्षीय हैकमैन, जिन्होंने फिल्म 'द फ्रेंच कनेक्शन' और 'अनफॉरगिवन' में अपनी शानदार भूमिकाओं के लिए ऑस्कर पुरस्कार जीते थे, सिनेमा जगत के दिग्गजों में से एक माने जाते थे। उनकी पत्नी का शव बाथरूम में पाया गया, जबकि हैकमैन का शव एक कमरे में था।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, शव मिलने के बाद जांच शुरू की गई, लेकिन किसी साजिश का संदेह नहीं जताया गया है। जांच के दौरान अराकावा के पास दवा की बोतल और गोलियां बिखरी हुई पाई गईं, लेकिन मौत की परिस्थितियों को लेकर अभी कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। जीन हैकमैन की फिल्मों में विविधता और उनके अभिनय के अंदाज ने उन्हें दर्शकों का दिल जीतने में सफलता दिलाई। 'सुपरमैन' में खलनायक की भूमिका निभाने से लेकर 'द फ्रेंच कनेक्शन' और 'अनफॉरगिवन' जैसी कालातीत फिल्मों में उनके अभिनय को आज भी सराहा जाता है। जीन हैकमैन के निधन पर फिल्म इंडस्ट्री के कई प्रमुख सितारों ने शोक जताया। ऑस्कर विजेता निर्देशक फ्रांसिस फोर्ड कोपोला, जिन्होंने हैकमैन के साथ 'द कन्वर्सेशन' जैसी फिल्म में काम किया, ने कहा, एक महान कलाकार का खोना हमेशा शोक और उत्सव दोनों का कारण बनता है। अभिनेता जॉर्ज टेकी ने भी सोशल मीडिया पर उनके योगदान की सराहना की और कहा, जीन हैकमैन किसी भी भूमिका में बेमिसाल थे, और उनका काम हमेशा जीवित रहेगा। हैकमैन का करियर 1960 के दशक से लेकर सिनेमा से संन्यास तक लम्बा और गौरवपूर्ण था, जिसमें उन्होंने दर्जनों यादगार फिल्मों में अभिनय किया।

दुनियाभर में छावा का राज, सुपर-डुपर हिट फिल्मों को पछाड़कर बढ़ा आगे

रिकॉर्ड टूटने के लिए ही बने हैं। 2023 में जवान ने पठान का रिकॉर्ड तोड़ा और खुद हाइएस्ट ग्रॉसिंग हिंदी फिल्म बन गई, फिर 2024 में पुष्पा 2 ने आकर शाह रुख खान स्टारर फिल्म को पछाड़ दिया और खुद उसकी गद्दी पर बैठ गई। अब लगता है कि पुष्पा 2 का रिकॉर्ड छावा न तोड़ दे। दो हफ्तों से बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही विक्की कौशल की फिल्म छावा ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों को पछाड़कर धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है।

छत्रपति संभाजी महाराज पर आधारित फिल्म छावा 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। पहले हफ्ते में सेंचुरी मारने वाली छावा ने दो हफ्ते में कई बड़ी फिल्मों को धूल चटा दिया और अब दुनियाभर में भी यह जमकर शासन कर रही है। लक्ष्मण उतेकर स्टारर छावा ने पहले दिन वर्ल्डवाइड सिर्फ 50 करोड़ रुपये से खाता खोला था और अब यह 500 करोड़ के

ऊपर कमा चुकी है। ऑस्ट्रेलिया, यूएस, यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया जैसे देशों में रिलीज हुई छावा ने 14 दिन के अंदर विदेशों में करीब 78 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, विक्की कौशल की फिल्म छावा ने वर्ल्डवाइड दो हफ्ते में 563 करोड़ रुपये के करीब बिजनेस कर लिया है। बात करें 15वें दिन की तो छावा ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर तीसरे शुक्रवार को करीब 13 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है। वर्ल्डवाइड यह कारोबार 5 करोड़ के आसपास हो सकता है। इस लिहाज से अनुमान है कि छावा 15वें दिन तक वर्ल्डवाइड 575 से 580 करोड़ रुपये के बीच का कारोबार कर सकती है। हालांकि, यह सिर्फ अनुमानित आंकड़े हैं। सही आंकड़े इससे कम या ज्यादा भी हो सकते हैं।

किन फिल्मों को पछाड़ चुकी है छावा?

छावा के 15वें दिन का वर्ल्डवाइड का सही आंकड़ा अभी तक सामने नहीं आया है, ऐसे में दो हफ्तों के डाटा (563 करोड़) के हिसाब से देखें तो छावा ने वर्ल्डवाइड कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है जिसमें धूम 3- 556.74 करोड़, वॉर- 475.62 करोड़, डंकी- 470.6 करोड़, टाइगर 3- 466.63 करोड़ अगर 15वें दिन का कलेक्शन 570 करोड़ के पार होता है तो यह फिल्म टाइगर जिंदा है (564.2 करोड़) और पद्मावत (571.98 करोड़) का रिकॉर्ड तोड़ देगी।

ईद पर स्क्रीन फाड़ने को तैयार भाईजान फिल्म सिकंदर से फैंस को यूं तोहफा देंगे सलमान खान

सलमान खान की सिकंदर का पहला टीजर रिलीज हो गया है। इस एक्शन ड्रामा में एक बार फिर से भाईजान एक्शन करते दिख रहे हैं। सिकंदर के अब तक कई पोस्टर रिलीज हो चुके हैं। जिसमें सलमान खान के लुक को फैंस ने खूब पसंद किया। अब सिकंदर के टीजर में भाईजान का एक्शन अवतार भी फैंस की एक्साइटमेंट को दोगुना कर सकता है। टीजर की शुरुआत सलमान खान की एंट्री से होती है। इसके बाद टीजर में उनके एक्शन सीन नजर आ रहे हैं।

सिकंदर के टीजर में सलमान खान अपनी फुल फॉर्म में नजर आ रहे हैं, उनके साथ रश्मिका मंदाना की जोड़ी भी एकदम फ्रेश लग रही है। फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है और डायरेक्टर ए।आर। मुरुगदॉस ने इसे जबरदस्त अंदाज में पेश किया है। पहले ही सीन से सिकंदर आपको पकड़ लेता है। सलमान खान की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस एक अलग ही लेवल पर

है-उनके जबरदस्त डायलॉग्स और धुआंधार एक्शन सीक्वेंस देख आप सीट से उछल पड़ेंगे। भाई की एनर्जी, जबरदस्त बैकग्राउंड स्कोर के साथ मिलकर एक ऐसा माहौल बनाती है, जो रोंगटे खड़े कर दे। ये फिल्म सिर्फ एक एक्शन एंटरटेनर नहीं, बल्कि एक ऐसा एक्सपीरियंस होने वाला है जो सालों तक याद रखा जाएगा।

सिकंदर के टीजर में भाईजान का जो जलवा दिखा है, वो किसी धमाके से कम नहीं! जैसे ही स्क्रीन पर सलमान खान आते हैं, उनके दमदार डायलॉग्स सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। 'इंसाफ नहीं, साफ करने आया हूं!' ये सिर्फ कानून की लड़ाई नहीं, बल्कि सिस्टम की सफाई का ऐलान है। और फिर आता है दूसरा धांसू डायलॉग, 'कायदे में रहो फायदे में रहो। वरना श्मशान या कब्रिस्तान में रहो!' भाई की ये बात सीधे दिल में उतर जाती है। सिकंदर साफ कर देता है कि जस्टिस सिर्फ कानून मानने का नाम नहीं, बल्कि सही फैसले लेने का जज़्बा भी है।

रश्मिका मंदाना भी अपने ग्रेस से स्क्रीन पर अलग ही रौनक बिखेरती हैं। एक तरफ जहां एक्शन और इमोशंस का तूफान चलता है, वहीं रश्मिका की मौजूदगी इसमें एक ताज़गी भर देती है। उनकी एनर्जी और मासूमियत कहानी में एक अलग ही इमोशनल टच जोड़ती है।

साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन में बनी सिकंदर एक बार फिर सलमान खान के साथ उनकी सुपरहिट जोड़ी का जादू वापस लाने का वादा करती है। किक और जुड़वां जैसी ईद पर रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्मों की याद दिलाते हुए, ये फिल्म भी उसी लेवल की रिकॉर्ड तोड़ एंटरटेनमेंट देने के लिए तैयार है। तैयार हो जाइए एक जबरदस्त एक्शन, दमदार इमोशन्स और यादगार सिनेमैटिक एक्सपीरियंस के लिए, क्योंकि सिकंदर इस ईद 2025 पर सिनेमाघरों में धूम मचाने आ रहा है, जिसे मिस करना मुश्किल है। तो कैलेंडर मार्क कर लीजिए क्योंकि सिकंदर के साथ इस ईद पर होगा सबसे बड़ा सेलिब्रेशन।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच–समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता–पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना–कूदना। इसलिए माता–पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शि–कायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूँस–ठूँस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता–पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप–दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेगें। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 02 मार्च 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 09:04 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा प्रातः 09:00 तक
योग : शुभ दोपहर 12:38 तक
करण : तैतिल प्रातः 10:37 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 06:22 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:35 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:28, सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 06:14 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल प्रातः 09:01 से , पंचक चालू है

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल का भरतपुर दौरा

आमजन की परिवेदनाओं को सुना अधिकारियों को दिए निर्देश

भरतपुर,01 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को भरतपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री से जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सर्किट हाउस में आत्मीय मुलाकात की। संगठनों के प्रतिनिधियों एवं आमजन ने राज्य बजट वर्ष 2025–26 में भरतपुर एवं डीग जिले को दी गई सौगातों के लिए श्री शर्मा का आभार भी जताया। इस दौरान मुख्यमंत्री से नन्हें जूडो कराते खिलाड़ियों ने मुलाकात कर प्रतियोगिता में जीते अपने मेडल्स दिखाए। मुख्यमंत्री ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में जनसुनवाई भी की और संबंधित अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, लघु उद्योग भारती, बृज हनी, ब्रह्माकुमारीज संस्था के सदस्य, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे। इससे पहले भरतपुर पहुंचने पर हैलीपेड पर मुख्यमंत्री शर्मा का स्थानीय जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया।

माइंस के 10 करोड़ से अधिक के बकाया वाले न्यायिक प्रकरणों का परीक्षण करेगी समिति : टी. रविकांत

जयपुर,01 मार्च (एजेंसियां)। न्यायिक प्रकरणों के कारण माइंस विभाग की बकाया राशि की वसूली को लेकर राज्य सरकार गंभीर होने के साथ ही प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण को लेकर कवायद तेज कर दी है। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने कहा है कि माइंस विभाग से संबंधित 10 करोड़ रुपए से अधिक के बकाया राशि के न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में राजकीय पक्ष को प्रभावी तरीके से रखने के लिए कवायद तेज कर दी है।

उन्होंने बताया कि 10 करोड़ से अधिक के न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के गुणावगुण के आधार पर अध्ययन कर समीक्षा करने के लिए अतिरिक्त निदेशक माइंस मुख्यालय की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई है। राज्य सरकार द्वारा गठित कमेटी में वित्तीय सलाहकार माइंस विभाग, संयुक्त विधि परामर्शी उदयपुर व जयपुर के साथ ही जयपुर, कोटा, उदयपुर और जोधपुर के अतिरिक्त निदेशक माइंस को सदस्य बनाया गया है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 10 करोड़ और इससे अधिक के 50 से अधिक विचाराधीन प्रकरणों में राज्य सरकार की हजारों करोड़ रुपए बकाया चल रहे हैं।

टी. रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजकीय बकाया राशि को लेकर गंभीर होने के साथ ही समय समय पर बकाया राशि की वसूली में तेजी लाने और न्यायिक प्रकरणों में विभागीय पक्ष को कारगर तरीके से रखने के निर्देश देते रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह समिति 10 करोड़ व इससे अधिक बकाया राशि के सभी प्रकरणों की गुणावगुण के आधार पर परीक्षण करेगी और उन प्रकरणों में न्यायालयों में प्रभावी पेरवी के लिए आवश्यक सुझाव देते हुए अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रेषित करेगी।

उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों व प्रकरणों में ओआईसी अधिकारियों को भी स्टे प्रकरणों में स्टे हटवाने और अन्य प्रकरणों में राज्य सरकार का पक्ष प्रभावी तरीके से रखते हुए निर्णित कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को निर्णित करवा कर राज्य सरकार की बकाया रेवेन्यू की वसूली की जा सके। उन्होंने बताया कि अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दे दिया गया है कि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में समय पर जबाव दावा पेश किया जाए और पेशी के समय उपस्थित होकर सरकारी पक्ष को रखते हुए निर्णित करवाये जाए।

पूर्व सीएम गहलोत ने स्मार्टफोन योजना पर सरकार पर साधा निशाना

सरकार की खामोशी, महिलाओं की बढ़ती उम्मीदें

जयपुर,01 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व सीएम गहलोत ने स्मार्टफोन योजना पर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में लाखों महिलाएं सरकार से स्मार्टफोन योजना फिर से शुरू करने की उम्मीद लगाए बैठी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस घोषणा नहीं हुई है। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा सरकार 88,000 टैबलेट वितरण का कई बार उल्लेख कर चुकी है, लेकिन महिलाओं के स्मार्टफोन योजना को लेकर अब तक कोई पहल नहीं की गई। गहलोत ने इस योजना को लेकर सोशल मीडिया एक्स प्लेटफार्म पर पूरी कहानी विस्तार से पोस्ट की है। हालांकि सोशल मीडिया पर लोग गहलोत पर तंज कर रहे हैं कि उन्होंने ठीक चुनाव से पहले इस योजना को क्यों लांच किया। वे अपने कार्यकाल में इस योजना को पूरा कर सकते थे।

पूर्ववर्ती सरकार ने महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से प्रदेश के 1 करोड़ 19 लाख चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखियाओं को स्मार्टफोन देने की योजना शुरू की थी। इसके पहले चरण में 35 लाख महिलाओं को स्मार्टफोन भी वितरित किए गए थे। यह योजना तीन साल की मुफ्त इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ लाई गई थी, लेकिन भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद इसे रोक दिया गया।

इस योजना को 'रेवड़ी कल्चर' कहकर बदनाम किया गया, लेकिन विशेषज्ञ इसे एक दूरदर्शी योजना मानते हैं। इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनमिक रिलेशनंस, इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया और भारत सरकार के आईटी मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में 10% की वृद्धि से ऋछ्झ में 1.08% का इजाफा होता है। अगर प्रदेश की महिलाओं को स्मार्टफोन और इंटरनेट सुविधा मिलती, तो इससे आर्थिक वृद्धि को बल मिलता।

संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत सभी नागरिकों को समानता का अधिकार है। ऐसे में, सरकार ने यदि सभी महिलाओं के लिए योजना शुरू की थी, तो उसे रोकना कानूनी और नैतिक रूप से सही नहीं माना जा सकता। खासतौर पर जब प्रधानमंत्री ने चुनावी रैलियों में कांग्रेस सरकार की योजनाओं को जारी रखने का आश्वासन दिया था।

प्रदेश की लाखों महिलाएं आज भी अपने स्मार्टफोन के इंतजार में हैं। सवाल उठता है कि क्या भाजपा सरकार अपने चुनावी वादों को निभाएगी या फिर स्मार्टफोन योजना सिर्फ चुनावी बहस तक ही सीमित रह जाएगी? महिलाओं की उम्मीदें अब सरकार के अगले कदम पर टिकी हैं।

डिंपल दुष्कर्म–हत्याकांड

सीबीआई जांच को मिली मंजूरी, न्याय की उम्मीद जगी

दौसा,01 मार्च (एजेंसियां)। हिंडौन सिटी में मूकबधिर बालिका डिंपल के साथ हुए दुष्कर्म और निर्मम हत्या के मामले की सीबीआई जांच की मांग को आखिरकार स्वीकार कर लिया गया है। इस जघन्य अपराध ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था, जिसके बाद जनता और जनप्रतिनिधियों ने मिलकर उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई।

सांसद मुरारीलाल मीणा ने इस प्रकरण को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सीबीआई जांच की अपील की थी। उन्होंने बताया कि इस हृदयविदारक घटना से आमजन में भारी आक्रोश था और पीड़िता के परिवार को न्याय दिलाने की स्वाभाविक अपेक्षा थी। इसी उद्देश्य से उन्होंने संसद में भी इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की।

अब केंद्र सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा पत्र के माध्यम से यह पुष्टि हुई है कि सीबीआई इस मामले की जांच करेगी। इस निर्णय से समाज के न्यायप्रिय नागरिकों को यह भरोसा जगा है कि दोषियों को निष्पक्ष न्याय मिलेगा और अपराधियों को कड़ी सजा दी जाएगी।

जयपुर–आगरा हाईवे पर बस और ट्रक की भिड़ंत, 7 यात्री घायल

दौसा,01 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर–आगरा नेशनल हाईवे–21 पर धान्या का बंध के पास शनिवार को एक बस और ट्रक की भिड़ंत में 7 यात्री घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि बस की केबिन और आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

जानकारी के अनुसार, प्राइवेट बस प्रयागराज से जोधपुर लौट रही थी, जिसमें जोधपुर जिले के टिब्बी क्षेत्र के यात्री सवार थे। ये सभी महाकुंभ में स्नान कर वापस लौट रहे थे, लेकिन रास्ते में हादसे का शिकार हो गए। बस में सवार अधिकांश यात्री बुजुर्ग थे, जिससे हादसे के बाद चीख–पुकार मच गई। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल बस और ट्रक को हाईवे से हटाकर यातायात बहाल कर दिया गया है।

जहाँ आधुनिक चिकित्सा समाप्त होती है, वहां से आयुर्वेद शुरू होता है : उप मुख्यमंत्री

जयपुर,01 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चार दिवसीय राज्य स्तरीय आरोग्य मेला–2025 का भव्य शुभारंभ शनिवार को हुआ। शिल्पग्राम, जवाहर कला केंद्र में आयोजित इस मेले का उद्घाटन उप मुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भारतीय जीवनशैली का आधार है और महर्षि चरक ने इसे सिद्ध किया है कि यह चिकित्सा पद्धति न केवल रोगों का उपचार करती है बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार आधुनिक विज्ञान और नवाचार से जोड़कर आयुर्वेद को नई दिशा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आयुर्वेद केंद्रों के विस्तार से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर व्यक्ति को उचित चिकित्सा सेवा मिले। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राजस्थान में औषधीय पादपों की उपलब्धता के चलते राज्य इनका निर्यात कर रहा है, जिससे प्रदेश आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है।

डॉ. बैरवा ने कहा कि आयुर्वेद वहां शुरू होता है जहां आधुनिक चिकित्सा समाप्त होती है। यह चिकित्सा पद्धति रोगों को जड़ से समाप्त करने में सहायक है और इसका वैश्विक स्तर पर प्रचार–प्रसार हो रहा है। उन्होंने राजस्थान को केवल वीरता की भूमि ही नहीं, बल्कि आरोग्य की जन्मभूमि भी बताया। उन्होंने कहा कि यह चार दिवसीय आरोग्य मेला एक बेहतरीन मंच है जहां आगंतुक निःशुल्क परामर्श प्राप्त कर सकते हैं और आयुर्वेद तथा अन्य चिकित्सा पद्धतियों के बारे में गहन जानकारी हासिल कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने प्रदर्शनी में विभिन्न संबंधित स्टॉल्स का अवलोकन किया और वहाँ प्रदर्शित आयुर्वेदिक उत्पादों, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों तथा औषधीय पादपों की जानकारी ली।

बेरोजगारी के कारण आज युवा पीढ़ी लगातार नशे के दलदल में धंसता जा रहा है : गर्ग

हिसार,01 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सीनियर प्रवक्ता बजरंग गर्ग ने कहा कि थोड़ी सी बारिश में भाजपा सरकार के 10 साल के विकास की पोल खोलकर रख दी है। कल जो थोड़ी सी बारिश हुई।

उस बारिश के कारण शहर के अनेकों वार्डो व शहर के बहारी इलाकों में पानी खड़ा हो गया। हिसार में बरसाती नाले व सीवरेज लाईन तक बन्द पड़ी है और शहर की सड़के टूटी पड़ी है। जगह–जगह गन्दगी के ढ़ेर लगे हुए है। जिसके कारण बीमारियां फेल रही है। बजरंग गर्ग ने मीडिया से कहा कि सरकार 10 साल में शहर की जनता को जाम से राहत तक नही दिया पाई है। सरकारी अस्पताल में डाक्टर, स्टाफ व दवाई तक कि बहुत भारी कमी नही है। सरकारी स्कूलों की हालत बढ़ से बढ़तर हो चुकी है। सरकारी स्कूलों में बच्चों के बैठने के लिए बैच व मूलभूत सुविधा तक नही है। सरकारी स्कूलों में मास्टर नही व अस्पताल में डाक्टर तक नही है मगर सरकार फिर भी अपने 10 साल के काम की झूठी उपलब्धियां बता रही है। सरकार में 10 साल में विकास करने की बजाएं विनाश करने का काम किया है।

बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार अपने 10 साल के कार्यकाल में ना तो अपराध पर अंकुश लगा पाई है ना ही बेरोजगारों को रोजगार दे पाई है। बजरंग गर्ग ने कहा कि बेर–ोजगारी के कारण आज युवा पीढ़ी लगातार नशे के दल–दल में धस्ता जा रहा है। जिसके कारण हरियाणा में लगातार अपराध बढ़ रहे है। आज हरियाणा अपराध का अड्डा बन हुआ है। प्रदेश का व्यापारी व आम जनता भय के साए में जी रहे है।

बजरंग गर्ग ने कहा कि भाजपा सरकार ने 10 साल में विकास के नाम पर सिर्फ प्रदेश की जनता को गुमराह करने के सिवाएं कुछ नही किया।आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता रविंद्र श्योराण ने कांग्रेस मेयर प्रत्याशी कृष्ण सिंगला टीटू को आपने सैकड़ों साथियों के साथ समर्थन दिया।

सीआईएसएफ के सेवानिवृत्त अधिकारियों व कर्मचारियों को किया सम्मानित

चंडीगढ़,01 मार्च (एजेंसियां)। चंडीगढ़ स्थित सीआईएसएफ इकाई पंजाब और हरियाणा सिविल सचिवालय में वीरता को सलाम कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा में सेवानिवृत्त सीआईएसएफ बल सदस्यों को इकाई में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद स्वागत भाषण से सभी अतिथियों का अभिवादन किया गया। इस मौके पर चंडीगढ़ स्थित सीआईएसएफ इकाई पंजाब और हरियाणा सिविल सचिवालय के वरिष्ठ कमांडेंट योगेश प्रकाश सिंह ने सभी अतिथियों को उनकी शानदार सेवा के लिए सम्मान के प्रतीक के रूप में एक पौधा और शॉल भेंट किया। इस मौके पर वरिष्ठ कमांडेंट योगेश प्रकाश सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम 10 मार्च तक 56वें सीआईएसएफ स्थापना दिवस तक चलने वाली गतिविधियों की एक सप्ताह श्रृंखला की शुरुआत है।

सीआईएसएफ अपने सेवानिवृत्त सदस्यों के कल्याण के लिए हमेशा तत्पर है। इस कार्यक्रम के दौरान योगेश प्रकाश सिंह ने सेवानिवृत्त कर्मियों के कल्याण से संबंधित बल मुख्यालय की विभिन्न परियोजनाओं जैसे कि पेंशन कॉर्नर ऐप और ई–सर्विस बुक इत्यादि से उपस्थित सेवा निवृत कर्मियों को अवगत करवाया।

बिना ई–रवाना रोड़ी ले जा रहे ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ा, 2.15 लाख जुर्माना

नारनौल,01 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा खनन एवं भू विज्ञान विभाग के महानिदेशक के मकरंद पांडुरंग के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध खनन तथा खनिज परिवहन को लेकर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में नारनौल जिला प्रशासन द्वारा गठित संयुक्त टीम ने शनिवार सुबह नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव दताल के पास एक ट्रैक्टर–ट्राली को बिना ई–रवाना रोड़ी ले जाते पकड़ा। इस पर लगभग 2.15 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। खनन विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि खनन विभाग, पुलिस विभाग, फॉरेस्ट विभाग तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संयुक्त टीम शनिवार को नांगल चौधरी क्षेत्र में गस्त पर थी। इसी दौरान नांगल चौधरी से बहरोड़ रोड़ पर एक ट्रैक्टर–ट्रॉली राजस्थान की तरफ जा रहा था। टीम ने इसे मौके पर ही पकड़कर कागजात चैक किया।इस दौरान पता चला कि यह बिना ई–रवाना के ही रोड़ी का परिवहन कर रहा था। इस पर टीम ने कार्रवाई करते हुए 2.15 लाख रुपए की जुर्माना कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि यह टीम लगातार जिला के विभिन्न क्षेत्रों में दिन–रात गस्त कर रही है। अवैध खनन अथवा खनिज के अवैध परिवहन के मामलों पर टीम लगातार प्रभावी तरीके से कार्रवाई कर रही है।

शुभ लाभ DAILY

जाम हटाने पहुंची पुलिस पर ग्रामीणों का हमला, वाहन क्षतिग्रस्त

जान बचाकर भागे, युवक की मौत पर भड़के लोग

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा जिले में लापता युवक की दर्दनाक मौत के बाद लोगों का गुस्सा पुलिस पर फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया और जब पुलिस उन्हें हटाने पहुंची तो उन पर हमला कर दिया। इस हमले में एक पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और पुलिसकर्मियों को मौके से जान बचाकर भागना पड़ा।

इस घटना के पीछे 20 दिनों से लापता युवक भोला राम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत को कारण माना जा रहा है। भोला राम का शव बेंता अलालपट्टी गुमटी के पास गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला था। उसके दोनों हाथ और एक पैर कटे हुए थे। उसे इलाज के लिए डीएमसीएच (दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल) में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, मृतक भोला राम आठ फरवरी से लापता था। परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने मब्बी थाना में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराने की कोशिश की, तो पुलिस ने टालमटोल किया और एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। परिवार लगातार पुलिस से गुहार लगाता रहा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। करीब 20 दिनों बाद भोला राम बुरी तरह से घायल हालत में मिला।

क्रिकेट खेल रहे कुछ युवकों ने उसे देखा और तुरंत डीएमसीएच में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। भोला राम की मौत की खबर मिलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने आजमनगर इलाके में टायर जलाकर सड़क जाम कर दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

सड़क जाम की सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय थाना की डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ी पर हमला कर दिया और वाहन का शीशा तोड़ दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमें सड़क जाम की सूचना मिली थी और जब हम आजमनगर पहुंचे, तो वहां प्रदर्शन कर रहे लोगों ने हमारे वाहन पर हमला कर दिया। किसी तरह पुलिसकर्मी जान बचाकर वहां से निकलने में सफल रहे, लेकिन गुस्साई भीड़ ने गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया।

पुलिस अब इस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शनकारियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भोला राम की हत्या के पीछे कौन है, इसकी गहराई से जांच की जा रही है। हालांकि परिजनों का आरोप है कि अगर पुलिस ने समय रहते शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की होती, तो शायद भोला राम की जान बच सकती थी। इस घटना के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है और पुलिस की निष्क्रियता पर कई सवाल उठ रहे हैं।

सड़क किनारे दो युवकों के शव मिलने से हड़कंप

सिर में मारी गई थी गोली, बाइक और मोबाइल बरामद

छपरा (एजेंसियां)।

सारण जिले के छपरा में डबल मर्डर की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जलालपुर थाना क्षेत्र के मखनपुरा गांव में दो युवकों के शव सड़क किनारे पड़े मिले, जिनके सिर में नजदीक से गोली मारी गई थी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई। सूचना मिलते ही जलालपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। हालांकि पुलिस शुरुआती तौर पर इस हत्याकांड पर ज्यादा बोलने से बच रही है, लेकिन क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, शवों के पास एक मोटरसाइकिल और एक स्मार्टफोन भी बरामद हुआ है। इन सामानों को पुलिस या ग्रामीणों ने हाथ नहीं लगाया, क्योंकि डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम के आने का इंतजार किया जा रहा था। गांव के लोगों का मानना है कि दोनों युवक किसी परिचित के साथ तालाब के पास पहुंचे होंगे, जहां किसी बात पर विवाद हुआ होगा और फिर हाथ बांधकर नजदीक से सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। हालांकि हत्या लूटपाट की नीयत से नहीं की गई, क्योंकि बाइक और मोबाइल वहीं पड़े मिले।

पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने पुष्टि की है कि मृतकों की पहचान मसरख थाना क्षेत्र के कवलपुरा गांव के निवासी फारुख (पुत्र ईद मोहम्मद) और अशरफ (पुत्र सकरीद) के रूप में हुई है। दोनों शव जलालपुर थाना क्षेत्र के मखनपुरा चंवर में मिले। घटना की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान दल का गठन किया गया है, जो हत्या में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी और घटना के त्वरित खुलासे पर काम करेगा।

घटनास्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे। साथ ही फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने और मृतकों के कॉल रिकॉर्ड की जांच करने में जुटी है, ताकि हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके। यह डबल मर्डर व्यक्तिगत दुश्मनी, आपसी विवाद या गैंगवार से जुड़ा हो सकता है, लेकिन पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। फिलहाल इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है और ग्रामीणों में डर और आक्रोश व्याप्त है।

गंगा में स्नान के दौरान सेल्फी लेते वक्त दो युवक डूबे

गोताखोर और एसडीआरएफ टीम तलाश में जुटी

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर जिले के धरहरा प्रखंड में गंगा स्नान के दौरान सेल्फी लेने की कोशिश दो युवकों की जान पर भारी पड़ गई। शिवकुंड गंगा घाट पर यह दर्दनाक हादसा उस वक्त हुआ जब दो युवक स्नान के दौरान सेल्फी लेने लगे और गहरे पानी में चले गए। घाट पर मौजूद लोगों ने तुरंत शोर मचाया और बचाने की कोशिश की, लेकिन गहराई अधिक होने के कारण दोनों डूब गए।

जानकारी के मुताबिक, घटना के बाद ग्रामीणों ने तुरंत इसकी जानकारी स्थानीय हेमजापुर थाना और धरहरा प्रखंड के अंचलाधिकारी बीरेंद्र कुमार को दी। सूचना मिलते ही प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों तथा एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, लेकिन अब तक युवकों का कोई सुराग नहीं मिला है।

डूबने वाले दोनों युवक रिश्ते में फुफेरे और ममेरे भाई बताए जा रहे हैं। 24 वर्षीय बिट्टू कुमार, मधेपुरा जिले के निहालपट्टी निवासी भवानंद झा का पुत्र था, जबकि 18 वर्षीय सत्यम उर्फ कालू, मुंगेर जिले के कुमारसार राजपुर निवासी रंजीत झा का पुत्र था।

दोनों शुक्रवार को अपने रिश्तेदार शिवकुंड निवासी मोहन मिश्रा के घर आए थे। बिट्टू अपनी भाभी के घर मिलने आया था, वहीं सत्यम अपनी नानी के घर आया हुआ था।

परिजनों के अनुसार, दोनों युवक शनिवार को अपने घर लौटने वाले थे। लेकिन उससे पहले वे शिवकुंड गंगा घाट पर स्नान करने चले गए। स्नान के दौरान मोबाइल से सेल्फी लेने की कोशिश में यह हादसा हो गया। परिजनों ने बताया कि बिट्टू प्राइ-वेट जॉब करता था, जबकि सत्यम अभी छात्र था।

धरहरा अंचलाधिकारी बीरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रशासन ने एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की टीम को युवकों की तलाश में लगाया है। पूरे इलाके में इस घटना के बाद गमगीन माहौल है और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने और गहरे पानी में न जाने की अपील की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

हाईटेंशन तार की चपेट में आए छह लोग दो की गई जान, चार की हालत गंभीर

सुपौल (एजेंसियां)।

सुपौल जिले के पिपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जरौली बलहा गांव में शुक्रवार की देर शाम दर्दनाक हादसा हुआ। जहां हाईटेंशन तार की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों का इलाज निजी अस्पताल में जारी है। मृतकों की पहचान रतौली पंचायत के जरौली वार्ड 16 निवासी बिंदेश्वरी यादव के पुत्र सुशील कुमार (25) और वार्ड 14 निवासी बोकु यादव के पुत्र श्रीलाल कुमार (26) के रूप में हुई है। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम छा गया है।

इधर, हादसे के बाद संवेदक कंपनी वीटीएल की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। बिजली विभाग की एक टीम हादसे से जुड़े पहलुओं की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि इलाके में एग्रीकल्चर फीडर के हाईटेंशन तारों की रीकंडक्टिंग का कार्य चल रहा था। इसके लिए बिजली विभाग के संवेदक ने 11 केवीए तारों के ऊंचीकरण के लिए शटडाउन लिया था। मजदूरों ने नए तार लगाने का काम पूरा कर लिया था, जिसके बाद शटडाउन वापस ले लिया गया। हालांकि, नए हाईटेंशन तार को पुराने तार से जोड़ा नहीं गया था। लेकिन जैसे ही बिजली आपूर्ति शुरू हुई, पुराने हाईटेंशन तार नए तार के संपर्क में आ गए। इससे वहां काम कर रहे पांच मजदूर करंट की चपेट में आ गए। मौके पर ही दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन झुलस गए। एक साथ दो युवकों की मौत से गांव में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लो-गों ने प्रशासन से पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की है। वही प्रशासन मामले की जांच में जुटी है। मौके पर पहुंची पिपरा थाने की पुलिस ने शनिवार की सुबह दोनों मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल भेज दिया।

मृतक सुशील के चाचा शत्रुघन यादव ने सदर अस्पताल में बताया कि घटना के वक्त सुशील और श्रीलाल बिजली पोल पर चढ़ा हुआ था। जबकि अन्य चार मजदूर नीचे तार खिंच रहे थे। इसी दौरान नीचे से गुजर रही दूसरी 11 केवीए लाइन के संपर्क में तार आ गया। जिससे नई लाइन में करंट फैल गया और पोल पर चढ़े दोनों मजदूर नीचे गिर गए। जहां मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। जबकि तार खिंच रहे चार अन्य मजदूर करंट की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गए।

इधर, सदर अस्पताल में मौजूद ग्रामीणों ने बातचीत में बताया कि संवेदक द्वारा दोनों मृतकों के परिजनों को 8.50 लाख रुपए भुगतान का वादा किया गया है। जिसके आधार पर दोनों पक्षों में समझौता हुआ है। वही विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सुपौल के कार्यपालक अभियंता सौरव कुमार ने बताया कि संवेदक वीटीएल कंपनी के प्रतिनिधियों से इस संदर्भ में बातचीत हुई है। सभी मृतक व घायल मजदूरों का कंपनी ने बीमा कराया हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद मजदूरों को बीमा की राशि दी जाएगी। इसकी जिम्मेवारी पूर्ण रुप से संवेदक कंपनी की है।

इधर, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सुपौल के कार्यपालक अभियंता सौरव कुमार ने बताया कि संवेदक कंपनी वीटीएल द्वारा शुक्रवार को दिन के 11 बजे ही शट डाउन वापस कर दिया गया था। इसके बाद शट डाउन दो बार जंफर से जुड़े काम के लिए शट डाउन लिया गया। शाम करीब 04:40 बजे आखिरी बार दस मिनट के लिए शट डाउन लिया गया। बावजूद देर शाम किस प्रकार काम किया जा रहा था, यह जांच का विषय है। प्रथम दृष्ट्या संवेदक की लापरवाही की बात सामने आई है। मामले की जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। हादसा शाम करीब 07 बजे हुआ है। मृतक और घायल मजदूर वीटीएल के ही कर्मी थे। वही कटैया पीसीएस की एसबीओ पूजा कुमारी ने बताया कि दोपहर 2:10 से 2:20 और फिर 4:40 से 4:50 के बीच शट डाउन लिया गया था।

बिहार में बालू माफियाओं का तांडव, अवैध खनन रोकने पहुंची पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग, बाल-बाल बचे दारोगा

मुंगेर (एजेंसियां)।

बिहार में अवैध बालू खनन माफियाओं का दुस्साहस बढ़ता ही जा रहा है। ताजा मामला जमुई जिले के मलयपुर थाना क्षेत्र के दौलतपुर पतौना घाट का है, जहां अवैध खनन रोकने पहुंची पुलिस टीम पर बालू माफियाओं ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में थाने के एक दारोगा बाल-बाल बच गए। पुलिस ने भी अपने बचाव में पांच राउंड फायरिंग की, जिसके बाद हमलावर भाग खड़े हुए।

घटना के बाद एसडीपीओ सतीश सुमन भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और कार्रवाई तेज कर दी गई। एक ट्रैक्टर और एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अब अन्य माफियाओं की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की तैयारी कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार को मलयपुर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि दौलतपुर पतौना घाट पर बड़े पैमाने पर अवैध बालू खनन हो रहा है। सूचना मिलते ही अपर थानाध्यक्ष महेश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने देखा कि तीन ट्रैक्टरों में अवैध रूप से बालू लोड की जा रही थी। पुलिस को देखते ही ट्रैक्टर चालकों ने भागने की कोशिश की, जिसमें दो ट्रैक्टर फरार हो गए। लेकिन एक ट्रैक्टर को पुलिस ने जब्त कर लिया। जैसे ही पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त किया, बालू माफियाओं ने पूरी साजिश के साथ हमला कर दिया। देखते ही देखते 50 से 60 की संख्या में माफिया हथियारों के साथ जुट गए और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

माफियाओं ने लगभग 10 राउंड फायरिंग की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। इस दौरान थाना प्रभारी सहित कई पुलिसकर्मियों को निशाना बनाया गया, लेकिन सभी सुरक्षित बच निकले। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी पांच राउंड फायरिंग की, जिसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। इस दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया और एक ट्रैक्टर भी जब्त कर लिया।

जमुई जिले का दौलतपुर और मंझवे इलाका अवैध बालू माफियाओं का गढ़ माना जाता है। यहां लगातार अवैध खनन होता है और कई बार पुलिस और माफियाओं के बीच झड़प हो चुकी है। स्थानीय प्रशासन ने कई बार छापामारी कर अवैध खनन पर लगाम लगाने की कोशिश की, लेकिन माफिया आए दिन पुलिस को चुनौती दे रहे हैं।

घटना को लेकर एसडीपीओ सतीश सुमन ने कहा कि अवैध खनन रोकने गई पुलिस टीम पर माफियाओं ने नौ से 10 राउंड फायरिंग की। पुलिस ने भी पांच राउंड जवाबी फायरिंग की। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और माफियाओं की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरीं रक्सौल नगर परिषद की सभापति से जवाब तलब, जा सकती है कुर्सी!

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी के रक्सौल नगर परिषद की सभापति धुरुपति देवी पर लगे भ्रष्टाचार और अवैध बहाली के गंभीर आरोपों के बाद उनकी कुर्सी खतरे में पड़ गई है। नगर विकास एवं आवास विभाग ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए सभापति से दो सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। अगर वे संतो-षजनक स्पष्टीकरण देने में असफल रहीं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सकती है।

सभापति धुरुपति देवी पर आर-ोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए नगर परिषद में लिपिक और चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों की अवैध बहाली की। इतना ही नहीं, बोर्ड की बैठक में स्वीकृति लिए बिना ही उन्होंने 6.63 करोड़ रुपये के उपकरणों की खरीदारी भी कर ली। इस मनमानी से नगर परिषद में असंतोष फैल गया और पार्षदों ने इसके खिलाफ आवाज उठाई।

इस घोटाले के उजागर होने के बाद, रक्सौल नगर परिषद के उपसभापति ने दर्जनों पार्षदों के साथ मिलकर मोतिहारी के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल से इसकी जांच की मांग की। पार्षदों का आरोप था कि सभापति ने अधिकारियों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर लूट-खसोट की और अवैध तरीके से पैसे की उगाही की। जिलाधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीएम के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम गठित की। यह टीम नगर परिषद पहुंची और विभिन्न फाइलों की गहन जांच की, जिसमें बड़े पैमाने पर अनियमितताएं पाई गई।

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने अपनी रिपोर्ट नगर विकास एवं आवास विभाग को भेज दी। जांच में मिले सबूतों के आधार पर विभाग के अपर सचिव राजेश्वर राज ने सभापति धुरुपति देवी को दो सप्ताह के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है। अगर वे संतो-षजनक उत्तर नहीं दे पाती हैं, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है, जिसमें पद से हटाने की सिफारिश भी शामिल हो सकती है। इस पूरे मामले को लेकर नगर परिषद के पार्षदों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि नगर परिषद में वर्षों से भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा है और अब इसे खत्म करना जरूरी है। कई पार्षदों ने मांग की है कि सभापति को पद से हटाया जाए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

नगर निकाय के नियमों के अनुसार, अगर किसी सभापति पर वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप सिद्ध होते हैं, तो उन्हें पद से हटाया जा सकता है। इसके अलावा अनियमित रूप से किए गए सभी फैसलों को रद्द किया जा सकता है और दोषी पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com